PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, शनिवार
14.11.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 13, अंक : 22

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

PRGI/RNI No. JHAHIN/2014/54374



राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

कर्नाटक को गोवा से जोड़ने वाली नई वंदे भारत ट्रेन को प्रधानमंत्री ने दिखाई हरी झंडी

एजेंसी, बेंगलुरु

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने इस अवसर पर नई रेल और मेट्रो कनेक्टिविटी से जुड़ी परियोजनाओं का शुभारंभ करने के साथ कर्नाटक को गोवा से जोड़ने वाली नई वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी देश की विकास यात्रा में बुनियादी ढांचे की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बेहतर कनेक्टिविटी से प्रगति, रोजगार और उद्योग के नए अवसर पैदा होते हैं। जब विकास के अवसर समाज के हर वर्ग तक पहुंचते हैं तो गरीबी के खिलाफ लड़ाई और मजबूत होती है। इसी का परिणाम है कि हाल के वर्षों में करीब 50 करोड़ नागरिक अत्यधिक गरीबी से बाहर निकले हैं। मोदी ने बेंगलुरु मेट्रो की नई पिंक लाइन का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे भारतीय



प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) बेंगलुरु सहित कई शिक्षण संस्थानों और प्रमुख कारोबारी, प्रौद्योगिकी एवं व्यावसायिक केंद्रों तक पहुंच आसान होगी। इससे लाखों लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ समय और पैसे की बचत होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली-एनसीआर और मुंबई महानगर क्षेत्र के बाद बेंगलुरु देश का तीसरा शहर बन गया है, जहां मेट्रो नेटवर्क 100 किलोमीटर के पार पहुंचा है। वर्ष 2014 में नम्मा मेट्रो का नेटवर्क केवल 17 किलोमीटर था, जो अब 100 किलोमीटर से अधिक हो गया है। रेलवे के आधुनिकीकरण का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि भारतीय रेल औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलकर अपनी विशिष्ट पहचान के साथ नई विरासत तैयार कर रही है। वंदे भारत ट्रेन और अमृत भारत स्टेशन इसी बदलाव के उदाहरण हैं। कर्नाटक में 60 से अधिक रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इनमें चामराजनगर, चिक्कमगलुरु, सकलेशपुर और सुब्रह्मण्य रोड जैसे स्टेशन भी शामिल हैं। इन स्टेशनों पर वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधाओं का प्रावधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 से 12 वर्षों में रेलवे बजट में कई गुना वृद्धि हुई है और कर्नाटक के रेल बजट आवंटन में नौ गुना बढ़ोतरी हुई है। आज राज्य को चार अमृत स्टेशनों के साथ दो दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजनाओं की सौगात मिली है। कुछ दिन पहले ही कर्नाटक को उसकी पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मिली थी और अब राज्य को गोवा से जोड़ने वाली एक और वंदे भारत ट्रेन समर्पित की गई है। इससे मंगलुरु सहित कर्नाटक के पूरे तटीय क्षेत्र के यात्रियों को अर्ध-उच्च गति रेल यात्रा का नया अनुभव मिलेगा। ऊर्जा सुरक्षा को महत्वपूर्ण बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ईरान और खाड़ी क्षेत्र में जारी युद्ध ने दुनिया को ऊर्जा सुरक्षा का महत्व समझाया है। भारत ने पिछले एक दशक में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी उत्पादन बढ़ाने, कच्चे तेल का भंडारण करने, सौर, जल और पवन ऊर्जा के विस्तार तथा रेलवे के लगभग पूर्ण विद्युतीकरण जैसे कदम उठाए हैं। इन प्रयासों से देश चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का मजबूती से सामना कर सका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार मध्यम वर्ग की बचत बढ़ाने और उसके हाथ में अधिक खर्च योग्य आय उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। इसके तहत 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय को आयकर से छूट दी गई है। वरिष्ठ नागरिकों और किराये से आय प्राप्त करने वालों को लाभ पहुंचाने के लिए टीडीएस नियमों में बदलाव किए गए हैं। रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें कम करने के लिए जीएसटी में अगली पीढ़ी के सुधार किए गए हैं। व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर जीएसटी समाप्त कर बीमा को अधिक किफायती बनाया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्नाटक में शुरू की गई ये परियोजनाएं राज्य के विकास को नई गति देने के साथ विकसित भारत के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

योग बना भारत की वैश्विक पहचान का प्रवेश द्वार, आयुर्वेद के प्रति भी बढ़ा दुनिया का भरोसा : प्रधानमंत्री

एजेंसी, बेंगलुरु : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि योग आज भारत की वैश्विक पहचान का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। दुनिया योग के जरिए भारत की सभ्यता, संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और जीवन दर्शन को समझ रही है। योग के प्रति बढ़ती वैश्विक रुचि के साथ आयुर्वेद की स्वीकार्यता भी लगातार बढ़ रही है। विदेशों में 150 से अधिक आयुर्वेद प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को मान्यता मिलना भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति दुनिया के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। प्रधानमंत्री शुक्रवार को बेंगलुरु के जिगनी स्थित प्रशांति कुटीरम में स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान (एस-व्यासा) विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह एवं वरिष्ठ विचारक एच.वी. शेषाद्रि की जन्मशताब्दी स्मरणोत्सव के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

दिव्या, विदित, तेजस्विन, त्रिशा समेत 17 खिलाड़ी अर्जुन पुरस्कार से अलंकृत



एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 प्रदान किए। शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और विदित गुजराती, एथलीट तेजस्विन शंकर तथा बैडमिंटन खिलाड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद सहित 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से अलंकृत किया गया। फुटबॉल खिलाड़ी इसायाह अरुमनायगम को अर्जुन पुरस्कार की लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मानित किया गया। वहीं, तीन प्रशिक्षकों को नियमित श्रेणी और दो प्रशिक्षकों को लाइफटाइम श्रेणी में द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किए गए। भारतीय सेना के पैरा खेल केंद्र पुणे को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। इस बार किसी भी खिलाड़ी को देश का सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार नहीं मिला। वर्ष 2014 के बाद यह पहला अवसर है, जब किसी खिलाड़ी को खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित नहीं किया गया है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में एथलेटिक्स कोच परवीर सिंह, मुक्केबाजी कोच छोटे लाल यादव और निशानेबाजी कोच नेहा नंदकुमार चव्हाण को द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं, कुश्ती कोच वीरेंद्र कुमार और मुक्केबाजी कोच धर्मेंद्र सिंह यादव को द्रोणाचार्य पुरस्कार की लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मानित किया गया। इसके अलावा पुणे स्थित आर्मी पैरालंपिक नोड को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल दलजीत सिंह ने राष्ट्रपति से यह पुरस्कार ग्रहण किया। अर्जुन पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों में शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और विदित गुजराती, डेकाथलॉन एथलीट तेजस्विन शंकर, एथलीट मुहम्मद अजमल वी. और रेस वॉकर प्रियंका गोस्वामी शामिल हैं। बैडमिंटन में त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद, मुक्केबाजी में नरेंद्र, हॉकी में लालरेमसियामी और राजकुमार पाल, कबड्डी में सुरजीत और पूजा को यह सम्मान मिला। इनके अलावा पैरा निशानेबाज धनुष श्रीकांत और रुद्रांश खंडेलवाल, पैरा एथलीट एकता भ्यान, रोइंग खिलाड़ी अरविंद सिंह और निशानेबाज अखिल श्योराण भी अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किए गए। दिव्या देशमुख ने वर्ष 2025 में फिडे महिला विश्व कप जीतकर यह खिताब हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनने का गौरव प्राप्त किया था। इससे पहले वह वर्ष 2024 में शतरंज ओलंपियाड में भारतीय महिला टीम के साथ स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने इसी प्रतियोगिता में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक भी हासिल किया था। विदित गुजराती वर्ष 2024 में 45वें फिडे शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम का हिस्सा थे। उन्होंने वर्ष 2023 में फिडे ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट भी जीता था।

राजीव गांधी का पत्र साझा कर राहुल बोले- पिता ने हर जीव के साथ प्रेम व सम्मान से पेश आना सिखाया

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपने दिवंगत पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का 36 साल पुराना पत्र सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने उन्हें हर जीव के साथ प्रेम और सम्मान से पेश आना सिखाया है। इस पत्र को साझा करने से दो घंटे पहले राहुल गांधी ने एक अन्य वीडियो पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बहस की चुनौती भी दी थी। राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 7 फरवरी 1990 को राजीव गांधी



की ओर से किशोर आजवानी को लिखे पत्र की तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा, "यह मेरे पिता की दी गई सीख की अच्छी झलक है कि हर जीव के साथ प्रेम और सम्मान से व्यवहार करना चाहिए।" राजीव गांधी ने पत्र में लिखा था कि जिन लोगों ने किशोर आजवानी का पत्र पढ़कर उन्हें भेजा, उनमें से किसी ने भी उनका मजाक नहीं उड़ाया। उन्होंने भी व्यक्तिगत रूप से पत्र पढ़ने के बाद ऐसा नहीं किया। राजीव गांधी ने लिखा कि किसी का समय इतना कीमती नहीं हो सकता कि वह शुभकामनाओं और सहानुभूति के लिए समय न निकाल सके। जिस व्यक्ति के मन में सहानुभूति और सद्भावना हो और उसे व्यक्त करने के लिए लिखने का साहस भी हो, वह कभी महत्वहीन नहीं हो सकता। पत्र साझा करने से दो घंटे पहले राहुल ने एक अन्य पोस्ट में वीडियो साझा कर प्रधानमंत्री मोदी को बहस की चुनौती दी थी। वीडियो में उन्होंने कहा कि वह लगातार कह रहे हैं कि यदि प्रधानमंत्री उनसे बहस करने आते हैं तो उनका राजनीतिक करियर पूरी तरह खत्म हो जाएगा। प्रधानमंत्री भी यह बात जानते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उन्हें बार-बार देश विरोधी कहते हैं। वह देश को दिखाना चाहते हैं कि वास्तविकता में देश विरोधी कौन है और कौन किसके नियंत्रण में है। राहुल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अब उन पर टिप्पणी नहीं कर रहे हैं और न ही पहले की तरह हमले कर रहे हैं। प्रधानमंत्री बहुत सावधानी बरत रहे हैं और इसके पीछे एक बड़ा कारण है।

छठ पर्व पर रेलवे ने बढ़ाई विशेष ट्रेनों की संख्या, दिल्ली से 33 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

एजेंसी, नई दिल्ली

छठ महापर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने दिल्ली के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष प्रबंध किया है। यात्रियों, विशेषकर बिहार और देश के पूर्वी हिस्सों की ओर जाने वाले लोगों की सुविधा के लिए विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि 12 नवंबर को दिल्ली क्षेत्र से कुल 33 विशेष रेलगाड़ियां चलाई गईं। इनमें 31 निर्धारित और दो अनिर्धारित विशेष रेलगाड़ियां शामिल थीं। नई दिल्ली से 11, आनंद विहार से सात, शकूरबस्ती से पांच, हजरत निजामुद्दीन से पांच, दिल्ली जंक्शन से तीन, रोहतक से एक और दिल्ली सराय रोहिल्ला से एक विशेष रेलगाड़ी का संचालन किया गया। उन्होंने बताया कि 13 नवंबर को दिल्ली क्षेत्र से कुल 26 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन निर्धारित है। इनमें नई दिल्ली से 11, आनंद विहार टर्मिनल से सात, शकूरबस्ती से पांच, हजरत निजामुद्दीन से एक, दिल्ली जंक्शन से एक और रोहतक से एक विशेष रेलगाड़ी शामिल है।

माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं दुनियाभर में हुईं ठप, मचा हड़कंप

एजेंसी, नई दिल्ली

दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की प्रमुख क्लाउड और वर्कप्लेस सेवाओं में गुरुवार देर रात भारतीय समयानुसार बड़ी तकनीकी खामी आ गई। इसके चलते अमेरिका, ब्रिटेन और भारत समेत दुनिया के 74 से अधिक देशों में लाखों यूजर्स को माइक्रोसॉफ्ट आउटलुक, टीम्स, शेयरपॉइंट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सॉफ्टवेयर कोपायलट इस्तेमाल करने में परेशानी हुई। अचानक आई इस समस्या से कई कंपनियों और संस्थानों में ईमेल, ऑनलाइन मीटिंग तथा अन्य डिजिटल कामकाज प्रभावित हुआ। माइक्रोसॉफ्ट ने तकनीकी समस्या की पुष्टि करते हुए बताया कि उसके इंफ्रास्ट्रक्चर के एक हिस्से पर जरूरत से ज्यादा लोड पड़ गया था। इसके साथ ही कई सर्वर अचानक अनुपलब्ध हो गए, जिससे सेवाओं की कनेक्टिविटी प्रभावित हुई। कंपनी के मुताबिक समस्या की शुरुआत अमेरिका से हुई और इसके बाद इसका असर दुनिया के अन्य क्षेत्रों में भी दिखाई देने लगा। माइक्रोसॉफ्ट ने आउटेज से निपटने के लिए सभी नए डिप्लॉयमेंट रोक दिए। कंपनी ने प्रभावित ट्रैफिक को वैकल्पिक इंफ्रास्ट्रक्चर की ओर डायवर्ट करने के साथ प्रभावित सर्वरों को रीस्टार्ट करने की प्रक्रिया शुरू की। कंपनी की तकनीकी टीमें सेवाओं को सामान्य करने के लिए लगातार काम करती रहीं। आउटेज की निगरानी करने वाली वेबसाइट डाउनडिटेक्टर पर भी शिकायतों की संख्या तेजी से बढ़ी। भारतीय समयानुसार गुरुवार रात करीब 11:45 बजे तक अकेले अमेरिका में माइक्रोसॉफ्ट आउटलुक के ठप होने को लेकर 1.31 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज की गई थीं। इसके बाद ब्रिटेन में भी रात करीब 12 बजे माइक्रोसॉफ्ट की विभिन्न सेवाओं को लेकर शिकायतों में अचानक बड़ा उछाल देखा गया। आउटलुक के प्रभावित होने से यूजर्स को ईमेल भेजने और प्राप्त करने में परेशानी हुई, जबकि टीम्स में ऑनलाइन मीटिंग और संचार सेवाएं प्रभावित हुईं।



उदयनिधि स्टालिन की चुनावी जीत के खिलाफ दायर याचिका पर जारी रहेगी सुनवाई : हाईकोर्ट

एजेंसी, चेन्नई

मद्रास उच्च न्यायालय ने विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ दायर चुनाव याचिका को निरस्त करने की मांग की थी। न्यायाधीश ने उदयनिधि स्टालिन को चुनाव याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 11 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी। पिछले विधानसभा चुनाव में चेपॉक-तिरुवल्लिकेनी विधानसभा क्षेत्र से डीएमके की ओर से चुनाव लड़ने वाले उदयनिधि स्टालिन को विजयी घोषित किया गया था। उनकी चुनावी जीत को चुनौती देते हुए इसी क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले मिलानी नामक व्यक्ति ने मद्रास उच्च न्यायालय में चुनाव याचिका दायर की थी। इस चुनाव याचिका को खारिज करने की मांग करते हुए उदयनिधि स्टालिन की ओर से उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की गई थी। इस मामले की सुनवाई के दौरान उदयनिधि की ओर से दलील दी गई कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के अनुसार निर्धारित 45 दिनों की समयसीमा के भीतर चुनाव याचिका दाखिल नहीं की गई है। इसलिए इसे खारिज किया जाना चाहिए। वहीं, चुनाव याचिका दाखिल करने वाले मिलानी की ओर से दलील दी गई कि चुनाव याचिका निर्धारित समयसीमा के भीतर ही दाखिल की गई है। उच्च न्यायालय के रजिस्ट्री विभाग ने इसे स्वीकार कर क्रमांक भी आवंटित कर दिया है।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का अलर्ट, उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश के आसार

एजेंसी, नई दिल्ली

देश भर में बदलते मौसम के कारण एक तरफ जहां अलग-अलग क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं, वहीं दूसरी तरफ दिल्ली-एनसीआर में दिन-ब-दिन धुंध और कोहरा बढ़ने का अनुमान है। इसके अलावा मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने दबाव के क्षेत्र के एक 'चक्रवाती तूफान' में तब्दील होकर और अधिक तीव्र होने की प्रबल संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को कुछ बादल छाए रहने के आसार हैं। सुबह के समय अधिकतर जगहों पर हल्का कोहरा रहने की



संभावना है। यहां का अधिकतम तापमान 27-29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16-18 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। रविवार को बादल छाए रहने के आसार हैं। सुबह धुंध रहने के साथ-साथ, दोपहर से पहले कुछ अलग-अलग जगहों पर बहुत हल्की बारिश होने का अनुमान है। इस दिन का अधिकतम तापमान भी 26-28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15-17 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। वहीं, सोमवार को आसमान मुख्य रूप से साफ रहने और सुबह के समय हल्का कोहरा छाने के आसार हैं। आईएमडी के मुताबिक दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र 14 नवंबर को 'सुस्पष्ट कम दबाव' में बदल सकता है। इसके बाद इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और 16 नवंबर की शाम के आसपास मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक 'चक्रवाती तूफान' में और अधिक तीव्र होने की प्रबल संभावना है। रविवार को उत्तर-पश्चिम भारत पर एक नए पश्चिमी विक्षोभ का असर शुरू होने के आसार हैं। उत्तर-पश्चिम भारत के हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में अगले दो दिनों तक हल्की वर्षा होने का अनुमान है। 14 नवंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में, 14-15 नवंबर को पश्चिमी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तथा 15 नवंबर को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है।

ट्राई ने तीन महीने में स्पैम के खिलाफ 1.24 लाख से अधिक दूरसंचार संसाधनों पर की कार्रवाई, 374 प्रेषक ब्लैकलिस्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने जुलाई से सितंबर के दौरान अनचाहे व्यावसायिक कॉल और संदेशों (यूसीसी) के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 1.24 लाख से अधिक दूरसंचार संसाधनों पर प्रतिबंध लगाया या उनका कनेक्शन काटा है। इस दौरान पहली बार नियमों का उल्लंघन करने वाले 1,10,325 दूरसंचार संसाधनों को 15 दिन के लिए प्रतिबंधित किया गया, जबकि बार-बार उल्लंघन करने वाले 13,777 संसाधनों का एक साल के लिए कनेक्शन काट दिया गया। इसके अलावा 374 प्रेषकों को एक साल के लिए ब्लैकलिस्ट किया गया और 3,725 एसएमएस हेडर ब्लॉक किए गए। ट्राई की शुक्रवार को जारी वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही की रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में यूसीसी की 15.29 लाख शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 7.23 लाख शिकायतों पर कार्रवाई की गई। इस तिमाही में देश के दूरसंचार नेटवर्क से 714.01 अरब कॉल किए गए और 702.28 अरब एसएमएस भेजे गए। कुल कॉल के मुकाबले यूसीसी की शिकायतों की संख्या प्रति दस लाख कॉल पर लगभग 2.14 रही।

30 सितंबर 2026 तक देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की कुल संख्या 134.9 करोड़ थी। ट्राई के डीएनडी ऐप के माध्यम से जुलाई से सितंबर के दौरान यूसीसी की कुल 15.29 लाख शिकायतों में से 14.21 लाख शिकायतें मिलीं। यह कुल शिकायतों का 92.9 प्रतिशत है। 30 सितंबर तक ऐप को 42.36 लाख बार



डाउनलोड किया जा चुका था। इस अवधि में डीएनडी रजिस्ट्री में 22.449 करोड़ उपभोक्ताओं ने अपनी प्राथमिकताएं दर्ज कराई थीं, जो कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं का 16.64 प्रतिशत है।

112 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं ने अब तक अपनी प्राथमिकताएं दर्ज नहीं कराई हैं। उपभोक्ता डीएनडी ऐप, दूरसंचार सेवा प्रदाता की वेबसाइट या ऐप अथवा 1909 पर कॉल या एसएमएस करके अपनी प्राथमिकताएं दर्ज करा सकते हैं। प्रचार संबंधी कॉल के लिए 140, बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, बीमा और सरकारी नागरिक सेवाओं से जुड़ी कॉल के लिए 1600 तथा उपयोगिता, लॉजिस्टिक्स और डिलीवरी सेवाओं के लिए 1601 नंबर शृंखला निर्धारित की गई है। इस तिमाही में 140 शृंखला से 15.27 अरब प्रचार कॉल किए गए, जिनमें से 1.70 अरब रोक दिए गए। पंजीकृत प्रेषकों और टेलीमार्केटर्स ने 660.71 अरब व्यावसायिक एसएमएस भेजे, जिनमें से 11.09 अरब ब्लॉक किए गए। 1600 शृंखला से 1.27 अरब कॉल किए गए। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं की एआई आधारित प्रणालियों ने इस दौरान 18.28 अरब कॉल और 1.62 अरब एसएमएस को संदिग्ध स्पैम के रूप में चिह्नित किया।

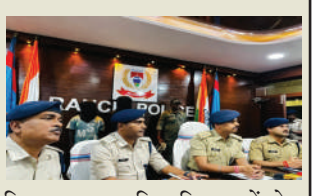
केंद्र सरकार ने जाकिर नाइक के इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन पर प्रतिबंध पांच साल बढ़ाया

एजेंसी, नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने देश में भगोड़ा करार विवादित इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक के इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन (आईआरएफ) पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत प्रतिबंध पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। मौजूदा प्रतिबंध की अवधि 14 नवंबर 2026 को समाप्त हो रही थी। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी अधिसूचना जारी की। इसके तहत आईआरएफ को गैरकानूनी संगठन घोषित किया गया है। गृह मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आतंकवाद और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस के दृष्टिकोण के तहत यह फैसला लिया गया है। जाकिर नाइक के नेतृत्व वाला संगठन सांप्रदायिक नफरत भड़काने और आतंकवाद को बढ़ावा देने सहित भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल रहा है। अधिसूचना के अनुसार केंद्र सरकार ने इससे पहले 17 नवंबर 2016 और 15 नवंबर 2021 को आईआरएफ को गैरकानूनी संगठन घोषित किया था। गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत गठित न्यायाधिकरण ने भी इन प्रतिबंधों की पुष्टि की थी।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

संक्षिप्त समाचार

रातू सामूहिक दुष्कर्म मामले में दो गिरफ्तार, नाबालिग निरुद्ध



रांची। रातू थाना क्षेत्र में 18 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग समेत तीन आरोपियों को पकड़ा है। नाबालिग को निरुद्ध किया गया है, जबकि पंकज लोहरा और अंशु राणा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी ने बताया कि घटना सात नवंबर की शाम करीब 7:30 से 8 बजे के बीच हुई थी। युवती ट्यूशन पढ़कर घर लौट रही थी, तभी सुनसान रास्ते में आरोपियों ने उसे रोककर हमला किया और दो आरोपियों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस जांच के अनुसार, युवती के इनकार से नाराज नाबालिग ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर वारदात की योजना बनाई थी। बताया गया कि करीब 10-15 दिन पहले उसने युवती के सामने अपनी पसंद जाहिर की थी, लेकिन युवती ने उसे फटकार कर मना कर दिया था। इसके बाद आरोपियों ने युवती के आने-जाने के समय और दिनचर्या पर नजर रखनी शुरू कर दी। उन्हें पता था कि युवती ट्यूशन से लौटते समय कभी-कभी अकेली रहती है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने पहले भी तीन-चार बार वारदात की कोशिश की थी, लेकिन चटकपुर टीओपी के जवानों की गश्ती के कारण सफल नहीं हो सके। घटना वाले दिन पुलिस टीम के वहां से गुजरने के करीब पांच मिनट बाद आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना आठ नवंबर को मिलने के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर डीएसपी मुख्यालय-2 के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई। टीम में रातू, दलादली और नगड़ी थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल थे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। उनके घटना के समय पहने कपड़े भी जब्त किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, पंकज लोहरा मूल रूप से लोहरदगा का निवासी है और फिलहाल पंडरा थाना क्षेत्र में रह रहा था, जबकि अंशु राणा चतरा का रहने वाला है और रातू में मजदूरी करता था। तीनों का पूर्व में कोई आपराधिक इतिहास सामने नहीं आया है।

दहेज प्रताड़ना के आरोप में विवाहिता की मौत, पति गिरफ्तार



रांची। सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी में शुक्रवार की सुबह एक विवाहिता का शव उसके कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना के बाद मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मृतका के पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मृतका मूल रूप से जमशेदपुर की रहने वाली थी। करीब तीन वर्ष पहले उसकी शादी रांची के इंद्रपुरी निवासी युवक से हुई थी। मायके वालों का आरोप है कि शादी के बाद से ही दहेज की मांग को लेकर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। परिजनों के अनुसार, घटना से पहले महिला ने फोन पर उन्हें ससुराल में हो रही प्रताड़ना और दहेज की मांग की जानकारी दी थी। घटना से एक दिन पहले भी इसी बात को लेकर उसका ससुराल वालों से विवाद हुआ था। शुक्रवार की सुबह कमरे में उसका शव फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर सुखदेवनगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को सदर अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर मायके वाले रांची पहुंचे और ससुराल पक्ष के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फर्जी APK से ठगी के आरोप में दो साइबर अपराधी गिरफ्तार



देवघर। साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए देवघर पुलिस ने सोनारायठाढ़ी थाना क्षेत्र से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान जरका चंदना निवासी पवन मंडल (36) और भीखोडीह निवासी राहुल कुमार मंडल (29) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों पर फर्जी एपीके फाइल भेजकर सरकारी योजनाओं और आरटीओ चालान के नाम पर लोगों से ऑनलाइन ठगी करने का आरोप है। वरीय पुलिस उपाधीक्षक साइबर अपराध कैलाश प्रसाद महतो के निर्देश पर गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार, 13 नवंबर को छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन और तीन सिम कार्ड बरामद किए गए। पुलिस का कहना है कि आरोपी पीएम किसान योजना, पीएम आवास योजना और आरटीओ चालान के नाम पर फर्जी एपीके फाइल भेजकर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। पवन मंडल पूर्व में साइबर थाना कांड संख्या 52/23 में आरोप-पत्रित हो चुका है। पुलिस दोनों से पूछताछ के आधार पर साइबर ठगी के नेटवर्क की जांच कर रही है। लोगों से अनजान नंबरों से भेजी गई एपीके फाइल डाउनलोड या इंस्टॉल नहीं करने और संदिग्ध लिंक से बचने की अपील की गई है।

छठ घाटों की सुरक्षा व्यवस्था का एएसपी ने लिया जायजा



बोकारो। आगामी छठ महापर्व को लेकर सहायक पुलिस अधीक्षक, चास ने शुक्रवार को चास अनुमंडल के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने तेलमोचो घाट, सोलागीडीह तालाब, इजरी नदी घाट और गरगा नदी घाट सहित अन्य प्रमुख घाटों का भ्रमण किया। इस दौरान चास, चिराचास, चास मुफस्सिल और पिंड्राजोरा थाना प्रभारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान पुलिस-प्रशासन और छठ पूजा समितियों को आपसी समन्वय के साथ पर्व की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। घाटों पर सुरक्षित जलस्तर तक बैरिकेडिंग, महिला पुलिसकर्मियों सहित पर्याप्त बल की तैनाती, रोशनी की समुचित व्यवस्था और यातायात नियंत्रण पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए समय पर गोताखोरों की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया।

कोयला लदे ट्रक की चपेट में आने से बीटीपीएस कर्मी की मौत, चालक गिरफ्तार

बोकारो : जिले के पेटरवार थाना क्षेत्र अंतर्गत झामुमो प्रधान कार्यालय के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-23 पर शुक्रवार की दोपहर हुए एक भीषण सड़क हादसे में बोकारो थर्मल पावर स्टेशन (बीटीपीएस) के अट्ठावन वर्षीय कर्मी प्रकाश लोहार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस हृदय विदारक घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। मृतक प्रकाश लोहार बोकारो थर्मल के पिरुवाटांड़ के रहने वाले थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रकाश लोहार अपने साले के बेटे राहुल (23) के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने घर वापस लौट रहे थे। पेटरवार पहुंचने पर उन्होंने राहुल को बाइक रोकने के लिए कहा। इसके बाद वे बाइक से नीचे उतरकर सड़क पार कर कुछ जरूरी सामान खरीदने जा रहे थे, तभी उसी दौरान तेज गति से आ रहे एक कोयला लदे ट्रक (जेएच02एवी-0721) ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण और भयानक थी कि प्रकाश लोहार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिसनेआरोपीचालककोगिरफ्तारकरदुर्घटनाग्रस्तट्रककोअपनेकब्जेमेंलेलियाहै। परिजनों ने रोते-बिलखते हुए बताया कि प्रकाश लोहार अपनी बेटी से मिलने और आगामी छठ पूजा की खरीदारी करने के लिए रांची गए थे, और वहीं से वापस लौटने के दौरान यह अनहोनी घटित हो गई। इस अचानक हुई दुर्घटना से मृतक के परिवार और पूरे बोकारो थर्मल क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

जेल की सलाखों के पीछे 85 बंदी कर रहे छठ व्रत, 36 महिलाएं भी शामिल

राष्ट्रीय मुख्यधारा



रांची। लोक आस्था के महापर्व छठ के प्रति श्रद्धा जेल की चारदीवारी में भी कम नहीं हुई है। झारखंड की विभिन्न जेलों में बंद 85 कैदी इस वर्ष छठ महापर्व कर रहे हैं। इनमें 36 महिलाएं और 49 पुरुष शामिल हैं। जेल परिसर में ही पारंपरिक विधि-विधान से भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा की जा रही है। झारखंड के जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने बताया कि बंदियों की धार्मिक आस्था का सम्मान करते हुए जेल प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं। जेल परिसरों में साफ-सफाई, पेयजल, रोशनी और अर्घ्य देने के लिए कृत्रिम जलकुंड बनाए गए हैं। व्रतियों को पूजन सामग्री, फल, नैवेद्य और नए वस्त्र भी उपलब्ध कराए गए हैं। पर्व के दौरान सुरक्षा और विधि-व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में सबसे अधिक 18 बंदी छठ कर रहे हैं। इनमें नौ महिलाएं और नौ पुरुष हैं। हजारीबाग के लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा में 11, मेदिनीनगर केंद्रीय कारा में आठ, दुमका केंद्रीय कारा में पांच और जमशेदपुर के घाघीडीह केंद्रीय कारा में एक महिला बंदी व्रत कर रही है। मंडल काराओं में गढ़वा में 15 बंदी छठ कर रहे हैं। इनमें नौ महिलाएं और छह पुरुष हैं। धनबाद में नौ, गिरिडीह में आठ, साहिबगंज में चार और चतरा में दो पुरुष बंदी व्रत कर रहे हैं। वहीं, राजमहल उपकारा में दो महिला और एक पुरुष तथा श्री बंशीधर नगर उपकारा में एक महिला बंदी छठ कर रही हैं। दूसरी ओर, चाईबासा, चास, देवघर, गोड्डा, गुमला, जामताड़ा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा, पाकुड़, साकची, सरायकेला और सिमडेगा की जेलों में इस वर्ष किसी बंदी के छठ व्रत करने की सूचना नहीं है। बरही, घाटशिला, खूंटी, मधुपुर, रामगढ़ और तेनुघाट उपकारा के अलावा हजारीबाग स्थित आत्मसमर्पित नक्सली बंदी कारा में भी कोई बंदी छठ नहीं कर रहा है। परिवार और अपनों से दूर जेल में रह रहे इन बंदियों के लिए छठ का आयोजन आस्था और विश्वास से जुड़ा है। जेल प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्थाओं के बीच वे पूरे विधि-विधान से पर्व मना रहे हैं।

सिगरेट मांगने पर विवाद, दोस्त ने गोली मारकर की हत्या; आरोपी गिरफ्तार

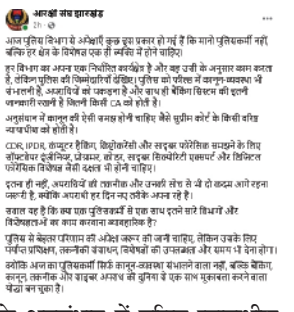


राष्ट्रीय मुख्यधारा

सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर थाना क्षेत्र में महज एक सिगरेट मांगने को लेकर हुए विवाद में दोस्त ने ही अपने दोस्त की गोली मारकर हत्या कर दी। 9 नवंबर की शाम जमालपुर के सतवाहिनी में हुई सोनू कुमार की हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी विशाल कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल पिस्टल भी बरामद की गई है। सरायकेला एसडीपीओ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि घटना 9 नवंबर की शाम करीब 7:15 बजे हुई थी। पुलिस की विशेष टीम ने मानवीय और तकनीकी सूचना के आधार पर सापड़ा पुल के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि विशाल और सोनू दोस्त थे तथा दोनों के परिवारों के बीच भी परिचय था। घटना के दिन दोनों साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान सिगरेट मांगने को लेकर विवाद हो गया। गुस्से में विशाल ने पिस्टल निकालकर सोनू को गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी डिमना चौक से बस पकड़कर उसी रात बिहार के शेरघाटी भाग गया था। कुछ समय वहां रहने के बाद लौटने के दौरान पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

एक जवान से सीए, जज और साइबर एक्सपर्ट जैसी दक्षता की अपेक्षा क्यों?

राष्ट्रीय मुख्यधारा


आरक्षी संघ झारखंड

अब पुलिस विभाग में अधिकारी कुछ इस प्रकार हो गई हैं कि मानो पुलिसकर्मी नहीं, बल्कि हर क्षेत्र के विशेषज्ञ एक ही व्यक्ति में होने चाहिए।

हर विभाग का अपना एक निर्धारित कार्यक्षेत्र है और वह उसी के अनुसार काम करता है, लेकिन पुलिस की जिम्मेदारियाँ दुनिया। पुलिस को परिस्थिति में जागरूक-व्यवस्था भी बनानी है, अदालतियों को पकड़ना है और बाद में बैंकिंग सिस्टम की हर्ताकी जानकारी रखनी है जितनी किसी CA को होती है।

अनुसंधान में कानून की ऐसी समझ होनी चाहिए जैसे सुप्रीम कोर्ट के किसी वरिष्ठ न्यायाधीश को होती है।

CDR, IPDR, क्रिप्टोकरेंसी और सर्वर का फॉरेंसिक सामुहने के लिए सॉफ्टवेयर फ्रूजीनिक्स, प्रोफाइल, हार्डवेयर, सर्वर, सिस्टम्पेरिटी एक्सपर्ट और डिजिटल फॉरेंसिक विश्लेषक जैसी दक्षता भी होनी चाहिए।

दरअल ही नहीं, अदालतियों की तकनीक और उनकी सोच से भी दो कदम आगे रहना जरूरी है, क्योंकि अपराधी हर दिन नए तरीके अपना रहे हैं।

कमाल यह है कि हम एक पुलिसकर्मी से एक साथ इतने सारे विभागों और विशेषज्ञता की मांग करवाना बजबहानिय है?

पुलिस से केवल परिणाम की अपेक्षा करना ही जानी चाहिए, लेकिन उसके लिए पर्याप्त प्रशिक्षण, तकनीकी उपकरण, विशेषज्ञों की उपलब्धता और समय भी देना होगा।

लोगोंके अन्य की पुलिसकर्मी सिर्फ कानून-व्यवस्था संभालने वाला नहीं, बल्कि बैंकिंग, कानून, तकनीक और साइबर अपराध की दुनिया के एक साथ मुकाबला करने वाला चेंटा बन चुकी है।

रांची। बदलते दौर में तकनीकी अपराधों के बढ़ने के साथ पुलिस विभाग की जिम्मेदारियां और चुनौतियां भी लगातार बढ़ रही हैं। इस बीच आरक्षी संघ झारखंड ने सोशल मीडिया के माध्यम से पुलिसकर्मियों पर बढ़ते कार्यदबाव और उनसे की जा रही असाधारण अपेक्षाओं पर सवाल उठाए हैं। संघ ने पूछा है कि क्या एक ही पुलिसकर्मी से हर क्षेत्र के विशेषज्ञ जैसी दक्षता की उम्मीद करना व्यावहारिक है? संघ के अनुसार, पुलिसकर्मी को कानून-व्यवस्था संभालने, अपराधियों की गिरफ्तारी और अनुसंधान के साथ कई तकनीकी एवं कानूनी जिम्मेदारियां भी निभानी पड़ती हैं। वित्तीय अपराधों की जांच में उससे चार्टर्ड अकाउंटेंट जैसी बैंकिंग और वित्तीय समझ, केस के अनुसंधान में वरिष्ठ न्यायाधीश जैसी कानूनी बारीकियों की जानकारी तथा सीडीआर, आईपीडीआर, कंप्यूटर हैकिंग, क्रिप्टोकरेंसी और साइबर फोरेंसिक की समझ रखने वाले तकनीकी विशेषज्ञ जैसी दक्षता की अपेक्षा की जाती है। संघ ने कहा है कि अपराधी लगातार नए तरीके अपना रहे हैं। ऐसे में पुलिस को उनकी तकनीक और कार्यशैली से आगे रहना जरूरी है। लेकिन बेहतर परिणाम की अपेक्षा के साथ पुलिसकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीकी संसाधन, विशेषज्ञों का सहयोग और काम के लिए उचित समय भी उपलब्ध कराना होगा। केवल जिम्मेदारियां बढ़ाने से प्रभावी पुलिसिंग संभव नहीं है। व्यवस्था को यह समझना होगा कि एक जवान से हर क्षेत्र का विशेषज्ञ बनने की अपेक्षा करने के बजाय उसे जरूरी सुविधाएं और सहयोग देना भी उसकी जिम्मेदारी है।

मधुबन में रेल टिकटों की कालाबाजारी का खुलासा, मुंबई का युवक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा



धनबाद। रेलवे टिकटों की कालाबाजारी करने वाले गिरोह का आरपीएफ और अपराध सूचना शाखा (सीआईबी) ने भंडाफोड़ किया है। गिरिडीह जिले के मधुबन स्थित एक धर्मशाला में छापेमारी कर मुंबई के एक युवक को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 1.74 लाख रुपये से अधिक मूल्य के 31 रेल टिकट बरामद किए गए हैं। इन टिकटों पर 117 यात्रियों की यात्रा प्रस्तावित थी। 12 नवंबर को सीआईबी धनबाद को टिकटों की अवैध खरीद-बिक्री की सूचना मिली थी। इसके बाद सीआईबी और आरपीएफ पोस्ट गोमो की संयुक्त टीम ने मधुबन की एक धर्मशाला के कमरा नंबर 226 में छापेमारी की। तलाशी के दौरान 31 ओपनिंग और भविष्य की यात्रा के टिकट मिले। आरपीएफ के अनुसार, इनकी कुल कीमत 1,74,630 रुपये है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 33 वर्षीय भाविक जसवंत राय सूचक के रूप में हुई है। वह मुंबई के मालाड पश्चिम का निवासी है। पूछताछ में उसने कथित तौर पर जरूरतमंद यात्रियों को टिकट उपलब्ध कराने के नाम पर प्रत्येक टिकट पर दो से तीन हजार रुपये अतिरिक्त वसूलने की बात स्वीकार की। पुलिस टीम ने दो मोबाइल फोन और 6,900 रुपये नकद भी जब्त किए हैं। आरपीएफ ने स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में जब्ती सूची तैयार कर आरोपी को गिरफ्तार किया। इस संबंध में आरपीएफ पोस्ट गोमो में कांड संख्या 789/26 दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ रेल अधिनियम की धारा 143 के तहत कार्रवाई की जा रही है। पूरे अभियान का नेतृत्व सीआईबी धनबाद के निरीक्षक प्रभारी अरविंद कुमार राम ने किया। छापेमारी दल में आरपीएफ पोस्ट गोमो के प्रभारी विमल कुमार, एसआई आनंद आलोक, एएसआई शशिकांत तिवारी समेत आरपीएफ और सीआईबी के अन्य जवान शामिल थे।

छठ घाटों पर तैनात रहेंगे एक हजार से अधिक पुलिसकर्मी, ड्रोन से होगी निगरानी

राष्ट्रीय मुख्यधारा



- **पहले अर्घ्य पर दोपहर 12 से रात 9 बजे और दूसरे अर्घ्य पर रात 2 से सुबह 9 बजे तक नो-इंट्री**

धनबादः लोक आस्था के महापर्व छठ को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए धनबाद पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। जिले के प्रमुख छठ घाटों पर एक हजार से अधिक पुलिस अधिकारी एवं जवान तैनात रहेंगे। वहीं, श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से निगरानी की जाएगी। एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि सभी प्रमुख घाटों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की गई है। संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। अर्घ्य के दौरान भीड़ पर ड्रोन से नजर रखी जाएगी, ताकि आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। खतरनाक घाटों पर गोताखोरों की तैनाती प्रमुख तालाबों, पोखरों एवं नदी घाटों पर गहरे पानी वाले स्थानों को चिह्नित कर बैरिकेडिंग कराई जा रही है। खतरनाक घाटों पर गोताखोर तैनात रहेंगे। पुलिस ने श्रद्धालुओं से आतिशबाजी नहीं करने और गहरे पानी में जाने से बचने की अपील की है। साथ ही बच्चों की जेब में अभिभावक का नाम, पता और मोबाइल नंबर लिखकर रखने की सलाह दी है। किसी भी आपात स्थिति में डायल 112 पर सूचना देने को कहा गया है।

पहले और दूसरे अर्घ्य पर शहर में नो-इंट्री- यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए 15 नवंबर को पहले अर्घ्य के दिन दोपहर 12 से रात 9 बजे तक तथा 16 नवंबर को दूसरे अर्घ्य के दिन रात 2 से सुबह 9 बजे तक शहर के विभिन्न मार्गों पर नो-इंट्री लागू रहेगी। निर्धारित अवधि में यात्री बसों एवं भारी मालवाहक वाहनों को मेमको मोड़ पर ही रोक दिया जाएगा। उन्हें धैया की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी।

इन मार्गों पर रहेगा प्रतिबंध- रानी बांध तालाबः तालाब के समीप सड़क के एक लेन पर नो-इंट्री रहेगी। सिटी सेंटर से पूजा टॉकीजः छोटे-बड़े सभी वाहनों का परिचालन बंद रहेगा। वाहनों को रणधीर वर्मा चौक एवं डीआरएम चौक की ओर डायवर्ट किया जाएगा। पप्पू तालाबः वाच एंड वार्ड कॉलोनी से रेलवे हॉस्पिटल तक आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। मनईटांड़ः राजेंद्र साव पेट्रोल पंप से गोल बिल्डिंग तक नो-इंट्री रहेगी। मेमको मोड़ः यात्री बसों एवं भारी वाहनों को धैया की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा सड़क किनारे स्थित अन्य प्रमुख छठ घाटों के रास्तों पर भी निर्धारित समय में वाहनों की आवाजाही नियंत्रित रहेगी। पुलिस ने श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने और प्रशासन को सहयोग देने की अपील की है।

आधी कीमत पर बेचते थे चोरी की बाइक, फर्जी स्लिप से करते थे कागजात का खेल



राष्ट्रीय मुख्यधारा

हजारीबाग। शहर में चोरी की मोटरसाइकिलों के अवैध कारोबार का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने कार्मेल चौक स्थित ए टू जेड गैरेज में छापेमारी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मौके से पांच स्प्लेंडर और एक पल्सर समेत छह मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरोह के सदस्य चोरी की बाइक बाजार मूल्य से करीब आधी कीमत पर बेचते थे। खरीदारों को भरोसे में लेने के लिए नाम ट्रांसफर कराने के नाम पर फर्जी स्लिप भी उपलब्ध कराई जाती थी, ताकि वाहन के दस्तावेजों को लेकर किसी को शक न हो। गैरेज में चोरी की मोटरसाइकिलों के कारोबार की सूचना मिलने पर पुलिस ने छापेमारी की थी। बरामद सभी छह बाइक के संबंध में उनके वास्तविक मालिकों और दस्तावेजों की जानकारी जुटाई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर पुलिस यह पता लगाने में लगी है कि चोरी की मोटरसाइकिलें कहां से लाई जाती थीं और किन लोगों को बेची गई थीं। फर्जी स्लिप तैयार करने में शामिल लोगों की भी तलाश की जा रही है। पुलिस को इस अवैध कारोबार में अन्य लोगों के शामिल होने की आशंका है।

होटवार जेल में विचाराधीन बंदी से तीन बार सामूहिक यौनाचार का आरोप, 19 पर प्राथमिकी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। राजधानी के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में 20 वर्षीय विचाराधीन बंदी के साथ कथित तौर पर तीन बार सामूहिक अप्राकृतिक यौनाचार किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित के पिता ने जेल में बंद 16 कैदियों और तीन जेल अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए खेलगांव थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोपियों में जेल अधीक्षक, वार्ड इंचार्ज और जेल अस्पताल के मेडिकल अफसर भी शामिल हैं। शिकायत 12 नवंबर को शाम 6:05 बजे दर्ज की गई। प्राथमिकी के अनुसार, युवक 31 जनवरी से 12 जून 2026 तक एक मामले में विचाराधीन बंदी के रूप में होटवार जेल में बंद था। इसी दौरान उसके साथ तीन अलग-अलग मौकों पर यौनाचार किए जाने का आरोप है। शिकायतकर्ता पिता का कहना है कि त्योहारों के दौरान कैदियों के एक समूह ने युवक को नशीला पदार्थ देकर वार्ड संख्या 3-ए, तीन नंबर ग्राउंड हॉल और वार्ड संख्या पांच में कथित तौर पर सामूहिक अप्राकृतिक यौनाचार किया। पहली घटना में उसे जबरन साड़ी पहनाकर शृंगार करने और बेहोशी की हालत में वार्ड में ले जाने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़ित के पिता ने जेलकर्मियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि युवक ने घटनाओं की शिकायत वार्ड इंचार्ज से लिखित रूप में करने की कोशिश की थी, लेकिन आवेदन फाड़ दिया गया और उसके साथ गाली-गलौज की गई। एक घटना के बाद अत्यधिक रक्तस्राव होने पर जब वह जेल अस्पताल पहुंचा, तो मेडिकल अफसर ने कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया और बिना इलाज किए वापस भेज दिया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि 12 जून को रिहाई के समय युवक की मेडिकल जांच नहीं कराई गई। जेल से बाहर आने के बाद वह लंबे समय तक मानसिक तनाव में रहा और परिजनों को अपने साथ हुई घटनाओं की जानकारी नहीं दी। बाद में उसने परिवार को पूरी बात बताई, जिसके बाद पिता ने पुलिस से शिकायत की। प्राथमिकी में वार्ड संख्या 14 और 15 में बंद पिट्टू, अरविंद गुप्ता, साहिल अंसारी, साहिल साह, रबिसर लोहरा, पवन, मंटू, धनेश्वर बढ़ई, कातिल शिव उरांव, बल्लू, रेहान गोलू, गोलू साव, पोगो, संतोष उरांव और सिपाही सिंह समेत 16 कैदियों को नामजद किया गया है। इसके अलावा जेल अधीक्षक, वार्ड इंचार्ज और मेडिकल अफसर भी आरोपी बनाए गए हैं। मामले की जांच खेलगांव थाना के एसआई कुमार शिवम को सौंपी गई है। पुलिस अब प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों, कथित घटनाओं और जेल अधिकारियों की भूमिका की जांच करेगी। फिलहाल ये सभी आरोप शिकायत पर आधारित हैं। जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

नशे में धुत ट्रक चालक ने कार को 50 मीटर तक घसीटा, दो होमगार्ड जवान गंभीर

राष्ट्रीय मुख्यधारा



चाईबासा। टाटा-चाईबासा राष्ट्रीय राजमार्ग-220 पर आयता गांव के पास शुक्रवार को तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने जमकर तबाही मचाई। ट्रक ने चाईबासा से जमशेदपुर जा रही एक कार को टक्कर मार दी और उसे करीब 50 मीटर तक घसीटता चला गया। इस हादसे में सड़क किनारे ड्यूटी कर रहे सरायकेला जिले के दो होमगार्ड जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रक चालक के नशे में होने की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार, कुजू की ओर से आ रहा ट्रक आयता गांव के पास अनियंत्रित हो गया और कार को अपनी चपेट में ले लिया। कार ट्रक के आगे फंस गई और काफी दूर तक घिसटती रही। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड जवान वीरेंद्र प्रधान और सुनील प्रधान भी ट्रक की चपेट में आ गए। दोनों को कमर, सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। वहीं, कार में सवार बड़ी बाजार निवासी दानिश कमर एयरबैग खुलने के कारण सुरक्षित बच गए। हादसे में एक कार और एक मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रक चालक को पकड़ लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चालक नशे में इतना धुत था कि उसे ठीक से खड़े होने और बातचीत करने में भी परेशानी हो रही थी। सूचना मिलने पर मुफस्सिल थाना प्रभारी विनोद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों घायल जवानों को सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर थाने ले जाया गया है। स्थानीय लोगों ने आयता और बादुडी क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों से लगातार हो रही दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात नियंत्रण और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

जन-जन का उत्सव बनेगा झारखंड स्थापना दिवस, 15 से 28 तक बोकारो में होंगे भव्य आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : झारखंड स्थापना दिवस-2026 को जनभागीदारी, सांस्कृतिक गौरव और समग्र विकास के महाउत्सव के रूप में मनाने के लिए बोकारो जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार है। शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा ने संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में 15 से 28 नवंबर तक जिले में आयोजित होने वाले विविध कार्यक्रमों, रांची के खेलगांव में लगने वाली राज्यस्तरीय प्रदर्शनी में बोकारो की सशक्त सहभागिता, ऐतिहासिक लुगुबुरू महोत्सव, ग्रामीण खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और विशेष सोशल मीडिया अभियान की तैयारियों पर विस्तार से मंथन किया गया। उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित समयसीमा में सभी तैयारियां मुकम्मल करने का निर्देश दिया।

- **उपायुक्त ने अधिकारियों संग की बैठक, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश**

समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने कहा कि झारखंड स्थापना दिवस राज्य के प्रत्येक नागरिक की पहचान, गौरव और अस्मिता से जुड़ा पावन अवसर है। इसे महज औपचारिक सरकारी आयोजन तक सीमित न रखते हुए जन-जन का उत्सव बनाया जाए। उन्होंने जिले के सभी विभागों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

राज्यस्तरीय प्रदर्शनी में दिखेगी बोकारो की विशिष्ट पहचान- रांची के खेलगांव में आयोजित होने वाली भव्य राज्यस्तरीय प्रदर्शनी में बोकारो जिले को आवंटित स्टॉल के तहत तीन विशेष थीम पर आकर्षक प्रस्तुति तैयार की जाएगी। इनमें 'एक जिला एक उत्पाद', 'एक जिला एक पर्यटन स्थल' और 'एक जिला एक आर्थिक गतिविधि' शामिल हैं। 'एक जिला एक उत्पाद' के तहत बोकारो के पारंपरिक काष्ठ शिल्प (वुड क्राफ्ट) की कलात्मक कृतियों को प्रदर्शित किया जाएगा, जिसके लिए जिला उद्योग केंद्र को उत्कृष्ट नमूने तैयार करने का निर्देश दिया गया है। 'एक जिला एक पर्यटन स्थल' के अंतर्गत संथाल समाज की आस्था के केंद्र लुगुबुरू घंटाबाड़ी को प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभारा जाएगा। इसके साथ ही जिले के आठ से दस अन्य प्रमुख प्राकृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों की तस्वीरें एवं वीडियो डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से दिखाए जाएंगे। वहीं 'एक जिला एक आर्थिक गतिविधि' के तहत भेंडरा के पारंपरिक धातु शिल्प (मेटल क्लस्टर) और चंदनकियारी के प्रसिद्ध टेराकोटा शिल्प सहित अन्य स्थानीय कुटीर उद्योगों की जीवंत झलक पेश की जाएगी। उपायुक्त ने तीनों उप-स्टॉलों की आकर्षक ब्रांडिंग और गुणवत्तापूर्ण प्रस्तुति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। 26 से 28 नवंबर तक रांची में एक विशेष मीडिया व तकनीकी टीम तैनात रहेगी, जो प्रदर्शनी की गतिविधियों और बोकारो की विशिष्टताओं पर आधारित समाचार, तस्वीरें और रील्स तैयार कर व्यापक प्रचार-प्रसार करेगी।



लुगुबुरू महोत्सव में गूंजेगी ग्रामीण खेलों की धमक- उपायुक्त ने आगामी लुगुबुरू महोत्सव के दौरान सखी सम्मेलन, शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ खेलकूद गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने खेल प्रतियोगिताओं में पारंपरिक ग्रामीण खेलों को विशेष स्थान देने पर जोर दिया। फुटबॉल प्रतियोगिता के साथ-साथ पारंपरिक खेल गोली-डंडा सहित अन्य लोक खेलों की संभावनाओं पर कार्य करने तथा सभी प्रखंडों में खेल आयोजन कर ग्रामीण युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अतिरिक्त स्थापना दिवस के कार्यक्रम केवल जिला मुख्यालय तक सीमित न रहकर सभी प्रखंडों और पंचायतों में आयोजित होंगे। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों, थाना प्रभारियों और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को समन्वय बनाकर सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान और जनभागीदारी की गतिविधियां संचालित करने का निर्देश दिया गया है। सीसीएल, बीसीसीएल, बीएसएल सहित अन्य सरकारी व निजी औद्योगिक प्रतिष्ठानों और सामाजिक संगठनों को भी इस महाउत्सव से जोड़ा जाएगा।

बोकारोसेजोहार हैशटैग के साथ चलेगा अभियान- झारखंड स्थापना दिवस पर जिले की सकारात्मक गतिविधियों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए बोकारोसेजोहार हैशटैग के साथ एक विशेष सोशल मीडिया अभियान चलाया जाएगा। 15 नवंबर को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा एवं झारखंड के अन्य अमर महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण के उपरांत सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक सामूहिक सोशल मीडिया अभियान संचालित होगा। इसमें सभी विभाग, पदाधिकारी, शिक्षण संस्थान और आम नागरिक अपनी गतिविधियों की तस्वीरें और संदेश साझा करेंगे। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल बोकारो की भौगोलिक सीमा तक सीमित नहीं रहेगा। देश के किसी भी राज्य या शहर में रहने वाले बोकारो से जुड़े नागरिक भी स्थापना दिवस के अवसर पर स्वच्छता अभियान या किसी सकारात्मक सामाजिक गतिविधि में भाग लेकर निर्धारित हैशटैग के साथ अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कर सकते हैं। अभियान में शामिल होने वाले सभी सरकारी कर्मियों, गैर-सरकारी संगठनों और आम नागरिकों को जिला प्रशासन की ओर से सम्मान स्वरूप डिजिटल सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। उक्त बैठक में पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा, चास नगर निगम के मेयर भोलू पासवान, उप मेयर पूजा कुमारी, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, उप निदेशक जनसंपर्क रवि कुमार, एनडीसी राज शर्मा, एडीएसएस सुचिता किरण, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह, डीडीएमओ शक्ति कुमार, एसएओ पंकज दुबे और पीओ माणिक प्रजापति सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। वहीं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं विभिन्न औद्योगिक कंपनियों के प्रतिनिधि भी बैठक में जुड़े।

संक्षिप्त समाचार

डीवीसी अध्यक्ष ने की बीटीपीएस में उत्पादन व परिचालन की समीक्षा



बोकारो थर्मलः डीवीसी के चेयरमैन राजेश पांडेय ने गुरुवार रात स्थानीय पावर प्लांट का निरीक्षण कर उत्पादन एवं परिचालन व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कंट्रोल रूम का अवलोकन करते हुए एचओपी मधुकर श्रीवास्तव, जीएम (ओएंडएम) राजेश श्रीवास्तव और जीएम (एचआर) ए.ए. कुजूर सहित अन्य अधिकारियों से कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी ली।

दौरे के क्रम में चेयरमैन ने एशिया के प्रथम 'ए' पावर प्लांट के पुराने हेरिटेज भवन और ऐतिहासिक नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण कर इसकी औद्योगिक विरासत को देखा। इसके पश्चात उन्होंने वर्ष 1950 में प्रख्यात कलाकार नंदलाल बोस और सुरेंद्रनाथ कर द्वारा सृजित ऐतिहासिक शिलाखंड मोजेक भित्तिचित्र के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन परियोजना का लोकार्पण किया।

चेयरमैन राजेश पांडेय ने कहा कि इस ऐतिहासिक धरोहर का संरक्षण करना अत्यंत गर्व का विषय है, ताकि भावी पीढ़ियां केंद्र की गौरवशाली औद्योगिक व सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो सकें। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्लांट परिसर में पौधरोपण भी किया।

छठव्रतियों के बीच निःशुल्क कद्दू वितरण



बोकारो थर्मलः लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ का अनुष्ठान शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। पहले दिन बोकारो थर्मल में सामाजिक सहयोग और सेवा भाव की अनूठी मिसाल देखने को मिली, जहां थोक व खुदरा सब्जी विक्रेताओं ने छठ व्रतियों के बीच निःशुल्क कद्दू (लौकी) का वितरण किया। बोकारो थर्मल सब्जी मार्केट के प्रमुख थोक विक्रेता बिरेंद्र प्रसाद मेहता और रंजीत कुमार द्वारा करीब पांच क्विंटल कद्दू निःशुल्क बांटे गए, जिसे लेने के लिए व्रतियों व स्थानीय महिलाओं में खासा उत्साह रहा। इसके अलावा नागेश्वर साव, सुरेंद्र कुमार साव तथा स्टेशन सब्जी मार्केट में चंदन कुमार साव ने भी अपने प्रतिष्ठानों से श्रद्धालुओं को कद्दू भेंट किए। सब्जी विक्रेताओं की इस सेवा पहल से व्रतियों को बड़ी सहूलियत मिली और पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा।

आशालता के संस्थापक अध्यक्ष भवानी शंकर जायसवाल नहीं रहे, शोक की लहर

बोकारोः कसमार प्रखंड के खैराचातर निवासी और बोकारो स्टील लिमिटेड (बीएसएल) के सेवानिवृत्त मुख्य नगर प्रशासक तथा दिव्यांग बच्चों की सेवा को समर्पित संस्था 'आशालता' के संस्थापक अध्यक्ष भवानी शंकर जायसवाल (83) का शुक्रवार की सुबह करीब पांच बजे निधन हो गया। अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही उनके पैतृक क्षेत्र सहित पूरे बोकारो जिले में शोक की लहर दौड़ गई है। दिवंगत भवानी शंकर जायसवाल के जीवन और कृतित्व पर नजर डालें तो उन्होंने वर्ष 1965 में आरआईटी, जमशेदपुर से इंजीनियरिंग की अपनी पढ़ाई पूरी की थी। इसके बाद उन्होंने करीब तीन वर्षों तक बांध प्रमंडल, तेनुघाट में अपनी सेवाएं दीं। वर्ष 1970 में वे सेल से जुड़े और बोकारो स्टील प्लांट में मुख्य नगर प्रशासक के पद पर कुशलतापूर्वक कार्य किया। नौकरी के दौरान और उसके बाद भी उनका पूरा जीवन समाज के उत्थान के लिए समर्पित रहा। वर्ष 1998 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के पश्चात उन्होंने वर्ष 2000 में दिव्यांग बच्चों की शिक्षा, कौशल विकास एवं पुनर्वास के नेक उद्देश्य से 'आशालता विकलांग विद्यालय' की स्थापना की, जिसके माध्यम से उन्होंने जरूरतमंद बच्चों के जीवन को संवारने का सराहनीय कार्य किया। उनके निधन पर सामाजिक और राजनीतिक हलकों में गहरी शोक संवेदना व्यक्त की गई है।

तालाब से किशोर का शव बरामद, मानसिक रूप से विक्षिप्त था मृतक

बोकारोः चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कुशमा गांव स्थित एक तालाब से शुक्रवार को चौदह वर्षीय किशोर मिथिलेश कुमार राय का शव बरामद किया गया, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के पश्चात परिजनों को सौंप दिया। इस संबंध में पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों ने पुलिस को पूछताछ के दौरान बताया कि मिथिलेश मानसिक रूप से अस्वस्थ था। बीते बुधवार की शाम को वह अचानक घर से निकल गया था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। पिछले दो दिनों से परिजन और ग्रामीण उसकी लगातार खोजबीन कर रहे थे, किंतु किसी को इस बात का अंदेशा नहीं था कि वह तालाब में डूब गया है। शुक्रवार की सुबह जब कुछ ग्रामीणों की नजर तालाब में उतरा रहे शव पर पड़ी, तो उन्होंने तुरंत इसकी सूचना परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की शिनाख्त मिथिलेश के रूप में की, जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया और मातम पसर गया। पुलिस इस दुर्घटना के सभी पहलुओं की बारीकी से जांच कर रही है।

ओएनजीसी सीबीएम एसेट ने गोमिया में चलाया जलस्रोतों की सफाई अभियान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। ओएनजीसी सीबीएम एसेट बोकारो ने निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत गोमिया प्रखंड के विभिन्न पंचायतों और ग्रामीण क्षेत्रों में नदी, तालाबों एवं अन्य जलस्रोतों की सफाई अभियान चलाया। परिसंपत्ति प्रबंधक राजीव कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान के तहत गोमिया, होसिर पूर्वी, सियारी, ढेंढे बस्ती, बिरसा ग्राम, तेनुघाट डैम, महली बांध और खजुरिया सहित कई स्थानों पर सफाई की गई।नक्शे देखें अभियान के दौरान नदी-तालाबों के घाटों और आसपास के क्षेत्रों से कचरा एवं प्लास्टिक अपशिष्ट हटाया गया। इसका उद्देश्य जलस्रोतों को स्वच्छ रखने के साथ आसपास के क्षेत्रों में साफ-सुथरा और सुरक्षित वातावरण विकसित करना है।





डीवीसी की प्रथम महिला शालिनी पांडेय ने किया सीएसआर प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मलः डीवीसी अध्यक्ष राजेश पांडेय की पत्नी एवं प्रथम महिला शालिनी पांडेय तथा एचओपी मधुकर श्रीवास्तव की पत्नी विजया श्रीवास्तव ने गुरुवार रात बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी सीएसआर के नए प्रशिक्षण केंद्र का संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। इससे पूर्व सीएसआर के वरीय प्रबंधक मनीष कुमार चौधरी ने अतिथियों का स्वागत किया। उद्घाटन के पश्चात अतिथियों ने ब्यूटीशियन, सिलाई और कंप्यूटर प्रशिक्षण कक्षों का निरीक्षण कर प्रशिक्षणार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान कोर्स पूरा कर आत्मनिर्भर बनीं 14 महिलाओं व युवतियों (सिलाई में 7, ब्यूटीशियन में 4 व कंप्यूटर में 3) को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कर्पूरी उच्च विद्यालय कंजकीरो की छात्राओं ने पारंपरिक झारखंडी नृत्य प्रस्तुत किया, वहीं सुष्मिता बर्णवाल ने हस्तनिर्मित पर्स भेंट किया।



श्रीमती पांडेय ने महिलाओं के स्वावलंबन की सराहना करते हुए ऐसे प्रयासों को विस्तार देने पर जोर दिया। वरीय प्रबंधक मनीष कुमार चौधरी ने बताया कि जल्द ही नर्सिंग असिस्टेंट और टेक्निकल इलेक्ट्रीशियन के नए कोर्स शुरू कर प्लेसमेंट की व्यवस्था भी की जाएगी। समारोह में माहेर संस्था (गोमिया) की बच्चियों को वस्त्र तथा पांच पंचायतों (कंजकीरो, गोविंदपुर डी व एफ, पेंक, अरमो व नारायणपुर) की महिला मुखिया को एक-एक अलमारी प्रदान की गई। अंत में श्रीमती पांडेय ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मौके पर भैरव महतो, जीवाधन महतो, रमेश यादव, विकास यादव, मेहीलाल मुर्मू व ओमप्रकाश यादव सहित कई मुखिया व ग्रामीण उपस्थित रहे।

जनजातीय गौरव दिवस पर बोकारो स्टील में सजी अनूठी पाककला प्रतियोगिता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जनजातीय गौरव दिवस 2026 के पावन उपलक्ष्य पर बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के मानव संसाधन विभाग के तत्वावधान में एचआर/एलएंडडी रिट्रीट में एक अत्यंत आकर्षक, रचनात्मक एवं उत्साहपूर्ण मिलेट्स आधारित पाककला प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। जनजातीय विरासत और मिलेट्स की पौष्टिकता का संगम विषय पर आधारित इस विशेष प्रतियोगिता में झारखंड की समृद्ध पारंपरिक पाककला, जनजातीय खानपान की विशिष्ट संस्कृति तथा मोटे अनाज (मिलेट्स) के औषधीय व पोषण संबंधी महत्व को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से रेखांकित किया गया।

इस अनूठी पाककला स्पर्धा में 16 बीएसएल कर्मियों की पत्नियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ अपनी भागीदारी दर्ज कराई। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा को दोगुना कर दिया। उन्होंने



- **प्रतिभागियों ने मोटे अनाज से तैयार किए स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन**

सभी प्रतिभागियों के स्टॉलों का अवलोकन कर उनकी रचनात्मकता और प्रयासों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इस मंच ने महिलाओं को अपनी पाककला प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ झारखंड की गौरवशाली जनजातीय परंपराओं और विलुप्त होते पारंपरिक व्यंजनों की विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम प्रदान किया।

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने रागी, ज्वार, बाजरा, कोदो और सावां जैसे विभिन्न पौष्टिक मोटे अनाजों (मिलेट्स) से तैयार एक से बढ़कर एक स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन प्रस्तुत किए। इन व्यंजनों में झारखंडी पारंपरिक स्वाद और आधुनिक पाक-प्रस्तुति का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। प्रत्येक प्रतिभागी ने अपने व्यंजन को अत्यंत सावधानी, स्वच्छता और कलात्मक ढंग से सजाकर प्रस्तुत किया, जिससे समूचा परिसर पारंपरिक सुगंध और उत्सव के रंगों से सराबोर हो उठा और यह आयोजन सभी के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया। प्रतियोगिता का निष्पक्ष एवं सूक्ष्म मूल्यांकन निर्णायक मंडल में शामिल मुख्य महाप्रबंधक (शॉप्स एंड फाउंड्री) जे. एन. हांसदा तथा महाप्रबंधक (आरसीएल) सुनीता मिंज द्वारा किया गया। दोनों निर्णायकों ने व्यंजनों के स्वाद, पौष्टिकता, मौलिकता और प्रस्तुति के आधार पर बारीकी से परख की। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के समर्पण और व्यंजनों की समृद्ध विविधता की मुक्तकंठ से प्रशंसा की तथा सभी प्रतिभागियों से आत्मीय संवाद करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार अपनी पाककला प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया।

स्वदेशी खानपान, जनजातीय संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता का यह सुंदर उत्सव न केवल मोटे अनाज के दैनिक उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि इसने बीएसएल प्रबंधन की देश की समृद्ध जनजातीय परंपराओं, सांस्कृतिक विविधता और स्वदेशी विरासत को संरक्षित व प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को भी पुनः सुदृढ़ किया।

डीसी ने किया चंद्रपुरा प्रखंड सह अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण, स्वच्छता व एसआईआर कार्यों पर दिया जोर



राष्ट्रीय मुख्यधारा

चंद्रपुरा (बोकारो): उपायुक्त अजय नाथ झा ने शुक्रवार को चंद्रपुरा प्रखंड सह अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक व्यवस्था, स्वच्छता और विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन भी मौजूद रहे।

उपायुक्त ने सर्वप्रथम कार्यालय परिसर स्थित शौचालय का अवलोकन किया और बीडीओ व सीओ को नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया। इसके पश्चात उन्होंने कार्यालय कक्ष, नजारत कक्ष और पारागमन कक्ष सहित अन्य शाखाओं का निरीक्षण करते हुए अभिलेखों व कमरों के व्यवस्थित रखरखाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रखंड व अंचल कार्यालय आम जनता से सीधे जुड़े महत्वपूर्ण केंद्र हैं, इसलिए यहां स्वच्छ और सुव्यवस्थित कार्य वातावरण अनिवार्य है।

इस दौरान उपायुक्त ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत संचालित कार्यों की अद्यतन समीक्षा की और संबंधित पदाधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। मौके पर चंद्रपुरा बीडीओ ईश्वर दयाल महतो, सीओ प्रशांत हेंब्रम एवं एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

झारखंड में बड़ा निवेश करेगा डीवीसी, चंद्रपुरा में लगेगी 1600 मेगावाट की सुपर क्रिटिकल परियोजना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के अध्यक्ष राजेश पांडेय (भाप्रसे) ने गुरुवार को चंद्रपुरा थर्मल पावर प्लांट का सघन निरीक्षण किया और अधिकारियों को संयंत्र के सुचारु संचालन व आगामी विस्तार परियोजनाओं को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। बोकारो थर्मल पावर प्लांट का दौरा करने के उपरांत बुधवार शाम चंद्रपुरा पहुंचे अध्यक्ष ने गुरुवार को विभिन्न इकाइयों, नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) और विकास कार्यों का जायजा लिया।

एक समारोह को संबोधित करते हुए अध्यक्ष राजेश पांडेय ने बड़ा एलान करते हुए कहा कि डीवीसी आने वाले समय में झारखंड राज्य में बड़ा निवेश करने जा रहा है। इस व्यापक निवेश से न केवल राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, बल्कि पूरे क्षेत्र, समाज और देश की आर्थिक समृद्धि भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने चंद्रपुरा में कोल इंडिया और डीवीसी के संयुक्त उपक्रम (ज्वाइंट वेंचर) के तहत स्थापित होने वाले 1600 मेगावाट (800 गुणा 2 यूनिट) के अत्याधुनिक सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट के निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए दोनों संस्थानों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।

स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि डीवीसी की प्रगति में ही यहां के स्थानीय लोगों और विस्थापितों की खुशहाली छिपी है, इसलिए सभी को इस नई परियोजना की स्थापना में पुरजोर सहयोग करना चाहिए। उन्होंने वर्तमान में संचालित पुराने संयंत्र के बेहतर रखरखाव और निर्बाध उत्पादन के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही चंद्रपुरा स्थित प्रशिक्षण संस्थान को आसपास के अन्य तकनीकी व शैक्षणिक संस्थानों तथा उद्योगों से जोड़ने की बात कही, ताकि क्षेत्रीय युवाओं और संस्थानों को इसका सीधा लाभ मिल सके।

दौरे के क्रम में अध्यक्ष राजेश पांडेय ने कोल इंडिया और डीवीसी की संयुक्त 1600 मेगावाट परियोजना से संबंधित नए कार्यालय तथा आधुनिक 'स्मार्ट ट्रेनिंग सेंटर' का विधिवत



- **चेयरमैन राजेश पांडेय ने किया प्लांट का सघन निरीक्षण; नए प्रोजेक्ट कार्यालय और स्मार्ट ट्रेनिंग सेंटर का उद्घाटन**

उद्घाटन किया। इसके पश्चात उन्होंने संयंत्र के कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया और तेजस भवन के सम्मेलन कक्ष में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। स्वास्थ्य और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में कदम बढ़ाते हुए अध्यक्ष ने प्लांट परिसर में पर्यावरण अनुकूल 'सोलर ट्री' के साथ-साथ अत्याधुनिक 'यक्ष्मा (टीबी) जांच केंद्र' का भी उद्घाटन किया। स्मार्ट ट्रेनिंग सेंटर के उद्घाटन अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कुसुम दीदी, सुमन दीदी और उषा दीदी ने अध्यात्म के माध्यम से सुख-शांति और तनावमुक्त जीवन जीने के सूत्रों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि परमात्मा से जुड़ाव ही जीवन में वास्तविक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।

लगी सीएसआर प्रदर्शनी, कला-संस्कृति को बढ़ावा देने पर जोर- चंद्रपुरा स्थित ऑफिसर्स क्लब में नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) विभाग द्वारा आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कौशल विकास समारोह में डीवीसी अध्यक्ष की धर्मपत्नी शालिनी पांडेय ने मुख्य रूप से भाग लिया। इस अवसर पर सीएसआर केंद्रों में स्थानीय महिलाओं द्वारा निर्मित हस्तशिल्प व अन्य उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण पूरा करने वाली महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। समारोह में विशेष रूप से शामिल हुए बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा ने चंद्रपुरा और आसपास के क्षेत्रों में समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और नाट्य मंच को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। वहीं विभिन्न श्रमिक यूनियनों और विस्थापित संगठनों के प्रतिनिधियों ने अध्यक्ष राजेश पांडेय से मुलाकात कर नए पावर प्लांट की स्थापना के लिए शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र के विकास में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

डीवीसी मुख्यालय और चंद्रपुरा परियोजना के शीर्ष अधिकारी रहे मौजूद- इस महत्वपूर्ण निरीक्षण और उद्घाटन समारोह में कार्यपालक निदेशक राजेश कुमार, संजीव श्रीवास्तव, अमन ज्योति, मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान राम कुमार अनुभवी, वरिष्ठ महाप्रबंधक राजेश कुमार, उपमहाप्रबंधक (मानव संसाधन) नीरज सिन्हा, उपमहाप्रबंधक राजीव कुमार, राजीव रंजन, ललन प्रसाद गुप्ता, अमित कुमार, डॉ. पीके घोष, मानिक मंडल, सत्येंद्र कुमार, मोहम्मद इम्तियाज, अविषेक घोष, मुकेश कुमार, रोशन कुमार सिंह, राजकुमार चौधरी, सुधांशु रंजन, अजय कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक आर पी सिंह, अजय सतीश टोप्पो, पवन कुमार, सूर्या कुमार दलाई, तरुणेश्वर प्रसाद, कंचन स्मिता टोप्पो, मीरा बक्सला, रोहित कुमार, विनोद बरूरी, राजीव कुमार तिवारी, ब्रज विभूति बिलोचन, गोलाम मोइनुद्दीन, तनवीर अख्तर, सुबोध कुमार पासवान, अभिनंदन कुमार, राकेश कुमार श्रीवास्तव, अक्षय कुमार, जयंतो सरकार, सत्येंद्र सिंह, उमेश कुमार शर्मा, रवि रंजन सिंह, तपन कुमार दास, ध्रुव कुमार, प्रफुल्ल भंडारी और प्रदीप कुमार श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

छठ को लेकर बरवाअड्डा फल मंडी में उमड़ी खरीदारों की भीड़, कारोबार ने पकड़ी रफ्तार

नारियल, केला, संतरा और गन्ने की सबसे अधिक मांग, दूसरे राज्यों से पहुंच रही फलों की खेप



राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

धनबादः लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर बरवाअड्डा बाजार समिति स्थित फल मंडी में शुक्रवार सुबह से ही रौनक बढ़ गई है। छठ पूजा में इस्तेमाल होने वाले फलों की खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग मंडी पहुंच रहे हैं। नारियल, केला, संतरा, सेब, अनानास, घाघरा और गन्ने की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। छठ महापर्व में फलों का विशेष धार्मिक महत्व है। नहाय-खाय से लेकर अर्घ्य तक व्रती सूप में विभिन्न प्रकार के फल सजाकर भगवान सूर्य को अर्पित करते हैं। इसी वजह से पर्व नजदीक आते ही फलों की मांग में तेजी आ गई है। मांग को देखते हुए कारोबारियों ने पहले से ही पर्याप्त तैयारी की है। देश के विभिन्न राज्यों से फलों की खेप लगातार बरवाअड्डा मंडी पहुंच रही है। कारोबारियों के अनुसार इस वर्ष फलों की आवक अच्छी है और आपूर्ति में कोई कमी नहीं है। केला, नारियल और संतरा सबसे अधिक बिक रहे हैं। वहीं सेब, अनानास, घाघरा और गन्ने की भी अच्छी मांग है। मंडी में ट्रकों और पिकअप वाहनों से लगातार फल उतारे जा रहे हैं। थोक कारोबारियों के साथ खुदरा खरीदार भी बड़ी संख्या में खरीदारी कर रहे हैं। मंडी में भीड़ बढ़ने से आसपास की सड़कों पर भी चहल-पहल बढ़ गई है। दुकानदारों का कहना है कि छठ से एक दिन पहले खरीदारी में और तेजी आने की उम्मीद है। हालांकि मांग बढ़ने के कारण फलों की कीमतों में मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, लेकिन ग्राहकों को ताजे फल उपलब्ध हो रहे हैं। बरवाअड्डा फल मंडी धनबाद जिले की प्रमुख थोक मंडियों में शामिल है। यहां से जिले के विभिन्न बाजारों, गांवों और मोहल्लों में फलों की आपूर्ति होती है। छठ महापर्व के अवसर पर मंडी की बढ़ती रौनक से बाजार में उत्साह का माहौल है।

छठ महापर्व के मद्देनजर डीसी व एसएसपी ने किया पम्पू तालाब छठ घाट का निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश



राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

धनबादः लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के सफल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर शुक्रवार को उपायुक्त आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से पम्पू तालाब छठ घाट का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों वरीय अधिकारियों ने घाट पर चल रही तैयारियों, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और व्रतियों की सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त आदित्य रंजन ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को घाट परिसर और आसपास के संपर्क पथों की समुचित साफ-सफाई, समतलीकरण तथा पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था समय से पूर्व सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने तालाब में गहरे पानी वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर मजबूत बैरिकेडिंग करने, खतरे के निशान लगाने तथा गोताखोरों की टीम की प्रतिनियुक्ति करने का आदेश दिया, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। वहीं, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने छठ घाट और आसपास के इलाकों में विधि-व्यवस्था व यातायात प्रबंधन को लेकर पुलिस पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अर्घ्य के दौरान उमड़ने वाली भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारियों एवं पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए वाहनों की पार्किंग हेतु निर्धारित स्थलों को चिन्हित करने और भीड़भाड़ वाले मार्गों पर रूट डायवर्जन लागू करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के लिए लगातार गश्ती करने की बात कही गई। उपायुक्त ने आम नागरिकों से भी प्रशासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने और स्वच्छता बनाए रखने की अपील की, ताकि श्रद्धालु पूरे उत्साह व सुरक्षित माहौल में छठ महापर्व मना सकें। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के पदाधिकारी, संबंधित थाना प्रभारी सहित जिला प्रशासन के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

गोमो में छठ की रौनक, व्रतियों के बीच हिरामन नायक ने किया कद्दू का वितरण

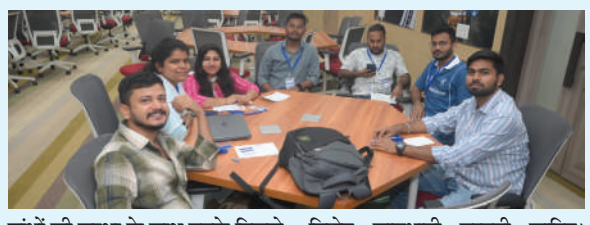
युवाओं ने संभाली घाटों की सफाई और सजावट की कमान, जमुनिया नदी में बन रहे छठ घाट



गोमो (धनबाद): लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ के नहाय-खाय के साथ ही गोमो और आसपास के क्षेत्रों में भक्तिमय माहौल बन गया है। घरों से लेकर बाजारों तक छठ पूजा की रौनक देखने को मिल रही है। छठी मैया के पारंपरिक गीतों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान है। इस अवसर पर पूर्व जिला परिषद सदस्य हिरामन नायक की ओर से छठ व्रतियों के बीच निःशुल्क कद्दू का वितरण किया गया। छठ महापर्व को लेकर क्षेत्र के युवाओं और सामाजिक संगठनों में खासा उत्साह है। सिक लाइन, विशुनपुर, पुराना बाजार सद्भावना कमेटी, जीतपुर, मार्केट, सथालडीह और हरिहरपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में युवा छठ घाटों की साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था और संपर्क मार्गों को दुरुस्त करने में जुटे हैं। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए युद्धस्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। वहीं, जमुनिया नदी में छठ घाटों के निर्माण और साफ-सफाई को लेकर भी लोगों में विशेष उत्साह है। नदी किनारे लोग अपने स्तर से घाट तैयार करने में जुटे हैं। पूरे क्षेत्र में सामाजिक सहयोग और सामूहिक भागीदारी की मिसाल देखने को मिल रही है। इन तैयारियों में मनोज स्वर्णकार, उमेश कुमार वर्णवाल, कपिल सिंह, लोकनाथ राम, छोटू सिंह, रवि सिंह, हिरामन नायक, हनी नारंग और राहुल राय सहित दर्जनों युवाओं का सराहनीय योगदान मिल रहा है। छठ महापर्व को लेकर गोमो में उत्साह और भक्ति का माहौल बना हुआ है।

बांधों की सुरक्षा और बाढ़ के खतरे के आकलन पर नौ आईआईटी के विशेषज्ञ जुटे

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



- **आईआईटी (आईएसएम) में दो दिवसीय राष्ट्रीय वर्कशॉप शुरू, बांध टूटने से संभावित बाढ़ की मॉडलिंग और आपातकालीन तैयारी पर होगा मंथन**

धनबादः बांधों की सुरक्षा, उनके टूटने की स्थिति में बाढ़ के फैलाव और संभावित खतरे का वैज्ञानिक आकलन करने के उद्देश्य से आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में शुक्रवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय वर्कशॉप शुरू हुई। डैम सेफ्टी एंड डैम-ब्रेक फ्लड रिस्क असेसमेंट विषय पर आयोजित इस वर्कशॉप में देशभर के नौ आईआईटी के विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे हैं। संस्थान के सेंटेनरी ईयर के तहत सिविल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम को अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (ANRF) और आईआईटी गुवाहाटी के टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब का सहयोग प्राप्त है। i2H भवन स्थित TEXMiN हॉल में आयोजित उद्घाटन समारोह में आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर एवं INAE चेयर प्रोफेसर प्रो. चंद्र शेखर प्रसाद ओझा मुख्य अतिथि थे। संस्थान की डीन प्रो. केका ओझा, सिविल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. राजीब सरकार सहित अन्य विशेषज्ञ उपस्थित रहे। वर्कशॉप के कन्वेनर प्रो. अभिषेक कुमार पांडेय ने कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी। प्रो. पांडेय ने बताया कि वर्कशॉप में सैद्धांतिक जानकारी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसके तहत प्रतिभागियों को HEC-RAS और TELEMAC सॉफ्टवेयर के माध्यम से बाढ़ के फैलाव की मॉडलिंग, पानी के बहाव का आकलन, प्रभावित क्षेत्रों की मैपिंग और आपातकालीन एक्शन प्लान तैयार करने की जानकारी दी जाएगी। प्रो. राजीब सरकार ने कहा कि बांध सिंचाई, बिजली उत्पादन, जलापूर्ति और बाढ़ नियंत्रण के लिए महत्वपूर्ण आधारभूत संरचनाएं हैं। हालांकि, बांधों की सुरक्षा के साथ उनके निचले क्षेत्रों में रहने वाली आबादी की सुरक्षा भी बेहद जरूरी है। बांध टूटने की घटनाएं कम होती हैं, लेकिन इनके परिणाम जान-माल और आधारभूत संरचना के लिए गंभीर हो सकते हैं। प्रो. केका ओझा ने नेपाल और सिक्किम की हालिया आपदाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि बांधों की डिजाइन, सुरक्षा और जोखिम आकलन में लापरवाही भारी नुकसान पहुंचा सकती है। पुराने बांधों की सुरक्षा का आकलन करने के साथ हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में नए बांधों के निर्माण में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। मुख्य अतिथि प्रो. चंद्र शेखर प्रसाद ओझा ने कहा कि बांध टूटने से संभावित बाढ़ का आकलन केवल अकादमिक विषय नहीं, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। उन्होंने बताया कि एक बैराज की डिजाइन से जुड़े अध्ययन में यह सामने आया था कि ऊपर स्थित बांध टूटने पर बाढ़ का पानी प्रस्तावित बैराज के ऊपर से गुजर सकता है। इसलिए भविष्य में एक के बाद एक बांधों के विफल होने जैसी संभावित परिस्थितियों का भी आकलन जरूरी है। वर्कशॉप के पहले दिन सात तकनीकी व्याख्यान हुए। आईआईटी खड़गपुर के प्रो. ध्रुबज्योति सेन ने बांधों में कटाव और टूटने की प्रक्रिया के कंप्यूटेशनल सिमुलेशन, आईआईटी गुवाहाटी के प्रो. सुभाषिसा दत्ता ने डैम सेफ्टी में डिजिटल ट्विन तथा आईआईटी जोधपुर की डॉ. सारन आधार ने जलवायु परिवर्तन के बीच जल उपलब्धता और बांधों की सुरक्षा पर व्याख्यान दिया। वहीं, आईआईटी गांधीनगर, आईआईटी जम्मू के विशेषज्ञों ने थ्री-डी फ्लो सिमुलेशन, हाइड्रोलॉजिकल एनालिसिस और डैम-ब्रेक रिस्क से जुड़े विषयों पर जानकारी साझा की। शनिवार को वर्कशॉप के अंतिम दिन प्रतिभागियों को HEC-RAS और TELEMAC सॉफ्टवेयर का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें बांध टूटने से बाढ़ के फैलाव की मॉडलिंग, स्पिलवे हाइड्रोलिक एनालिसिस, रिजर्वायर फ्लड रूटिंग और आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करने की जानकारी दी जाएगी। आईआईटी रुड़की के प्रो. ओझा ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (GLOF) के खतरे पर व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम का समापन प्रमाणपत्र वितरण के साथ होगा। वर्कशॉप में शोधकर्ताओं, बांध प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों, सरकारी एजेंसियों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों की भागीदारी से बांध सुरक्षा एवं बाढ़ जोखिम प्रबंधन के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग और संयुक्त शोध को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

रेलवे कर्मचारियों के प्रमोशन और अलग यूनिफॉर्म का मुद्दा पीएनएम बैठक में उठा

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



- **एलडीसीई ओपन टू ऑल के तहत अवसर बढ़ाने की मांग, वेंडरों के लिए अलग ड्रेस निर्धारित करने पर बनी सहमति**

धनबादः ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (एआईआरएफ) और रेलवे बोर्ड के बीच स्थाई वार्ता तंत्र (पीएनएम) की महत्वपूर्ण बैठक में रेल कर्मचारियों के पदोन्नति अवसर बढ़ाने, कैडर रीस्ट्रक्चरिंग और अलग-अलग श्रेणियों के कर्मचारियों के लिए अलग यूनिफॉर्म निर्धारित करने सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। ईसीआरकेयू के जोनल सेक्रेटरी ओपी शर्मा और मंडल मीडिया प्रभारी एनके खवास ने संयुक्त रूप से बताया कि महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न एजेंडे रखे। इनमें ट्रैक मेंटेनर्स के लिए एलडीसीई (ओपन टू ऑल), पदोन्नति के अवसर और कर्मचारियों की ड्रेस प्रमुख रहे। एआईआरएफ ने ट्रैक मेंटेनरों सहित अन्य रेल कर्मचारियों को पदोन्नति के अधिक अवसर देने की मांग की। इसके लिए एलडीसीई ओपन टू ऑल और जीडीसीई के माध्यम से पदोन्नति व्यवस्था बेहतर बनाने तथा संबंधित रिक्तियों में 25 प्रतिशत अतिरिक्त पद सुरक्षित रखने का सुझाव दिया गया। बैठक में एस्कॉर्टिंग स्टाफ, वेंडरों और लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर एवं तकनीशियन जैसे फ्रंटलाइन कर्मचारियों की यूनिफॉर्म का मुद्दा भी उठाया गया। फेडरेशन ने अलग-अलग जिम्मेदारियों के अनुरूप अलग ड्रेस निर्धारित करने की मांग की। चर्चा के दौरान वेंडरों के लिए अलग यूनिफॉर्म निर्धारित करने पर सहमति बनी। इससे यात्रियों को विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों की पहचान करने में सुविधा होगी। प्रतिनिधिमंडल में एआईआरएफ उपाध्यक्ष सह ईसीआरकेयू महामंत्री एसएनपी श्रीवास्तव, जेआर भोसले, एसके त्यागी, मुकेश माथुर और एलएन पाठक सहित विभिन्न जोनल यूनियन के पदाधिकारी शामिल थे। बैठक में रेलवे बोर्ड के मेंबर इंफ्रास्ट्रक्चर, पीईडी/आईआर, एएम/एचआर और ईडी/ईएन सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। ईसीआरकेयू के पदाधिकारियों ने बैठक में हुई सकारात्मक चर्चा के आधार पर रेल कर्मचारियों के हित में शीघ्र आवश्यक निर्णय लिए जाने की उम्मीद जताई।

डीआरएम ने किया धनबाद-गझंडी रेलखंड का निरीक्षण, कोडरमा स्टेशन के निर्माण कार्यों की ली जानकारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



- **ट्रैक, सिग्नलिंग और संरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित हो रहे नए भवन की प्रगति की समीक्षा**

धनबादः मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) अखिलेश मिश्र ने शुक्रवार को धनबाद-गझंडी रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेलखंड पर ट्रैक की स्थिति, सिग्नलिंग व्यवस्था, पुल-पुलियों तथा रेल परिचालन से जुड़ी सुरक्षा एवं संरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में डीआरएम ने गझंडी स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं, वरीय सहायक मंडल अभियंता कार्यालय और रेलवे कॉलोनी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक पहलुओं की समीक्षा की। इसके बाद डीआरएम कोडरमा स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने स्टेशन परिसर और अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए जा रहे नए स्टेशन भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और यात्रियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों के साथ विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की। इस अवसर पर धनबाद मंडल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

स्थापना दिवस पर धनबाद में होंगे कई कार्यक्रम, 17 से 22 नवंबर तक खेल प्रतियोगिताएं

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



- **15 और 17 नवंबर को चलेगा विशेष स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर से लेकर ट्रायथलॉन तक का होगा आयोजन**

धनबादः झारखंड राज्य स्थापना दिवस (15 नवंबर) एवं वर्तमान सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारियों को लेकर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में समाहरणालय में बैठक हुई। उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय-सीमा में तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम के तहत 15 एवं 17 नवंबर को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। 15 नवंबर को जिला, प्रखंड एवं पंचायत मुख्यालयों से नजदीकी छठ घाट तक 'रन फॉर क्लीनलीनेस' का आयोजन कर घाटों की सफाई की जाएगी। वहीं, 17 नवंबर को छठ पूजा के बाद विशेष सफाई अभियान चलेगा। 17 से 22 नवंबर तक खेल स्टेडियम में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं होंगी। इसके अलावा आठ लेन सड़क पर बिनोद बिहारी महतो चौक से 10 किलोमीटर का ट्रायथलॉन आयोजित होगा, जिसमें साइकिलिंग, रनिंग एवं हर्डल रेस शामिल हैं। 18 नवंबर को जिले के प्रसिद्ध चित्रकारों के लिए माइनिंग टूर आयोजित किया जाएगा। खनन विषय पर आधारित चित्रकलाओं की प्रदर्शनी रवीन्द्र भवन में लगेगी। वहीं, 17 से 25 नवंबर तक सरकारी एवं निजी अस्पतालों में रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे। स्कूली विद्यार्थियों के लिए निबंध तथा महाविद्यालयों में वाद-विवाद प्रतियोगिता होगी। इसका अंतिम मुकाबला समाहरणालय सभागार में होगा। विजेता टीम राज्य स्तरीय समारोह में धनबाद का प्रतिनिधित्व करेगी। मंईयां सम्मान योजना से जुड़ी करीब 40 उद्यमी महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। इनमें से तीन उत्कृष्ट महिलाओं को राज्य स्तरीय मेले के लिए चुना जाएगा। झारखंड आंदोलनकारियों को भी सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर श्रमिक सम्मान चौक, सदर अस्पताल का मॉड्यूलर ओटी, एसएनएमसीएच का मुख्य द्वार, नवीनीकृत सर्किट हाउस, अपर समाहर्ता कार्यालय कक्ष, 'खेलो धनबाद' पोर्टल प्रशिक्षण हॉल एवं एसएसएलएनटी के नवनिर्मित वार्ड का उद्घाटन किया जाएगा। साथ ही लाभुकों के बीच नियुक्ति पत्र, मेडिकल उपकरण, पोषण पोटली, पशुधन एवं मत्स्य योजना की परिसंपत्तियां, सीएसएसी के लिए डिजिटल आईडी तथा वन समितियों को टॉर्च सहित अन्य सामग्री वितरित की जाएगी। जिले की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने के लिए वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट, वन डिस्ट्रिक्ट वन डेस्टिनेशन एवं वन डिस्ट्रिक्ट वन इकोनॉमिक एक्टिविटी के तहत डॉक्यूमेंट्री और लघु फिल्में बनाई जाएंगी। इनमें कोयला एवं कोक, लिलोरी स्थान तथा जिले की खनन गतिविधियों को प्रमुखता से दिखाया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि स्थापना दिवस और सरकार के दो वर्ष पूरे होने के अवसर को जनभागीदारी के साथ उत्सव के रूप में मनाना है। साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने नागरिकों, विद्यार्थियों एवं सामाजिक संगठनों से कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, डीडीसी सन्नी राज, एसडीएम लोकेश बारंगे, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, एडीएम अरविंद कुमार ओझा, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन सहित अन्य पदाधिकारी एवं सभी बीडीओ उपस्थित थे।

जनता दरबार में आमजनों की समस्याओं से अवगत हुए उपायुक्त, समस्याओं के निष्पादन हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश



राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

धनबादः शुक्रवार को उपायुक्त आदित्य रंजन द्वारा कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं को सुना एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों का जल्द से जल्द जाँच कराते हुए उचित समाधान कराया जाएगा। जनता दरबार में दिव्यांग ने ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने, रैयती जमीन से अवैध कब्जा हटाने, सड़क में ब्रेकर निर्माण करने, होमगार्ड बहाली से संबंधित मामले, राशन कार्ड बनाने, पेंशन, मुआवजा, कन्या विवाह सहायता योजना का लाभ देने, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धमकी समेत कई अन्य आवेदन प्राप्त हुई। उपायुक्त ने कहा कि जनता की समस्याओं का समय पर समाधान करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारी केवल आवेदनों को लंबित न रखें, बल्कि धरातल पर जाकर उनका त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करें। कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

छठव्रती माताओं-बहनों के बीच राज सिन्हा ने बांटी साड़ी, आम की लकड़ी और गंगाजल

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



- **धनबाद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया सेवा अभियान, छठ घाटों की तैयारियों का भी लिया जायजा**

धनबादः लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर छठव्रती माताओं-बहनों के सम्मान और सहयोग के उद्देश्य से धनबाद विधायक राज सिन्हा का साड़ी वितरण अभियान शुक्रवार को भी जारी रहा। 13 नवंबर को विधायक ने धनबाद विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण इलाकों का दौरा कर हजारों छठव्रती महिलाओं के बीच साड़ी, आम की लकड़ी और गंगाजल का वितरण किया। इस दौरान विधायक केंदुआ, दुहाटांड़ स्थित वनकाली मंदिर के समीप, मनईटांड़ छठ तालाब, मनईटांड़ कुमारपट्टी सरकारी स्कूल के समीप, सब्जी बागान, गांधीनगर, रिपब्लिक मार्केट, कोक प्लांट अंबेडकर चौक, सुदामडीह, पाथरडीह, बरारी कोक स्थित दुर्गा मंदिर के समीप और गड़ेरिया सहित विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचे। मनईटांड़ छठ तालाब में उन्होंने पूजा की तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली। विभिन्न स्थानों पर स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने विधायक का स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में छठव्रती महिलाएं मौजूद रहीं। विधायक ने उनसे आत्मीय मुलाकात कर छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं और पूजा की तैयारियों में सहयोग किया। मौके पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि छठ महापर्व हमारी लोक संस्कृति, परंपरा, आस्था और सामाजिक एकता का अनुपम प्रतीक है। छठव्रती माताओं-बहनों की कठिन तपस्या, श्रद्धा और समर्पण के प्रति सम्मान प्रकट करना सौभाग्य की बात है। उनका प्रयास है कि इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचकर उनकी खुशियों में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि जनसेवा का वास्तविक उद्देश्य समाज के हर वर्ग के साथ खड़ा रहना और उनके सुख-दुःख में सहभागी बनना है। छठ महापर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, अनुशासन, स्वच्छता, त्याग और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। इस अवसर पर इंद्रभूषण कुशवाहा, मौसम सिंह, तमाल राय, राजेश गुप्ता, दिलीप सिंह, सपन कश्यप, सतीश रजक, रवि सिन्हा, जिराखन सिंह, मोंटी सिंह, नवीन वर्मा और सदानंद बर्णवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

भूली में बीसीसीएल आवासों की अवैध खरीद-बिक्री का मामला गरमाया, दो पक्ष आमने-सामने

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन



- **जनता मजदूर संघ के सचिव विजय दास और बीसीसीएल कर्मी परशुराम चौहान ने एक-दूसरे पर लगाए गंभीर आरोप, उच्चस्तरीय जांच की मांग**

भूली (धनबाद): धनबाद के भूली में बीसीसीएल आवासों की कथित अवैध खरीद-बिक्री का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में जनता मजदूर संघ के सचिव विजय दास और बीसीसीएल कर्मी परशुराम चौहान आमने-सामने आ गए हैं। दोनों एक-दूसरे पर आवासों की अवैध खरीद-बिक्री और तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगा रहे हैं। विवाद के बीच बीसीसीएल प्रबंधन की भूमिका और अब तक की गई कार्रवाई पर भी सवाल उठने लगे हैं। मामले को लेकर भूली क्षेत्रीय कार्यालय में प्रेसवार्ता कर विजय दास ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताते हुए इसे बदनाम करने की साजिश करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि परशुराम चौहान ने एक वीडियो वायरल कराया था, जिसमें राजू कुमार सोनी ने उन पर पैसे लेकर बीसीसीएल आवास दिलाने का आरोप लगाया था। विजय दास का दावा है कि राजू कुमार सोनी ने प्रबंधन को दिए लिखित पत्र में परशुराम चौहान पर लालच देकर उनसे ऐसा आरोप लगवाने की बात कही है। विजय दास ने परशुराम चौहान पर भूली के विभिन्न आवासीय क्षेत्रों में बाहरी महिलाओं के माध्यम से भय का माहौल बनाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने सी-टाइप के आवास संख्या 1, 4, 12, 18 और 33 सहित डी-ब्लॉक के विभिन्न सेक्टरों में दर्जनों क्वार्टरों की कथित अवैध खरीद-बिक्री का दावा किया। कुछ अन्य आवासों को बेचने की कोशिश किए जाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने परशुराम चौहान के स्थानांतरण और कथित तौर पर दोबारा बीटीए में वापसी को लेकर प्रबंधन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए विभागीय जांच और कार्रवाई की मांग की। दूसरी ओर, बीसीसीएल कर्मी परशुराम चौहान ने विजय दास के आरोपों को मनगढ़ंत और बेबुनियाद बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि विजय दास ने सी-टाइप आवास संख्या 12 को ढाई लाख रुपये और डी-ब्लॉक सेक्टर-2 के आवास संख्या 89 को सवा दो लाख रुपये में बेचा था। उनके अनुसार, प्रबंधन के आदेश पर इन आवासों को खाली कराया गया है। इसी कार्रवाई से नाराज होकर विजय दास उन पर आरोप लगा रहे हैं और धमकी दे रहे हैं। उन्होंने इस संबंध में प्रबंधन से शिकायत करने की बात कही। परशुराम चौहान ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए बीसीसीएल के उच्च अधिकारियों से उच्चस्तरीय जांच कमेटी गठित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में उनके खिलाफ आरोप साबित होते हैं तो वह पद से इस्तीफा देने को तैयार हैं। वहीं, विजय दास ने भी कथित अवैध खरीद-बिक्री और प्रबंधन की भूमिका की जांच कराने की मांग उठाई है। फिलहाल दोनों पक्षों के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और बीसीसीएल प्रबंधन का आधिकारिक पक्ष सामने आना जरूरी है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि आवासों की कथित खरीद-बिक्री में किन लोगों की भूमिका रही और शिकायतों के बावजूद कार्रवाई में देरी क्यों हुई।

संक्षिप्त समाचार

हेमतपुर के गोमती नदी छठ घाट की बदली सूरत, श्रमदान से चमका घाट

निजी खर्च से पूर्व वार्ड सदस्य जगेश्वर रजवार ने कराई सफाई, हर साल श्रद्धालुओं के लिए पेयजल व जलपान की करते हैं व्यवस्था



गोला। लोकआस्था के महापर्व छठ को लेकर गोला प्रखंड के हेमतपुर गांव स्थित गोमती नदी छठ घाट एवं वहां तक पहुंचने वाले रास्तों की शुक्रवार को साफ-सफाई कराई गई। पूर्व वार्ड सदस्य सह समाजसेवी जगेश्वर रजवार ने अपने निजी खर्च से ट्रैक्टर की व्यवस्था कर घाट और रास्तों की सफाई करवाई। इस दौरान उन्होंने स्वयं भी ग्रामीणों के साथ श्रमदान किया। सफाई कार्य में सामाजिक कार्यकर्ता रजनीश आनंद एवं सतपाल कुमार ने भी सहयोग दिया। जगेश्वर रजवार प्रत्येक वर्ष छठ महापर्व के अवसर पर घाट की साफ-सफाई के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखते हैं। छठ पूजा के दिन घाट पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए पेयजल एवं जलपान की व्यवस्था करते हैं, ताकि पूजा के दौरान उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। उनकी यह पहल समाजसेवा और सामूहिक जिम्मेदारी की मिसाल पेश कर रही है।जगेश्वर रजवार ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, पवित्रता और सेवा का पर्व है। घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिले और आसपास स्वच्छता बनी रहे, यही उनका प्रयास है। उन्होंने सामाजिक कार्यों में ग्रामीणों से भी बढ़-चढ़कर सहयोग करने की अपील की।

डोभा में डूबने से 8 वर्षीय मासूम बच्ची की मौत, सदमा खुर्द गांव में पसरा मातम



पेटरवार। पेटरवार थाना क्षेत्र अंतर्गत सदमा खुर्द गांव में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में आठ वर्षीय मासूम बच्ची की मौत हो गई। मृत बच्ची की पहचान सदमा खुर्द निवासी सिदेश महतो की पुत्री सृष्टि कुमारी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, सृष्टि कुमारी शुक्रवार को खेलने के दौरान अचानक गांव के एक डोभा में गिर गई। घटना के बाद परिजन आनन-फानन में बच्ची को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेटरवार लेकर पहुंचे। जहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस हृदयविदारक घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मासूम बच्ची की असामयिकमौतसेपूरेसदमाखुर्दगांवसहितआसपासकेक्षेत्रमेंशोककीलहरदौड़गई। घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। हंसती-खेलती बच्ची की मौत से माता-पिता और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

रामगढ़ को मिला पहला डाक अधीक्षक, कुमार अनूप ने माँ छिन्नमस्तिके के आशीर्वाद से संभाला पदभार



रजरप्पा: नवनिर्मित रामगढ़ डाक प्रमंडल के लिए आज का दिन ऐतिहासिक बन गया। रामगढ़ को स्वतंत्र प्रमंडल का दर्जा मिलने के बाद पहली बार किसी अधीक्षक ने पदभार ग्रहण किया है। इस गौरवशाली क्षण के साक्षी बने रामगढ़ प्रमंडल के प्रथम डाक अधीक्षक कुमार अनूप। कुमार अनूप ने अपने कार्यकाल की शुरुआत आस्था और संस्कार के साथ की। पदभार ग्रहण करने से पहले वे विश्व प्रसिद्ध सिद्धपीठ माँ छिन्नमस्तिके मंदिर, रजरप्पा पहुंचे, जहाँ उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माता से प्रमंडल की सफलता, जनसेवा और उत्तम कार्य के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। इस पूरे ऐतिहासिक स्वागत समारोह का सफल आयोजन रामगढ़ पूर्वी अनुमंडल के कर्तव्यनिष्ठ डाक अधिदर्शक सर्वेश कुमार के कुशल नेतृत्व में हुआ। सर्वेश कुमार ने अपनी टीम के साथ मिलकर पूरे कार्यक्रम को भव्य और गरिमामय बनाया। मंदिर परिसर में उन्होंने शाखा डाकपाल सुदीप गोस्वामी के साथ मिलकर कुमार अनूप का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें सम्मानपूर्वक प्रमंडल मुख्यालय लेकर आए। इस अवसर पर सर्वेश कुमार ने कहा, "यह रामगढ़ के लिए गर्व का क्षण है। हमें अपने प्रथम डाक अधीक्षक के रूप में कुमार अनूप सर जैसा अनुभवी और दूरदर्शी नेतृत्व मिला है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनके कुशल मार्गदर्शन में रामगढ़ डाक प्रमंडल सेवा, भरोसा और गति के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा और अंतिम व्यक्ति तक डाक सेवाएं और बेहतर तरीके से पहुंचेंगी।

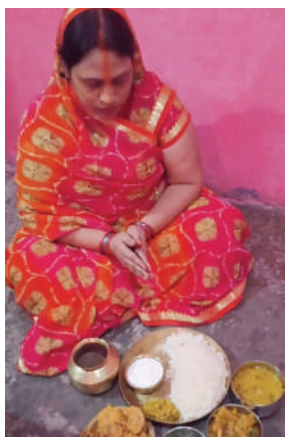
वहीं रामगढ़ मुख्यालय में आयोजित स्वागत समारोह में सहायक डाक अधीक्षक ब्रजेश पासवान, डाक निरीक्षक आशीष पांडेय, पोस्टमास्टर जसीम खान, नसीम अख्तर, सरोज कुमार, प्रियम, रवि कुमार, आशीष झा, राहुल कुमार, शैलेंद्र कुमार सिंह, राकेश कुमार सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने प्रथम अधीक्षक का पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया और उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

झारखंड में 15 से 28 नवंबर तक चलेगा रोजगार सृजन अभियान, 125 दिनों के काम पर रहेगा जोर

रांची। झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के सभी जिलों में 15 से 28 नवंबर 2026 तक राज्यव्यापी रोजगार सृजन अभियान चलाया जाएगा। विकसित भारत-जी राम जी (VB-GRAMG) योजना के तहत आयोजित इस विशेष अभियान का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों और इच्छुक श्रमिकों को मांग के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराना तथा गांवों में टिकाऊ परिसंपत्तियों का निर्माण करना है। इसके लिए योजनाओं की त्वरित स्वीकृति, जन-जागरूकता और आजीविका संवर्द्धन पर विशेष जोर दिया जाएगा। अभियान के दौरान सभी ग्राम पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रभात फेरी के माध्यम से ग्रामीणों को योजना के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी। इनमें 125 दिनों के रोजगार का प्रावधान, महिलाओं की भागीदारी, समय पर मजदूरी भुगतान और 300 रुपये की दैनिक मजदूरी दर शामिल हैं। पंचायत भवनों में दो से तीन विशेष काउंटर लगाकर ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ व्यक्तिगत और सामुदायिक योजनाओं के आवेदन भी लिए जाएंगे। सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाएं आयोजित कर श्रमिकों से काम और रोजगार गारंटी कार्ड के आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। लंबित कार्ड जारी करने, आधार सत्यापन पूरा करने और शिकायतों के निवारण पर भी काम होगा। श्रमिकों की मांग और स्थानीय जरूरतों के आधार पर बिरसा हरित ग्राम योजना, आंगनबाड़ी केंद्र, सिंचाई कूप, जीएसबी सड़क, नाला पुनर्जीवन, स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच और ड्राई बोरवेल रिचार्ज पिट जैसी योजनाओं को तकनीकी एवं प्रशासनिक स्वीकृति देकर शुरू कराया जाएगा। जिन गांवों में अब तक परिसंपत्ति निर्माण का काम नगण्य रहा है, वहां विशेष प्राथमिकता से योजनाएं शुरू की जाएंगी। अभियान के समापन पर पिछले वित्तीय वर्ष में योजना के तहत 100 दिनों का रोजगार पूरा करने वाले श्रमिकों और उत्कृष्ट कार्य करने वाले मेट को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। रोजगार गारंटी कार्डधारियों के लिए योजना आधारित क्विज प्रतियोगिता भी होगी। इसके विजेताओं के अलावा जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर पर बेहतर काम करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। राज्य स्तर पर अधिकतम रोजगार सृजन और सबसे अधिक योजनाओं की स्वीकृति के आधार पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दो जिलों को विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने और स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण को गति देने का लक्ष्य रखा गया है।

झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल समेत देशभर में छठ महापर्व की धूम, नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय सूर्य उपासना शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा || बृजराज सिंह







- **लोक आस्था, पवित्रता और अटूट विश्वास के महापर्व में डूबे श्रद्धालु, चार दिनों तक भगवान भास्कर और छठी मैया की करेंगे आराधना**

जमशेदपुर। लोक आस्था, पवित्रता, त्याग और सूर्य उपासना का महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ श्रद्धा एवं भक्तिभाव के वातावरण में शुरू हो गया। झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल समेत देश के विभिन्न राज्यों में छठ पर्व की रौनक देखने को मिल रही है। विशेष रूप से इन राज्यों में रहने वाले लाखों श्रद्धालु पूरी निष्ठा, पवित्रता और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ चार दिवसीय महापर्व मना रहे हैं। घरों से लेकर बाजारों और छठ घाटों तक उत्साह एवं भक्ति का माहौल बना हुआ है। महापर्व के पहले दिन शुक्रवार को व्रतियों ने सुबह स्नान कर घरों की साफ-सफाई की तथा शुद्धता और पवित्रता के साथ भगवान सूर्य देव की आराधना की। इसके बाद परंपरानुसार कद्दू-भात, चना दाल और अन्य सात्विक व्यंजन तैयार कर नहाय-खाय का प्रसाद ग्रहण किया। मान्यता है कि नहाय-खाय के साथ ही छठ व्रत की कठिन साधना और आध्यात्मिक अनुशासन का शुभारंभ होता है। चार दिनों तक चलेगी सूर्य उपासना की कठिन साधना चार दिवसीय छठ महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को खरना मनाया जाएगा। इस दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखने के बाद शाम को भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद गुड़ की खीर, रोटी और फल का प्रसाद ग्रहण करेंगे। खरना के साथ ही व्रतियों का लगभग 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाएगा। तीसरे दिन रविवार को अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को पहला अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। इस दौरान श्रद्धालु नदी, तालाब, जलाशयों और विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगे तथा परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की खुशहाली और समाज के कल्याण की कामना करेंगे। वहीं, चौथे और अंतिम दिन सोमवार की सुबह उदीयमान भगवान सूर्य को दूसरा अर्घ्य अर्पित करने के साथ महापर्व का विधिवत समापन होगा। इसके बाद व्रती पारण कर अपना कठिन उपवास पूर्ण करेंगे। चार राज्यों में छठ की विशेष रौनक झारखंड के जमशेदपुर, रांची, धनबाद, बोकारो, देवघर और अन्य शहरों में छठ को लेकर विशेष उत्साह है। वहीं बिहार के पटना, गया, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, छपरा और अन्य जिलों में गंगा सहित विभिन्न नदियों और तालाबों के किनारे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, बलिया, देवरिया और पूर्वांचल के कई क्षेत्रों में भी छठ महापर्व की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल के कोलकाता, हावड़ा, आसनसोल और दुर्गापुर सहित विभिन्न इलाकों में रहने वाले श्रद्धालु भी पूरी श्रद्धा के साथ भगवान सूर्य की उपासना में जुटे हैं। इन राज्यों के अलावा देश के अन्य हिस्सों में रहने वाले पूर्वांचल और बिहार-झारखंड के प्रवासी परिवार भी इस महापर्व को पारंपरिक उत्साह के साथ मना रहे हैं। छठ घाटों की सफाई और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर जमशेदपुर समेत विभिन्न शहरों में छठ घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, बैरिकेडिंग और सुरक्षा को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। स्थानीय पूजा समितियां और सामाजिक संगठन भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अपने स्तर से व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। प्रशासन की ओर से भी घाटों पर स्वच्छता, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है, ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में पूजा-अर्चना कर सकें। प्रकृति, स्वच्छता और सामाजिक एकता का संदेश देता है छठ महापर्व केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, स्वच्छता, संयम, समानता और सामाजिक एकता का अनुपम संदेश भी देता है। इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें जाति, वर्ग और सामाजिक भेदभाव से ऊपर उठकर सभी लोग एक साथ भगवान सूर्य की आराधना करते हैं। छठ में अस्ताचलगामी और उदीयमान दोनों स्वरूपों में सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया जाता है। यह परंपरा जीवन में समानता, धैर्य और निरंतरता का भी प्रतीक मानी जाती है। लोक आस्था, पवित्रता और अटूट विश्वास के इस महापर्व ने एक बार फिर झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल समेत देशभर को भक्तिमय वातावरण में रंग दिया है। व्रतियों की कठिन तपस्या, छठी मैया के प्रति अटूट श्रद्धा और भगवान भास्कर की उपासना से चारों ओर छठमय माहौल नजर आ रहा है।

पेटरवार में दर्दनाक सड़क हादसा, हाइवा कि चपेट में आने से बुजुर्ग बाइक सवार की मौके पर मौत, क्षेत्र में शोक की लहर

- **छठ पर्व को लेकर रांची से खरीदारी कर घर लौट रहे थे।**

राष्ट्रीय मुख्यधारा





पेटरवार। पेटरवार थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची बोकारो मुख्य मार्ग में छत्रु राम महतो चौक स्थित पेट्रोल पंप के समीप एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बीटीपीएस निवासी बुजुर्ग बाइक सवार की मौत हो गई। घटना लगभग 3 बजे की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुजुर्ग अपने भतीजे के साथ रांची से छठ पूजा की खरीदारी कर मोटरसाइकिल से अपने घर जा रहा था। इस दौरान बाइक एलपी वाहन की चपेट में आ गई, जिससे घटनास्थल पर ही बुजुर्ग की मौत हो गई। हालांकि दौरान भतीजा बाल बाल बच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन एवं जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई की। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक के घर में छठ महापर्व की तैयारी चल रही थी। इसी सिलसिले में वे खरीदारी करने रांची गए थे। इसी बीच पेटरवार में यह दर्दनाक हादसा हो गया। इस हृदयविदारक घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं क्षेत्र में शोक की लहर है।

विधायक भूषण बाड़ा पर नाबालिग से दुष्कर्म और गर्भपात कराने का आरोप, धुर्वा थाना में आवेदन

राष्ट्रीय मुख्यधारा



रांची। सिमडेगा के कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा पर 14 वर्षीय आदिवासी नाबालिग लड़की ने दुष्कर्म, यौन शोषण, धमकी और गर्भपात कराने के गंभीर आरोप लगाए हैं। मामला रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित विधायक आवास से जुड़ा है। पीड़िता के परिजनों ने ऑनलाइन शिकायत के बाद शुक्रवार को धुर्वा थाना पहुंचकर प्राथमिकी दर्ज करने के लिए लिखित आवेदन दिया है। मामले में पॉक्सो (POCSO) अधिनियम के तहत कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत के अनुसार, पीड़िता सिमडेगा जिले की रहने वाली है। आरोप है कि विधायक की बहन उसे पढ़ाई कराने का भरोसा देकर रांची लेकर आई थी। उसे विधायक आवास में रखकर शिक्षा की व्यवस्था करने की बात कही गई थी। इसी दौरान विधायक आवास में उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया। पीड़िता ने कई दिनों तक यौन शोषण किए जाने और घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से मारने की धमकी मिलने का भी आरोप लगाया है। परिजनों की शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि नाबालिग के गर्भवती होने के बाद उसका गर्भपात कराया गया। पीड़िता ने किसी तरह अपने परिवार को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया। दूसरी ओर, विधायक की पत्नी ने इन आरोपों को विधायक को बदनाम करने की कोशिश बताया है। उन्होंने बच्ची के अपहरण की आशंका भी जताई है और कहा है कि फिलहाल उसके ठिकाने की जानकारी नहीं है। पुलिस की ओर से मामले में पीड़िता की मेडिकल जांच और अन्य तथ्यों के सत्यापन के बाद आगे की कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है। विधायक की ओर से आरोपों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मामले में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और वास्तविक स्थिति पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

उपरबरगा, सरगडीह एवं नावाडीह पंचायत में वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन, ग्रामीणों को किया गया जागरूक





राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला। प्रखंड क्षेत्र के बरलंगा ओर बरियातु में शुक्रवार को वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं, बचत, बीमा, पेंशन, डिजिटल लेन-देन तथा विभिन्न सरकारी वित्तीय योजनाओं के प्रति जागरूक करना था।शिविर के दौरान उपस्थित भारतीय रिजर्व बैंक के मैनेजर सोहम जिला के अग्रणी जिला प्रबंधक देव नारायण , उपरबरगा के मुखिया जीतलाल टुडु, सरगडीह पंचायत के मुखिया प्रभास प्रकाश सिंह और नावाडीह पंचायत के वार्ड सदस्य भास्कर कोटवार, बैंक ऑफ इंडिया बनतारा के मैनेजर राजा रतनेश, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया मैनेजर , पंजाब नेशनल बैंक के मैनेजर देवेंद्र कुमार राम साथ मे स्वधार फिनएक्सेस के राम प्रवेश चौधरी और सभी बैंक के बीसी और ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों को बैंक खाते के सही उपयोग, नियमित बचत के महत्व, डिजिटल बैंकिंग तथा सरकारी योजनाओं से मिलने वाले लाभों की जानकारी दी गई। साथ ही प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना के बारे में भी बताया गया।कार्यक्रम में वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव पर विशेष जोर दिया गया। ग्रामीणों को जागरूक किया गया कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, एटीएम पिन, बैंक पासवर्ड अथवा अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। किसी भी संदिग्ध कॉल या लिंक से सावधान रहें। ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई।

इस शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को सुरक्षित बैंकिंग व्यवहार अपनाने, बचत की आदत विकसित करने तथा वित्तीय सेवाओं का सही उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। वित्तीय साक्षरता ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक जागरूकता, आत्मनिर्भरता और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ छठ महापर्व



राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी। लोक आस्था का चार दिवसीय छठ महापर्व शुक्रवार से नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। महापर्व को लेकर प्रखंड में भक्तिमय माहौल बनने लगा है। व्रती महिलाओं ने सुबह तालाबों और घाटों पर स्नान कर पवित्रता एवं श्रद्धा के साथ व्रत की शुरुआत की। नहाय-खाय के अवसर पर व्रती कद्दू-भात, चने की दाल और शुद्ध शाकाहारी भोजन ग्रहण की। घरों में मिट्टी के चूल्हे और आम की लकड़ी से छठ का प्रसाद तैयार किया जा रहा है।शनिवार को खरना होगा। इस दिन व्रती गुड़ की खीर, रोटी और अन्य प्रसाद ग्रहण करने के बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू करेंगी। महापर्व के तीसरे दिन रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा, जबकि चौथे और अंतिम दिन सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रती पारण करेंगी।

पेटरवार में डीजे के तेज आवाज और ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाने की मांग, ग्रामीणों ने थाना प्रभारी को सौंपा सामूहिक आवेदन



राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। पेटरवार क्षेत्र में धार्मिक आयोजनों एवं अन्य कार्यक्रमों में डीजे के अत्यधिक तेज आवाज और ध्वनि प्रदूषण से परेशान स्थानीय लोगों ने प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में क्षेत्र के समस्त जागरूक नागरिकों ने पेटरवार थाना प्रभारी को सामूहिक आवेदन सौंपकर निर्धारित ध्वनि सीमा और समय-सीमा का सख्ती से पालन कराने की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजने से बच्चों, बुजुर्गों, विद्यार्थियों और बीमार लोगों को काफी परेशानी होती है। इससे आम जनजीवन और स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि रात 9 बजे के बाद डीजे एवं लाउडस्पीकर के अनधिकृत उपयोग पर रोक लगाई जाए, नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों एवं आयोजकों पर कार्रवाई हो तथा सार्वजनिक स्थलों और रिहायशी इलाकों में ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जाए। लोगों ने प्रशासन से इस गंभीर समस्या पर तत्काल संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करने की अपील की है।

पोलियो अभियान के लिए एएनएम-सहियाओं को दिया गया प्रशिक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा



डुमरी। पोलियो उन्मूलन अभियान एवं कैप्सूल कोर्स के सफल क्रियान्वयन के लिए शुक्रवार को रेफरल अस्पताल के सभागार में एएनएम और सहियाओं को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में 22 नवंबर से शुरू हो रहे तीन दिवसीय पोलियो उन्मूलन अभियान की सफलता एवं निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी से अपनी सहभागिता निभाने की अपील की गई। इस संबंध में रेफरल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कामेश्वर महतो ने कहा कि पहला दिन 22 नवंबर रविवार को बूथ दिवस रहेगा। इसके बाद 23 और 24 नवंबर को घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रखंड में कुल 36 हजार 800 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। कोई भी बच्चा छूटे नहीं, इसके लिए प्रखंड में 240 बूथ बनाए गए हैं। हर बूथ पर दो कर्मी रहेंगे, जिनमें सहिया और सेविका शामिल हैं। इस तरह कुल 480 कर्मी टीम में काम करेंगे। अभियान को सफल बनाने के लिए 50 पर्यवेक्षक बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि टीकाकरण का नियमित कार्यक्रम तो चलता ही रहता है, यह एक विशेष अभियान है।इस दौरान डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ. दीपक कुमार, एफएम राजेश कुमार, डॉ. राहुल अग्रवाल, बीटीटी मानिकचन्द महतो, उषा देवी, स्टोर कीपर राजू कुमार, बीडीएम विक्की कुमार रजक, पीएचपी नरेश यादव, सहिया साथी पूर्णिमा देवी, दीपा, मंजूलता सिन्हा, कंचन, पार्वती देवी, सहिया सरिता देवी, गायत्री, इन्दु, अंजू देवी, पिंकी, पुनिता, उषा, अनीता हेंब्रम, ललिता, शांति, बैजन्ती, नूरजहां, हेमन्ती, प्रमिला, यशोदा, राधा, चमेली, हेमा, सुनीता, रूबी अमन, एएनएम पूनम कुमारी, वीणा, रानी, उषा, रीना, ममता आदि उपस्थित थे। वहीं एएनएम को कैप्सूल कोर्स का भी प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें समग्र शिशु बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता / पोषण दिवस, एनीमिया मुक्त भारत अभियान, संशोधित सामुदायिक आधारित आकलन चेकलिस्ट तैयार करना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन, ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति प्लस, जन आरोग्य समिति, क्षय रोग, डिजिटल एवं सूचना प्रौद्योगिकी एवं वेक्टर जनित रोग की रोकथाम आदि शामिल है।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

विश्वास की ताकतः संकट में भी धैर्य और आस्था का संदेश

एक अंग्रेज अफसर अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ जहाज में सवार होकर लंबे समुद्री सफर पर निकला। शुरुआत में मौसम बिल्कुल साफ था और समुद्र की लहरें शांत थीं, लेकिन सफर के बीच अचानक आसमान में काले बादल छा गए और समुद्र में जोर का तूफान आ गया। तेज हवाओं के थपेड़ों से विशाल जहाज भी किसी तिनके की तरह डगमगाने लगा। जहाज पर मौजूद सभी मुसाफिर अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे और भय के मारे घबरा उठे। चारों तरफ चीख-पुकार मची थी, पर वह अंग्रेज अफसर जरा भी नहीं घबराया और शांत भाव से अपनी जगह बैठा रहा। समुद्र की उफनती लहरों को देखकर उसकी पत्नी भी अत्यंत व्याकुल हो गई थी। उसने घबराते हुए अपने पति से पूछा- इतना खतरनाक तूफान आया है, जहाज डूबने के कगार पर है और सबकी हालत खराब है। पर आप ऐसी विकट परिस्थिति में भी इतना निश्चिंत कैसे बैठे हैं? यह सुनते ही उस अफसर ने अपनी म्यान से चमकती हुई तलवार निकाली और पत्नी के सिर पर रखकर पूछा- क्या तुम्हें इस समय डर लग रहा है? पत्नी ने हैरानी से कहा- मेरी बात का जवाब न देकर आप यह क्या अजीब खेल कर रहे हैं? अफसर ने गंभीर आवाज में फिर पूछा- बताओ, तुम्हें इस तलवार से डर लग रहा है या नहीं? पत्नी ने सहजता से कहा- मुझे भला क्यों डर लगेगा? मुझे पूरा यकीन है कि आप मेरी जान नहीं लेंगे क्योंकि आप मेरे दुश्मन नहीं हैं। आप तो मुझे अपनी जान से भी ज्यादा चाहते हैं। जब तलवार आपके हाथ में है, तो फिर मैं भला क्यों डरूं? पत्नी का यह उत्तर सुनकर अफसर मुस्कुराया और कहा- बिल्कुल सही कहा तुमने। जिस तरह तुम्हें मुझ पर और मेरे प्रेम पर अटूट भरोसा है, उसी तरह मुझे ईश्वर पर और उसकी कृपा पर पूरा भरोसा है। यह प्रकृति और ये तूफान उसी ईश्वर के हाथों में हैं। वह हम सब का परम अभिभावक है, वह भला हमारा बुरा क्यों चाहेगा? वह तो हमारे पिता के समान है और हर संकट में हमारी रक्षा व सहायता ही करेगा। इसलिए यदि यह तूफान आया है, तो उसकी मर्जी से चला भी जाएगा। जीवन में अटूट विश्वास ही सबसे बड़ी शक्ति है। इसी विश्वास से हमें कठिन से कठिन दौर का सामना करने की अद्भुत ताकत मिलती है। हम इसी सकारात्मक ताकत के सहारे जीवन की नैया पार लगाते हैं। इसलिए हमें ईश्वर या किसी न किसी आदर्श के प्रति गहरा विश्वास तो रखना ही होगा। जीवन के समर में वही लोग घबराते हैं या अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाते हैं, जिनके भीतर आत्मविश्वास और आस्था की कमी होती है। संयोग से अफसर की बात पूरी होते ही धीरे-धीरे समुद्र का वह भयानक तूफान थम गया और मौसम फिर से सुहावना हो गया।

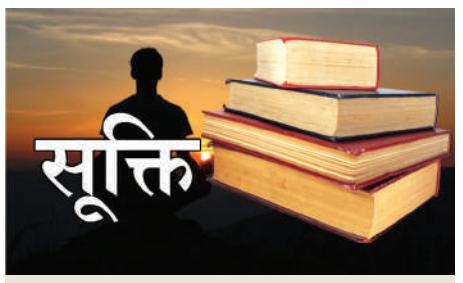
अमेरिकी चुनाव में डेमोक्रेट्स की जीत : भारत के लिए नई कूटनीतिक चुनौती?

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका के हालिया मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की शानदार वापसी केवल अमेरिकी राजनीति में सत्ता संतुलन बदलने की घटना नहीं है, बल्कि इसका असर वैश्विक राजनीति, आर्थिक नीतियों और भारत-अमेरिका संबंधों पर भी पड़ सकता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को दोनों सदनों में झटका देकर डेमोक्रेट्स ने अमेरिकी राजनीति में अपनी ताकत का अहसास कराया है। ऐसे में भारत के लिए यह समझना जरूरी है कि इस राजनीतिक बदलाव को किस नजरिये से देखा जाए और इससे भारत को क्या लाभ या चुनौतियां मिल सकती हैं। अमेरिका के 3 नवंबर 2026 को हुए मध्यावधि चुनावों के नतीजे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के प्रति जनता की नाराजगी का संकेत हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा और सीनेट, दोनों में बहुमत हासिल कर रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका दिया है। टेक्सास, जॉर्जिया, ओहायो और आयोवा जैसे राज्यों में डेमोक्रेट्स की जीत ने इस परिणाम को और महत्वपूर्ण बना दिया है। चुनावी नतीजों के पीछे महंगाई, जीवन यापन की बढ़ती लागत, ईरान के साथ युद्ध और सरकार के कामकाज को लेकर मतदाताओं की असंतुष्टि प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। अमेरिकी मध्यावधि चुनावों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें राष्ट्रपति का चुनाव नहीं होता, बल्कि संसद के दोनों सदनों और विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों का चुनाव होता है। इसलिए डेमोक्रेट्स की जीत का अर्थ ट्रंप की राष्ट्रपति पद से विदाई नहीं है, लेकिन अब उनके लिए अपनी नीतियों को बिना राजनीतिक विरोध के लागू करना आसान नहीं रहेगा। अमेरिकी लोकतंत्र की यही खूबी है कि वहां सत्ता में बैठी सरकार को भी जनता के फैसले और संसद की निगरानी का सामना करना पड़ता है। भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है यह बदलाव? भारत को इस चुनावी नतीजे को किसी एक राजनीतिक दल की हार या जीत के चश्मे से देखने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के नजरिये से समझना होगा। अमेरिका के साथ भारत के संबंध पिछले दो दशकों में लगातार मजबूत हुए हैं। राष्ट्रपति जॉर्ज बुश से लेकर बराक ओबामा, डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन तक, अलग अलग राजनीतिक विचारधाराओं वाली सरकारों ने भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाया है। अमेरिकी कांग्रेस में भी भारत के साथ संबंधों को लेकर व्यापक द्विदलीय समर्थन रहा है। इसलिए डेमोक्रेट्स की जीत से भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा पूरी तरह बदल जाएगी, ऐसा मानना जल्दबाजी होगी।

हालांकि, इस बदलाव से भारत को कुछ नए अवसर जरूर मिल सकते हैं। पहला अवसर व्यापार और आर्थिक सहयोग का है। पिछले कुछ समय से राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ नीति भारत और अमेरिका के बीच तनाव का कारण बनी हुई थी। भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने और व्यापारिक शर्तों को लेकर दबाव बनाने की नीति ने भारतीय निर्यातकों की चिंताएं बढ़ाई थीं। अब कांग्रेस में डेमोक्रेट्स के मजबूत होने से व्यापारिक नीतियों पर अधिक बहस और समीक्षा की संभावना है। इससे भारत को अमेरिकी बाजार में अपने उत्पादों के लिए बेहतर अवसर तलाशने का मौका मिल सकता है। हालांकि, यह उम्मीद करना उचित नहीं होगा कि डेमोक्रेट्स सत्ता में आते ही भारत के प्रति सभी व्यापारिक प्रतिबंध समाप्त कर देंगे।दूसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र रक्षा और सामरिक सहयोग है। चीन की बढ़ती सैन्य और आर्थिक ताकत अमेरिका के लिए भी चिंता का विषय है और भारत के लिए भी। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव को संतुलित करने के लिए भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार है। क्वाड के माध्यम से भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया पहले ही क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग के मुद्दों पर साथ काम कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिकी संसद में डेमोक्रेट्स का प्रभाव बढ़ने से भारत के साथ रक्षा तकनीक, समुद्री सुरक्षा, खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान और आधुनिक सैन्य उपकरणों के क्षेत्र में सहयोग को नई गति मिल सकती है। तीसरा बड़ा क्षेत्र भारतीय पेशेवरों और विद्यार्थियों का है। अमेरिका में लाखों भारतीय मूल के लोग रहते हैं और बड़ी संख्या में भारतीय युवा उच्च शिक्षा तथा रोजगार के लिए वहां जाते हैं। एच-1बी वीजा, स्थायी निवास और आव्रजन नीतियां भारतीय समुदाय के लिए हमेशा महत्वपूर्ण रही हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी सामान्यतः आव्रजन सुधारों और कुशल विदेशी पेशेवरों के लिए अवसर बढ़ाने की पक्षधर रही है। इसलिए अमेरिकी संसद में उसकी मजबूती से भारतीय आईटी पेशेवरों, विद्यार्थियों और कुशल कामगारों के हितों पर सकारात्मक चर्चा की संभावना बढ़ सकती है। लेकिन वीजा नीति में वास्तविक बदलाव के लिए राष्ट्रपति प्रशासन और संसद के बीच सहमति जरूरी होगी। भारत को इस चुनावी परिणाम का एक दूसरा पहलू भी ध्यान में रखना होगा। डेमोक्रेटिक पार्टी की राजनीति में मानवाधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े मुद्दों को अपेक्षाकृत अधिक महत्व दिया जाता है। अतीत में डेमोक्रेटिक नेताओं और सांसदों के कुछ बयानों में भारत की आंतरिक परिस्थितियों पर सवाल उठाए गए हैं। इसलिए यह संभव है कि अमेरिकी कांग्रेस में भारत से जुड़े ऐसे मुद्दों पर चर्चा और दबाव बढ़े। भारत को अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती के साथ इन सवालों का तथ्यपरक जवाब देना होगा। पाकिस्तान के मामले में भी भारत को सतर्क रहने की आवश्यकता है। अमेरिका की विदेश नीति में पाकिस्तान का सामरिक महत्व समय-समय पर बदलता रहा है। आतंकवाद के मुद्दे पर भारत चाहता है कि अमेरिका पाकिस्तान की भूमिका को लेकर किसी प्रकार का दोहरा रवैया न अपनाए। डेमोक्रेटिक पार्टी के सत्ता संतुलन में मजबूत होने से यह जरूरी नहीं कि पाकिस्तान के प्रति अमेरिकी नीति पूरी तरह भारत के अनुकूल हो जाएगी। भारत को आतंकवाद के विरुद्ध अपने पक्ष को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से रखते रहना होगा। इस चुनाव का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यह है कि अमेरिका की जनता ने राष्ट्रपति की शक्तियों पर संसदीय निगरानी और संतुलन की आवश्यकता को महत्व दिया है। अब ट्रंप प्रशासन को बजट, कानून, नियुक्तियों और कई महत्वपूर्ण नीतिगत फैसलों में डेमोक्रेट्स के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिकी कांग्रेस की जांच-पड़ताल और निगरानी भी बढ़ेगी। इससे ट्रंप की एकतरफा फैसले लेने की क्षमता सीमित हो सकती है। लेकिन भारत को यह नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिका की विदेश नीति केवल राष्ट्रपति या किसी एक राजनीतिक दल की इच्छा से संचालित नहीं होती। वहां राष्ट्रीय सुरक्षा, चीन के प्रति रणनीति, रक्षा उद्योग और वैश्विक आर्थिक हितों जैसे मुद्दों पर दोनों दलों के बीच कई समानताएं भी हैं। इसलिए डेमोक्रेट्स की जीत को भारत के लिए किसी चमत्कार की तरह देखना उचित नहीं होगा।भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्वतंत्र विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता होनी चाहिए। उसे अमेरिका के साथ संबंध मजबूत रखने के साथ रूस, यूरोप, जापान और अन्य देशों के साथ भी अपने हितों के अनुरूप सहयोग जारी रखना होगा। किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता भारत की वैश्विक भूमिका को सीमित कर सकती है। भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते, रक्षा तकनीक, ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में अपने हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)



"विश्वास और कड़ी मेहनत सफलता के सबसे पक्के रास्ते हैं।"
-एपीजे अब्दुल कलाम

"दुनिया में बदलाव की शुरुआत सबसे पहले खुद से करनी चाहिए।"
-महात्मा गांधी



शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि (रात 11:23 / 11:25 तक, उसके बाद षष्ठी तिथि आरंभ) सूर्योदयः सुबह लगभग 06:42 से 06:45 बजे तक (स्थान के अनुसार थोड़ा अंतर) अभिजित मुहूर्तः सुबह 11:43 बजे से दोपहर 12:27 बजे तक, ब्रह्म मुहूर्तः सुबह 04:57 बजे से सुबह 05:50 बजे तक

आज जन्म लिए बालक का फल...

धनु राशि और पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में जन्मे जातक स्वभाव से काफी ऊंचे विचार वाले, स्वतंत्र और साहसी होते हैं। गुरु के प्रभाव के कारण इनकी शिक्षा अच्छी रहती है। ये अपनी सूझबूझ से धन का प्रबंधन अच्छे से करते हैं और समाज में मान-सम्मान प्राप्त करते हैं।

मेष राशिः आज दिन अच्छा रहेगा, व्यापारिक रिश्तों का लाभ मिलने से काम समय पर पूरा होगा।

वृष राशिः सामाजिक गतिविधियों में समय बीतेगा और अनुभवी लोगों के साथ रहने से व्यक्तित्व पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

मिथुन राशिः व्यवसाय से नई जानकारियां मिलेंगी और कार्यप्रणाली में गति आएगी।

कर्क राशिः आज घर वालों का प्यार मिलेगा और धार्मिक कार्यों की तरफ आपका झुकाव रहेगा।

सिंह राशिः आज दिन की शुरुआत नई उमंग के साथ करेंगे और जिस काम को ठान लेंगे उसे पूरा करेंगे।

कन्या राशिः आज खुशखबरी मिल सकती है, अपनी योग्यता पर विश्वास रखना बेहतर रहेगा।

तुला राशिः परिवार और दोस्तों के बीच संतुलन बनाकर रखने से रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

वृश्चिक राशिः व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए बाहरी हस्तक्षेप से बचना जरूरी है।

धनु राशिः आर्थिक स्थिति को देखते हुए भविष्य की प्लानिंग बना सकते हैं और मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा।

मकर राशिः आज कार्यस्थल पर फोकस बनाए, जिससे व्यवसाय में बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

कुंभ राशिः आपका ध्यान धार्मिक कार्यों में लगा रहेगा और किसी खास व्यक्ति से मुलाकात होगी।

मीन राशिः आज का दिन पहले की अपेक्षा ज्यादा लाभ दिलाने वाला रहेगा।

खुलकर हंसना व मन की प्रसन्नता ख़ुद सृजित की हुई दवा के समान है

किशन सनमुखदास भावनानी

दुनियां में जिसके पास प्रसन्नता, मन की शांती, संतोष भरा मन हो वो भाग्यशाली और खुश इंसान है। केवल आज की ही क्यूं वो इंसान हर दुनियां मे खुश है। महाभारत मे धर्मराज युधिष्ठिर से एक यक्षने प्रश्न पुछा के हे धर्मराज सबसे बडा सुख कौनसा है इस प्रश्न के उत्तर के स्वरूप युधिष्ठिरजी ने कहा समाधान ही सर्वोत्तम सुख है। मनुष्य के पास बहुत सारा पैसा हो अछी शादीशुदा जिंदगी हो अच्छे माता पिता हो लेकिन मन मे संतोष व प्रसन्नता न हो तो ऐसा व्यक्ती आज की या किसी भी दुनिया मे खुश नही हो सकता। आज की दुनिया मे पैसा अतिआवश्यक है। लेकीन मन का संतोष प्रसन्नता उससे भी अधिक आवश्यक है,और एक बात जो की आवश्यक है वो है आपकी सेहत, सेहत अछी हो तो व्यक्ती का जीवन आनंदमय होता है.वैसे तो कुदरत द्वारा रचित इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में रचनाकर्ता ने मानवीय जीवन में अनेक गुण दोषों को शामिल कर संजोया है, इसका उपयोग करने सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमता का भी सृजन कर दिया है। बस!! जरूरत है अब माननीय जीव को उसे गुण-दोष सुख-दुख खुशियां-गम प्रसन्नता-दुख इत्यादि का चुनाव कर अपने जीवन को सफल और असफल बनाएं उसके ऊपर है!! क्योंकि प्रसन्नता और सुख दुख भी बौद्धिक क्षमता के आधार पर माननीय जीव को खुद चुनना होता है! इसलिए आज हम इस पावन बेला पर मन की प्रसन्नता पर उसके गुणों, प्रक्रिया सुजन करने के तरीकों पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम प्रसन्नता की करें तो खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है, क्योंकि इसमें सब दुख तो नष्ट होते हैं,जीव अपने कर्म में असफल नहीं होता। बुद्धि तुरंत स्थिर रहती है। सामाजिक प्रतिष्ठा और गुणों की सुगंध दूर तक जाती है एक अलग हस्मुख व्यक्तित्व की हमारी छाया हमारे अपने परिचितों सहयोगियों पर पड़ती है। प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जिसे जितना लूटाएंगे उतना ही बढ़ता चला जाएगा, खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता की आंखों की चमक मनीषियों को दुर्लभ पूंजी है, क्योंकि प्रसन्नता सुकून से जीने की कुंजी है। यह खजाना तब बढ़ता है जब हम दूसरों की खुशीयों में अपनी खुशी को समाहित करते हैं। हमें छोटी-छोटी चीजों में प्रसन्नता, सुख ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए, विश्वसनीय मन के भाव की खुशी का भाव अभूतपूर्व सफलता और दूरगामी सकारात्मक परिणाम होता है। आध्यात्मिकता, उदारता, परोपकार, सहनशीलता, सहिष्णुता इत्यादि मन की प्रसन्नता के प्रमुख स्त्रोतों में से कुछ हैं, जिनको जीवन में अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस, संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी विश्व प्रसन्नता इंडेक्स रिपोर्ट इत्यादि अन्तर्राष्ट्रीय स्तरपर प्रसन्नता के मूल्यों की करें तो प्रसन्नता को हाई वैश्विक टॉनिक माना जाता है। प्रसन्नता दिवस मनाया जाता है अलग-अलग देशों के प्रसन्नता से रहने के क्रमांक बताए जाते हैं, परंतु बहुत हैरानी की बात है प्रसन्नता इंडेक्स में अनेक पूर्ण विकसित देशों के साथ ही भारत भी पिछड़ा हुआ है जो रेखांकित करने वाली बात है!! विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2022 में 146 देशों की रिपोर्ट के अनुसार फिनलैंड लगातार 5 वर्षों से प्रथम और डेनमार्क द्वितीय और आयरलैंड तृतीय स्थान पर है।जबकि इस रिपोर्ट में भारत 136 वी रैंक पर है याने लास्ट टॉप टेन इतनी ख़राब हालात जो आश्चर्य वाली बात है। साथियों बात अगर हम मन की प्रसन्नता के गुण एवं लाभों की करें तो, प्रसन्नता तो व्यक्ति का मानसिक गुण है, जिसे व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन के अभ्यास में लाना होता है।

प्रसन्नता व्यक्ति के अंतर्मन में छिपे उदासी, तृष्णा और कुंठाजनित मनोविकारों को सदा के लिए समाप्त कर देती है। वस्तुतः प्रसन्नता चुंबकीय शक्ति संपन्न एक विशिष्ट गुण है। प्रसन्नता दैवी वरदान तो है ही, यह व्यक्ति के जीवन की साधना भी है। व्यक्ति प्रसन्न रहने के लिए एक खिलाड़ी की भांति अपनी जीवन-शैली और दृष्टिकोण को अपना लेता है। उसके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता-असफलता, जय-पराजय, और सुख-दुख उसके चिंतन का विषय नहीं होता। वह तो अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ता जाता है।

अग्निपथ योजना : सैन्य आधुनिकीकरण और सैनिकों के भविष्य के बीच संतुलन

डॉ. प्रियंका सौरभ

युवाओं की भर्ती की सफलता परिचालन दक्षता, रोजगार सुरक्षा और सम्मानजनक पुनर्वास पर निर्भर करती है।

राष्ट्रीय सुरक्षा न केवल आधुनिक हथियारों और उन्नत प्रौद्योगिकी पर निर्भर करती है, बल्कि सैन्य कर्मियों के अनुभव, मनोबल, प्रशिक्षण और एकजुटता पर भी निर्भर करती है। इसी सोच के साथ, भारत सरकार ने 2022 में अग्निपथ योजना शुरू की, जिसके तहत युवा कर्मियों को सेना, नौसेना और वायु सेना में अल्पकालिक भर्ती के लिए नियुक्त किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत भर्ती होने वाले कर्मियों को अग्निवीर कहा जाता है और वे चार साल तक सेवा करते हैं। यह योजना भारत की सैन्य भर्ती प्रणाली में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। जहां समर्थक इसे सैन्य आधुनिकीकरण और वित्तीय दक्षता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानते हैं, वहीं आलोचक कर्मियों के कल्याण, परिचालन अनुभव और युवा भर्ती होने वालों के भविष्य को लेकर चिंताएं जताते हैं। सेवा अवधि बढ़ाने पर हाल की चर्चाओं ने इस बहस को और भी तेज कर दिया है।

अग्निपथ योजना का प्राथमिक उद्देश्य युवा और शारीरिक रूप से अधिक सक्षम सेना का निर्माण करना है। युवा कर्मियों से अधिक ऊर्जा, अनुकूलन क्षमता और शारीरिक सहनशक्ति की अपेक्षा की जाती है, जिससे परिचालन तत्परता में सुधार होगा। एक अन्य महत्वपूर्ण उद्देश्य तकनीकी आधुनिकीकरण है। आधुनिक युद्ध तेजी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन, साइबर सुरक्षा, उन्नत संचार प्रणालियों और परिष्कृत हथियारों पर निर्भर करता है। तकनीकी रूप से जागरूक युवाओं की भर्ती से इन उभरते क्षेत्रों में सेना की क्षमताओं को मजबूत करने में मदद मिल सकती है। इस योजना का उद्देश्य दीर्घकालिक पेंशन देनदारियों को कम करके राजकोषीय दक्षता में सुधार करना भी है। पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों पर कम खर्च से आधुनिक हथियारों, रक्षा अवसंरचना और अनुसंधान में निवेश के लिए अधिक वित्तीय संसाधन उपलब्ध हो सकते हैं। इसके अलावा, अग्निपथ का लक्ष्य नागरिक रोजगार के लिए अनुशासित और कुशल युवाओं का विकास करना है। सैन्य प्रशिक्षण से नेतृत्व, टीम वर्क, अनुशासन, संकट प्रबंधन और तकनीकी दक्षता जैसे मूल्यवान कौशल प्राप्त हो सकते हैं। ये गुण अग्निवीरों की सैन्य सेवा के बाद रोजगार क्षमता को बढ़ा सकते हैं। निरंतर सेवा के लिए प्रदर्शन-आधारित चयन का उद्देश्य रंगरूटों के बीच योग्यता, दक्षता और व्यावसायिक प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित करना भी है। अपने उद्देश्यों के बावजूद, इस योजना को कार्यान्वयन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। चार साल की अवधि अग्निवीरों के भविष्य को लेकर अनिश्चितता पैदा करती है। मूल ढांचे के तहत, किसी भी बैच के केवल 25 प्रतिशत तक अग्निवीरों को ही नियमित सेवा के लिए रखा जा सकता था। कई ग्रामीण परिवारों के लिए, सैन्य रोजगार आर्थिक सुरक्षा, सामाजिक सम्मान और एक स्थिर करियर का प्रतीक है। चार साल बाद अनिश्चितता संभावित रंगरूटों को हतोत्साहित कर सकती है और उन युवाओं की आकांक्षाओं को प्रभावित कर सकती है जो सैन्य सेवा को आजीवन पेशा मानते हैं। सैन्य प्रभावशीलता काफी हद तक अनुभव पर निर्भर करती है। सैनिकों को सही निर्णय लेने, परिचालन संबंधी समझ और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए वर्षों के प्रशिक्षण और क्षेत्र में अनुभव की आवश्यकता होती है। कम कार्यकाल अनुभवी कर्मियों की उपलब्धता को कम कर सकता है, विशेष रूप से तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण और युद्ध-प्रधान भूमिकाओं में। कर्मियों के बार-बार बदलने से सैन्य इकाइयों की संस्थागत निरंतरता भी प्रभावित हो सकती है। सैन्य इकाइयाँ विश्वास, अनुशासन और सामूहिक जिम्मेदारी के आधार पर कार्य करती हैं, जो लंबे समय तक साथ रहने और साझा परिचालन अनुभवों से विकसित होते हैं। कर्मियों में तेजी से बदलाव समन्वय, टीम वर्क और इकाई के सामंजस्य को कमजोर कर सकता है।

अग्निवीरों और नियमित सैनिकों के बीच पेंशन, सेवा अवधि और सेवानिवृत्ति लाभों को लेकर मतभेद असंतोष पैदा कर सकते हैं। इस तरह की असमानताएं सशस्त्र बलों के मनोबल और निष्पक्षता की धारणा को प्रभावित कर सकती हैं। अग्निवीरों का नागरिक जीवन में सफल संक्रमण एक और बड़ी चुनौती है। सैन्य कौशल स्वतः ही उपयुक्त रोजगार में तब्दील नहीं होते। मान्यता प्राप्त योग्यताओं, प्रभावी रोजगार सहायता और रोजगार के अवसरों तक पहुंच के बिना, प्रशिक्षित कर्मियों को अपनी सेवा पूरी करने के बाद कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इस योजना के सामाजिक प्रभाव पर भी ध्यान देना आवश्यक है। बड़ी संख्या में सैन्य सेवा के इच्छुक उम्मीदवार ग्रामीण और अर्ध-शहरी पृष्ठभूमि से आते हैं, जहाँ पारंपरिक रूप से सैन्य सेवा से स्थिर रोजगार और सामाजिक उन्नति के अवसर मिलते रहे हैं। अल्पकालिक भर्ती से जुड़ी अनिश्चितता इन आकांक्षाओं को प्रभावित कर सकती है और युवाओं में असंतोष पैदा कर सकती है। इसलिए, इस योजना का मूल्यांकन न केवल वित्तीय दृष्टि से बल्कि इसके सामाजिक और आर्थिक परिणामों के संदर्भ में भी किया जाना चाहिए। अग्निपथ की सफलता के लिए सैन्य दक्षता और कर्मियों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए एक संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है। सरकार को परिचालन आवश्यकताओं, विशिष्ट भूमिकाओं और प्रदर्शन के आधार पर लचीली सेवा अवधि पर विचार करना चाहिए। सेवा विस्तार को अनिश्चित आश्वासनों के बजाय पारदर्शी नियमों और आधिकारिक नीति के माध्यम से लागू किया जाना चाहिए। प्रतिधारण प्रक्रिया वस्तुनिष्ठ और पारदर्शी होनी चाहिए, जिसमें व्यावसायिक योग्यता, अनुशासन, शारीरिक फिटनेस, परिचालन प्रदर्शन और व्यक्तिगत सैन्य इकाइयों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाए। अग्निवीरों को व्यापक कौशल प्रमाणन प्रदान किया जाना चाहिए। उनके सैन्य प्रशिक्षण को प्रौद्योगिकी, रसद, संचार, सुरक्षा और आपदा प्रबंधन में मान्यता प्राप्त नागरिक योग्यताओं से जोड़ा जाना चाहिए। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, राज्य पुलिस, सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों और निजी उद्योगों में सुनियोजित प्रवेश मार्गों के माध्यम से रोजगार के अवसरों को मजबूत किया जाना चाहिए। भर्ती प्राथमिकताओं को स्पष्ट पात्रता शर्तों, रिक्तियों और प्रभावी कार्यान्वयन द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए। सरकार को एक समर्पित पुनर्वास ढांचा भी स्थापित करना चाहिए। करियर परामर्श, रोजगार सहायता, उद्यमिता समर्थन और शैक्षिक अवसर अग्निवीरों को नागरिक जीवन में सफलतापूर्वक ढलने में मदद कर सकते हैं। योजना का समय-समय पर स्वतंत्र मूल्यांकन आवश्यक है। परिचालन तत्परता, कर्मियों की नियुक्ति, प्रशिक्षण परिणाम, इकाई सामंजस्य, सेवा-पश्चात रोजगार और कल्याण संतुष्टि जैसे संकेतक भविष्य के सुधारों का मार्गदर्शन करेंगे। सेवा अवधि या नियुक्ति में प्रस्तावित किसी भी परिवर्तन का मूल्यांकन साक्ष्यों और सैन्य विशेषज्ञों के परामर्श के माध्यम से किया जाना चाहिए। अग्निपथ योजना भारत के सशस्त्र बलों को आधुनिक बनाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसका उद्देश्य युवा, तकनीकी रूप से कुशल और चुस्त सैन्य बल तैयार करना है। हालांकि, सैन्य सुधार का मूल्यांकन केवल वित्तीय बचत या भर्ती संख्या के आधार पर नहीं किया जा सकता। सैनिकों का अनुभव, मनोबल और भविष्य की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। एक सफल अग्निपथ योजना में युवा भर्ती, परिचालन दक्षता, संस्थागत निरंतरता और सम्मानजनक पुनर्वास के बीच संतुलन होना आवश्यक है। राष्ट्र की सेवा करने वाले सैनिक को सुरक्षित और सम्मानजनक भविष्य का हकदार है। इस योजना की दीर्घकालिक सफलता अंततः सशस्त्र बलों और उनमें सेवा करने वाले सैनिकों के जीवन को मजबूत करने की इसकी क्षमता पर निर्भर करेगी।

सैन्य आधुनिकीकरण सैन्य मनोबल की कीमत पर नहीं होना चाहिए; एक मजबूत राष्ट्र को सक्षम सेना और आत्मविश्वासी सैनिकों दोनों की आवश्यकता होती है।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

असहमति से असहमत होती सामाजिक व्यवस्था

डॉ. मोनिका भाम्भू कलाना

किसी लोकतान्त्रिक समाज में असहमति का अधिकार समाज की प्रगतिशीलता का द्योतक होता है। किसी प्रचलित विचार, नीति या सामाजिक मान्यताओं के समर्थन में जितने लोग खड़े होते हैं उसकी बजाय विरोध में बेहद कम होते हैं। ये बेहद कम लोग ही सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन के उत्प्रेरक बनते हैं। किसी सत्ता को निरंकुश होने से बचाने हेतु असहमति एक जरूरी तत्त्व है। उच्चतम न्यायालय ने इसीलिए असहमति को लोकतंत्र में सुरक्षा वाल्व बताया है। असहमति की आवाज को सुने बिना समाज स्थिर और जड़ हो जाता है। किसी भी लोकतान्त्रिक समाज में असहमति और आलोचना जरूरी है। इन दोनों का समाज से गहरा और गतिशील संबंध होता है। असहमति विरोध करना भर नहीं होकर स्थापित मान्यताओं, विचारधाराओं और व्यवस्था के बारे में प्रश्न करना होता है। आलोचना केवल कमियाँ निकालना भर नहीं होकर मूल्यान्वेषण की प्रक्रिया है। किसी समाज, उसकी तात्कालिक परिस्थितियों और जीवन मूल्यों के मध्य संबंधों को आलोचना ही परिभाषित करती है। इस तरह वह समाज को सचेत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।असहमति समाज को एक स्वयंभू सत्ता नहीं मानकर प्रत्येक व्यक्ति के प्रति जवाबदेह मानकर चलती है। इस जवाबदेही से नैतिक और सामाजिक मूल्य बनते हैं। असहमति के बिना समाज और लोकतंत्र दोनों के लिए खतरे की स्थिति बनती है। विरोध प्रदर्शनों के बीच असहमति के अधिकार पर पुनः प्रश्न छिड़ गया है। जिस तरह प्रदर्शनकारियों को दिमागी नक्सली, अराजकतावादी और असामाजिक तत्त्व कहा जा रहा है उससे लोकतंत्र की मर्यादा सवालों के घेरे में आ गई है। किसी भी प्रगतिशील लोकतंत्र में राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को बदलने में स्वतंत्र नागरिक की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। लोकतंत्र के इतिहास में सदैव से शांतिपूर्ण प्रतिरोधों ने देशों के सामाजिक-राजनीतिक ताने-बाने में आमूल-चूल परिवर्तन लाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बेंजामिन फ्रेंकलिन के अनुसार, सरकार से प्रश्न पूछना प्रत्येक नागरिक का प्रथम दायित्व है। जब इस दायित्व को पूरा करने के लिए नागरिक को दण्ड दिया जाने लगता है तब लोकतान्त्रिक प्रक्रिया स्वयं सवालों के घेरे में आ जाती है।

जब समाज में रह रहे अलग-अलग वर्ग एक-दूसरे के बारे में सोचना छोड़ देते हैं तभी लोकतंत्र में असली संकट पैदा होता है। इस संकट के बीज मनुष्य के, मनुष्य से अलगाव में निहित है। इसी अलगाव को भुनाकर, सत्ता नागरिकों को परस्पर वि

संक्षिप्त समाचार

उलार सूर्य मंदिर में छठ पूजा की तैयारियां पूरी, महंत बोले- इस बार 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालु आएंगे



पटना। पटना जिले के दुल्हिनबाजार प्रखंड के उलार गांव स्थित सूर्य मंदिर में छठ पूजा की तैयारियां पूरी हो गई हैं। मंदिर के महंत और मुख्य पुजारी अवध बिहारी दास ने बताया कि इस बार 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। खरना के दिन से श्रद्धालुओं के पहुंचने का शुरू हो जाता है। मंदिर का इतिहास द्वापर युग यानी भगवान श्रीकृष्ण के समय का माना जाता है। जब उनके पुत्र राजा शाम्ब को श्राप मिला था इसके बाद वो श्राप मुक्त होने के लिए देश के 12सूर्य मंदिरों में उन्होंने पूजा अर्चना की और स्नान किया ।जिसके बाद उन्हें मुक्ति मिली थी। उन्हीं 12 में एक उलार सूर्य मंदिर भी शामिल है। जिसका प्राचीन नाम ओलार्क भी है। महंत के मुताबिक मंदिर में मिली प्राचीन मूर्तियां अब भी प्रशासन के पास है। मंदिर में स्थापित भगवान भास्कर की प्रतिमा भी हजारों साल पुरानी है।यह सूर्य मंदिर देश के 12 अर्घ्य स्थलों में शामिल है। श्रद्धालु यहां छठ पूजा के दौरान आस्था के साथ मन्नत मांगते हैं। भारत के अलग-अलग राज्यों के अलावा विदेशों से भी छठ पूजा करने व्रती और श्रद्धालु पहुंचते हैं। मंदिर परिसर में ऐतिहासिक तालाब भी है। मान्यता है कि जिसमें नहाने से चर्म रोग जैसी बीमारी दूर होती है। पूरे आस्था के साथ पूजा-अर्चना की जाती है। पटना जिला प्रशासन औप मंदिर न्याय समिति की ओर से श्रद्धालुओं के ठहरने, साफ-सफाई, शौचालय की व्यवस्था की गई है। छठ पूजा के दौरान तालाब के पास जिला प्रशासन कंट्रोल रूम बनाएगा। पिछले साल यहां 4 से 5 लाख श्रद्धालु पहुंचे थे। इस बार बिहार के अलग-अलग जिलों के अलावा देश के दूसरे हिस्सों और नेपाल से भी श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। पालीगंज एसडीएम चंदन कुमार ने बताया कि लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा की तैयारी उलार सूर्य मदिर में लगभग पूरी कर ली गई है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर 100 से अधिक जवानों की तैनाती मंदिर परिसर और मुख्य सड़क पर की गई है। इसके अलावा यातायात को भी चार दिनों के लिए डायवर्ट किया गया है। बड़े वाहनों पर रोक लगा दी गई है, ड्रोन के जरिए भी नजर रखी जाएगी। साथ ही मंदिर परिसर में जिला कंट्रोल रूम भी बनाया गया है जिसमें चारों दिन अधिकारी तैनात रहेंगे।

ज्योति बोलीं-खुद को जज से बड़ा समझते हैं पवन सिंह

पटना। 'जज लगातार पवन सिंह को बुला रहे हैं। लेकिन, वे जज का भी मजाक बना रहे हैं। लग रहा है, वे सर्वश्रेष्ठ और सर्वप्रथम हो गए हैं। उनके आगे न जज की बात की कोई वैल्यू है, न ही कानून की।' ये बातें बलिया कोर्ट के बाहर पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने कही हैं। दरअसल, भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह के बीच तलाक का केस चल रहा है। इससे जुड़े मेंटेनेंस केस में गुरुवार को उत्तर प्रदेश के बलिया कोर्ट में सुनवाई हुई। ज्योति सिंह फैमिली कोर्ट में पेश हुईं, लेकिन, पवन सिंह इस बार भी कोर्ट नहीं पहुंचे। गुरुवार को दोपहर करीब 1:30 बजे ज्योति सिंह कोर्ट पहुंचीं। करीब 15 मिनट बाद वह कोर्ट से बाहर आईं। इस बीच,



पवन सिंह के वकील ने हर्जाने के 3 हजार रुपए का ड्राफ्ट कोर्ट में जमा कर दिया। मामले की अगली सुनवाई 3 दिसंबर, 2026 को होगी। मुझे इस बात का बहुत अफसोस है कि पवन सिंह इतने बड़े पद (बिहार से एमएलसी) पर हैं। लेकिन, उसकी गरिमा का ख्याल नहीं रख रहे हैं। पवन सिंह कोर्ट में बार-बार बुलाए जाने के बावजूद वह पेश नहीं हो रहे हैं। इससे उनका इरादा साफ नजर आता है। उनकी सरकार बेटी को आगे रखकर चुनाव लड़ने की बात करती है। लेकिन आज एक बेटी इतने दिनों से भटक रही है। यह न सरकार को यह दिखाई दे रहा है और न ही पवन सिंह को। ज्योति सिंह ने सरकार से सवाल करते हुए कहा- जिस व्यक्ति को इतना बड़ा पद दिया गया है, क्या वह इस पद के योग्य हैं?

हाजीपुर में चिनिया केले की पैदावार घटी, 10 कट्ठे में सिर्फ 10 घौद उत्पादन, बाढ़ और बारिश से खेती को नुकसान

हाजीपुर। हाजीपुर की पहचान रहा मशहूर चिनिया केला अब धीरे-धीरे विलुप्त होने की कगार पर पहुंच रहा है। बाढ़ और लगातार बारिश के कारण इसकी खेती पर संकट गहराता जा रहा है। इस बार 10 कट्ठे के बागान से महज 10 घौद केले ही निकल सके। लगातार घटते उत्पादन और खेती में हो रहे नुकसान से किसान इसकी खेती से दूरी बनाने लगे हैं। किसानों का कहना है कि बाढ़ और लगातार बारिश से खेतों में पानी जमा हो जाता है। इससे केले के पौधे कमजोर पड़ते हैं और फसल का उत्पादन घट जाता है। कई बार महीनों की मेहनत और खेती में लगाई गई पूंजी भी वापस नहीं मिल पाती। लगातार नुकसान के कारण किसान अब दूसरी फसलों की ओर रुख करने लगे हैं। हाजीपुर का चिनिया केला अपनी मिठास, स्वाद और गुणवत्ता के लिए मशहूर रहा है। स्थानीय बाजारों के साथ दूसरे इलाकों में भी इसकी मांग रहती थी। छठ महापर्व पर व्रती और श्रद्धालु पूजा में चढ़ाने के लिए स्थानीय चिनिया केले को प्राथमिकता देते थे। इसकी खास पहचान के कारण त्योहारों में इसकी मांग बढ़ जाती थी। छठ महापर्व नजदीक आने के साथ बाजारों में केले की मांग बढ़ रही है। लेकिन स्थानीय स्तर पर चिनिया केले का उत्पादन घटने से इस बार लोगों को दूसरे राज्यों से आने वाले केले पर निर्भर रहना पड़ेगा। किसानों के मुताबिक, पहले हाजीपुर के केले से ही स्थानीय बाजारों की जरूरत पूरी हो जाती थी। किसानों का कहना है कि बाढ़ और बारिश से होने वाले नुकसान का सिलसिला जारी रहा तो आने वाले दिनों में चिनिया केले की खेती पूरी तरह सिमट सकती है। किसानों के सामने फसल बचाने के साथ लागत निकालने की चुनौती है। उन्हें उम्मीद है कि सरकार की ओर से उचित सहायता और फसल को मौसम की मार से बचाने के उपाय किए जाएंगे। कभी हाजीपुर की पहचान रहा चिनिया केला अब अपनी ही धरती पर अस्तित्व बचाने की लड़ाई लड़ रहा है।

पप्पू यादव ने बिहार के लिए मांगा आर्थिक पैकेज

हाजीपुर। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 21 नवंबर को प्रस्तावित वैशाली दौरे को लेकर केंद्र सरकार से कई सवाल किए। उन्होंने पूछा कि क्या प्रधानमंत्री इस दौरे के दौरान बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने और विकास के लिए आर्थिक पैकेज की घोषणा करेंगे। हाजीपुर में पत्रकारों से बातचीत में पप्पू यादव ने बिहार में फैक्ट्रियां लगाने के लिए 2 लाख करोड़ रुपए और नदियों से गाद हटाने के लिए 3 लाख करोड़ रुपए देने की मांग की। उन्होंने कहा कि राज्य को विकास की गति तेज करने के लिए बड़े आर्थिक पैकेज की जरूरत है। पप्पू यादव ने कहा कि कांग्रेस संविधान और देश के लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ रही है। उनके मुताबिक, राहुल गांधी इस मुद्दे पर लगातार आगे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता देश और बिहार को व्यापक नजरिए से देखते हैं। सांसद ने यह भी कहा कि वह चाहेंगे कि नीतीश कुमार एक बार फिर बिहार का नेतृत्व करें। इससे पहले पप्पू यादव वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र के नरेंद्र प्रबोधी गांव पहुंचे। यहां उन्होंने गोलीकांड में मारे गए व्यक्ति के परिजनों से मुलाकात की और घटना की जानकारी ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पप्पू यादव ने नरेंद्र मोदी, अमित शाह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का जिक्र किया। उन्होंने योगी आदित्यनाथ से कहा कि पहले अपना घर बचाएं, फिर अखिलेश कुमार की चिंता करें। उन्होंने यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी की पीठ में खंजर भोंकने की बात की जानकारी नरेंद्र मोदी और अमित शाह को है।

जमीन विवाद में दो पक्षों के 14 घायल, सात एनएमसीएच रेफर

एजेंसी, पटना

गौरीचक थाना क्षेत्र के जमुनापुर में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस घटना में दोनों पक्षों के कुल 14 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मारपीट के दौरान लाठी-डंडे, लोहे की रॉड और ईंट से हमला किए जाने की बात सामने आई है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही गौरीचक थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, संपतचक पहुंचाया। घटना की गंभीरता को देखते हुए गोपालपुर थाना की पुलिस से भी सहयोग लिया गया। इसके बाद पुलिस की कई गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संपतचक में पदस्थापित चिकित्सक डॉ. नुज़रत जमात ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया। घायलों में सात लोगों की स्थिति गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना स्थित नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) रेफर कर दिया गया।

घायलों में बुजुर्ग से लेकर युवा तक



शामिलः इस मारपीट में घायल लोगों की पहचान चंद्रकेत सिंह (करीब 65 वर्ष), ब्रजेश कुमार (करीब 30 वर्ष), सोनी कुमार (करीब 35 वर्ष), राज कुमार (करीब 33 वर्ष), रोहित सिंह, अमन कुमार, सन्नी कुमार, गुड्डू कुमार, मुरारी कुमार, कुंदन कुमार, श्याम कुमार, शिव प्रकाश उर्फ रामबाबू प्रताप कुमार, करीन सिंह और सौरव कुमार के रूप में हुई है।

जमीन विवाद बनी मारपीट की वजहः

- जमुनापुर में लाठी-डंडे, रॉड और ईंट से मारपीट

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद मामला हिंसक झड़प में बदल गया। घटना में एक साथ 14 लोगों के घायल होने से इलाके में चर्चा का माहौल है। पुलिस की ओर से मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाने की कार्रवाई की गई।

फिलहाल, विवाद के वास्तविक कारणों, मारपीट की परिस्थितियों और घटना में शामिल लोगों की भूमिका को लेकर पुलिस की जांच से संबंधित विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। मामले में पुलिस की आधिकारिक पुष्टि और आगे की कार्रवाई का इंतजार है। गौरीचक थाना अध्यक्ष सुमन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट में 14 लोग घायल हुए हैं जिनमें 7 लोगों की हालत गंभीर है। उन्हें डॉक्टर ने बेहतर उपचार के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दोस्तों ने ईंट से सिर कुचला फिर कुएं में फेंके शव

एजेंसी, पटना

- चोरी के सामान के बंटवारे पर हुआ विवाद, पटना पुलिस ने तीन दोस्तों को पकड़ा

पटना में बाढ़ के बरहपुर गांव में गुरुवार को कुएं से मिले दो किशोरों के शव के मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। मृतकों की पहचान रजनीश कुमार (14) और सोनू कुमार (13) के रूप में हुई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कारू बिंद, गोलू कुमार और शिवा के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, सभी एक ही गांव के रहने वाले और दोस्त थे। चोरी किए गए तांबे को बेचने से मिले 800 रुपए के बंटवारे को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद में दोनों किशोरों की हत्या कर शव कुएं में फेंक दिया गया। एसडीपीओ-1 रामकृष्ण ने बताया कि मामले की जांच के लिए तीन अलग-अलग टीमें बनाई गई थीं। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपियों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। जांच में यह भी पता चला है कि दोनों किशोर और आरोपी युवक छोटी-मोटी चोरियों में साथ शामिल थे।

चोरी के सामान के बंटवारे को लेकर हुआ था विवादः पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार दोनों युवक बरहपुर गांव के रहने वाले हैं। उनकी रजनीश और सोनू से दोस्ती थी। सोनू कुमार और आरोपी साथ मिलकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। गिरफ्तार गोलू कुमार के स्वीकार किए गए बयान में सामने आया कि हाल में चोरी किए गए तांबे को बेचने से 800 रुपए मिले थे। इसी रकम के बंटवारे को लेकर सोनू और आरोपियों के बीच विवाद चल रहा था। पुलिस का कहना है कि इसी रंजिश में सोनू को गांव के कुएं के पास बुलाया गया। वहां कहासुनी बढ़ने पर गोलू और शिवा ने डंडे और पत्थर से हमला कर उसे बेहोश कर दिया। इसके बाद घटना की जानकारी दूसरों तक पहुंचने के डर से वहां मौजूद चश्मदीद रजनीश को भी मार दिया गया। दोनों के हाथ शर्ट से बांधकर उन्हें कुएं में धकेल दिया गया।

नहाय-खाय पर नदी में नहाने गए 3 किशोर डूबे

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल के भदौर थाना क्षेत्र स्थित खजुरार गांव में महाने नदी में नहाते समय तीन किशोर डूबने लगे। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए दो किशोरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि 12 वर्षीय मोहित कुमार की डूबने से मौत हो गई। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों की मदद से उसका शव नदी से बाहर निकाला गया।

नहाय-खाय के लिए नदी घाट पर गए थे तीनोंः जानकारी के अनुसार, तीनों किशोर छठ पर्व के नहाय-खाय के अवसर पर गांव के पास महाने नदी के घाट पर स्नान करने गए थे। घाट पर अन्य लोग भी नहा रहे थे। इसी दौरान तीनों किशोर गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। किशोरों को डूबता देख स्थानीय लोगों ने शोर मचाया। आवाज



सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और नदी में उतरकर दो किशोरों को बाहर निकाल लिया। हालांकि, तीसरा किशोर पानी में डूब गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें ग्रामीणों को बारी-बारी से नदी में उतरकर डूब रहे किशोरों को बाहर निकालने की कोशिश करते देखा जा सकता है। घटना की सूचना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों को भी तलाश अभियान में लगाया गया। काफी देर तक चले प्रयास के बाद मोहित कुमार का शव नदी से बाहर निकाला गया।

पेपरलीक रोकने के लिए स्टूडेंट यूनियन ने दिए 12 सुझाव, फर्जी नौकरी पाने वालों की बर्खास्तगी

एजेंसी, पटना

बिहार की प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपरलीक, धांधली और सेटिंग पर रोक लगाने के लिए बिहार स्टूडेंट यूनियन ने परीक्षा सुधार विशेषज्ञ समिति को 12 सुझाव सौंपे हैं। यूनियन के अध्यक्ष और छात्र नेता दिलीप कुमार ने 13 नवंबर को समिति के सचिव को पत्र लिखकर BPSC, BSSC, BPSSC, CSBC और BTSC समेत सभी भर्ती आयोगों की परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की है।

सरकारी प्रिंटिंग प्रेस में छपें प्रश्नपत्रः दिलीप कुमार ने सुझाव दिया है कि प्रश्नपत्रों की छपाई के लिए बिहार सरकार अपना प्रिंटिंग प्रेस स्थापित करे। उनका कहना है कि पेपरलीक के कई मामलों में प्रिंटिंग प्रेस और उससे जुड़े लोगों की भूमिका सामने आई है। इसके अलावा बायोमेट्रिक, फोटोग्राफी और परीक्षा से जुड़े अन्य कार्यों में केवल सरकारी कर्मचारियों को लगाने की मांग की गई है। यूनियन ने कहा है कि परीक्षा समाप्त होने के बाद अभ्यर्थियों को ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी और प्रश्न पुस्तिका दी जाए। कुछ दिनों के



भीतर उत्तर कुंजी जारी हो। वहीं, रिजल्ट के साथ कटऑफ और सभी अभ्यर्थियों के प्राप्तांक भी सार्वजनिक किए जाएं।

TRE-1, 2 और 3 के शिक्षकों के प्रमाणपत्रों की जांच की मांगः यूनियन ने BPSC TRE-4 में रिजल्ट जारी होने से पहले सभी अभ्यर्थियों के दिव्यांगता प्रमाणपत्र, जाति, ईडब्ल्यूएस, एनसीएल और शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की जांच कराने की मांग की है। इसके लिए मेडिकल टीम गठित कर दिव्यांग अभ्यर्थियों की जांच कराने का सुझाव भी दिया है। पत्र में TRE-1, TRE-2 और TRE-3 के माध्यम से नियुक्त

- आरोपियों पर आजीवन प्रतिबंध की मांग, 10 साल जेल का सुझाव

शिक्षकों के प्रमाणपत्रों की दोबारा जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही दिव्यांगता प्रमाणपत्रों की मेडिकल जांच कर फर्जीवाड़े से नौकरी पाने वालों को बर्खास्त करने, कानूनी कार्रवाई करने और 10 साल तक प्रतिबंधित करने की मांग की गई है।

पेपरलीक करने वालों पर आजीवन प्रतिबंध की मांगः दिलीप कुमार ने पेपरलीक और परीक्षा में किसी भी तरह का फर्जीवाड़ा करने वाले अभ्यर्थियों को सभी प्रतियोगी परीक्षाओं से आजीवन प्रतिबंधित करने और 10 साल तक की जेल की सजा देने का सुझाव दिया है। पेपरलीक माफियाओं की संपत्ति जब्त करने, स्पीडी ट्रायल चलाने और सरकारी नौकरी में होने पर बर्खास्त करने की मांग भी की गई है।

इसके अलावा पीटी, मेंस और इंटरव्यू के लिए एक ही परीक्षा क्रमांक रखने तथा सभी भर्ती आयोगों का वार्षिक परीक्षा कैलेंडर जारी करने का सुझाव दिया गया है।

सम्राट चौधरी से मुलाकात पर प्रशांत किशोर का तंज, बोले- मुलाकात से वे सातवीं फेल से पीएचडी नहीं हो जाएंगे

एजेंसी, पटना

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से पटना में हुई मुलाकात को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मुलाकात पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. रवींद्र किशोर सिन्हा के श्राद्ध कार्यक्रम के दौरान हुई थी। यह केवल सामाजिक और राजनीतिक शिष्टाचार के तहत हुई मुलाकात थी। इसका मतलब यह नहीं है कि वे मुख्यमंत्री या सरकार का विरोध करना बंद कर देंगे।

प्रशांत किशोर ने तंज कसते हुए कहा, 'हमारे मिलने से सम्राट चौधरी सातवीं फेल से पीएचडी नहीं हो जाएंगे। अगर उन पर अपराध के आरोप हैं या मैंने उन्हें अपराधी बताया है, तो कल से उन्हें ऋषि-मुनि बताने नहीं लगूंगा।'

मुलाकात का मतलब राजनीतिक समर्थन नहीं - प्रशांत



किशोरः प्रशांत किशोर ने कहा, 'बिहार की संस्कृति हमें सिखाती है कि अगर कोई व्यक्ति मिलता है तो उससे सामाजिक और राजनीतिक शिष्टाचार रखना चाहिए। रवींद्र किशोर सिन्हा के श्राद्ध कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात इसी शिष्टाचार का हिस्सा थी।'

सम्राट चौधरी से कोई व्यक्तिगत लड़ाई नहीं - प्रशांत किशोरः उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई किसी व्यक्ति, जाति या राजनीतिक पार्टी से व्यक्तिगत तौर पर नहीं है। उन्होंने नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव का भी राजनीतिक विरोध किया है, लेकिन उनसे कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है। इसी तरह सम्राट चौधरी से भी उनकी कोई व्यक्तिगत लड़ाई नहीं है। उनकी लड़ाई केवल बिहार में सुधार के लिए है।

PM मोदी के दौरे पर बाढ़, शिक्षा और रोजगार को लेकर सवालः प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे को लेकर भी अपनी अपेक्षाएं रखीं। उन्होंने कहा, 'जब प्रधानमंत्री बिहार आ रहे हैं तो उन्हें राज्य की बुनियादी समस्याओं पर बात करनी चाहिए।' उनकी अपेक्षा है कि प्रधानमंत्री बिहार की जनता को बताएं कि बाढ़ की समस्या से लोगों को कब तक निजात मिलेगी। उन्होंने शिक्षा और रोजगार की स्थिति में सुधार को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों को इन सवालों के जवाब मिलने चाहिए।

राहुल गांधी के फोन टैपिंग मामले पर बोले- पहले भी होते रहे हैं फोन टैपः राहुल गांधी के फोन टैपिंग मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि फोन पहले भी टैप होते रहे हैं। उन्होंने पेगासस मामले का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय जो सूची जारी हुई थी, उसमें उनका नाम भी शामिल था।

सरकार के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई जारी रहेगीः प्रशांत किशोर ने दोहराया कि मुख्यमंत्री से शिष्टाचार के तहत मुलाकात करने का यह मतलब नहीं है कि वे सरकार के कामकाज पर सवाल उठाना बंद कर देंगे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध अपनी जगह है और सामाजिक शिष्टाचार अपनी जगह। बिहार में सुधार के मुद्दे पर उनकी लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।

पंजाबी कॉलोनी में मकान में लगी आग बुझाने पहुंचीं दमकल की 8 गाड़ियां

एजेंसी, पटना

पटना के गर्दनीबाग थाना क्षेत्र की पंजाबी कॉलोनी में शुक्रवार को एक मकान में आग लग गई। आग बुझाने के लिए दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद अग्निशमन विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

मकान दुर्गा मंदिर के पास स्थित है। आग की लपटें देखकर स्थानीय लोगों ने गर्दनीबाग थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और अग्निशमन विभाग को जानकारी दी। इसके बाद दमकलकर्मियों ने आग बुझाने का काम शुरू किया।

आग लगने की सूचना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने पहुंचकर स्थिति संभाली और दमकलकर्मियों को राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग किया।

पूजा के दीपक से आग लगने की आशंकाः जिला अग्निशमन पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि पूजा करने के बाद जलाए गए दीपक से आग लगने की आशंका है। घटना में कोई इंजरी नहीं हुई है। करीब एक घंटे के प्रयास के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया। उन्होंने बताया कि कॉलोनी में मकान आसपास सटे होने और रास्ता संकरा होने के कारण दमकल की गाड़ियों को घटनास्थल तक पहुंचाने में परेशानी हुई। मौके पर तीन छोटी और पांच बड़ी, कुल आठ दमकल गाड़ियां भेजी गई थीं। फिलहाल, आग से मकान को हुए नुकसान का आकलन नहीं किया गया है।



छठ पर सुरक्षा जांच सख्त, 150 अतिरिक्त जवानों की तैनाती

एजेंसी, पटना

छठ पर दूसरे राज्यों से बिहार लौटने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। पटना जंक्शन पर सुरक्षा के लिए रेलवे सुरक्षा बल (RPF) और राजकीय रेल पुलिस (GRP) ने जांच और निगरानी तेज कर दी है। दिल्ली, मुंबई, पंजाब, हरियाणा, गुजरात और सूरत समेत कई जगहों से लोग घर लौट रहे हैं। शुक्रवार को आरपीएफ और रेल पुलिस ने मिलकर विशेष जांच अभियान चलाया। टीमों ने प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, सर्कुलेटिंग एरिया और पार्किंग स्थलों की तलाशी ली। संदिग्ध लोगों और सामान पर नजर रखी गई। यात्रियों के सामान की जांच की गई और प्लेटफॉर्म पर जाने से पहले उनकी तलाशी ली गई।

सुरक्षा के लिए 150 अतिरिक्त जवान तैनात छठ के दौरान सुरक्षा के लिए तीन एजेंसियों के 150 अतिरिक्त जवान तैनात होंगे। इनमें आरपीएफ के 100 और जीआरपी के 50 जवान



शामिल हैं। जवान अलग-अलग जगहों पर गश्त और निगरानी करेंगे। इसके अलावा आरपीएफ की 4 अतिरिक्त कंपनियां भी तैनात रहेंगी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर खास नजर रखी जाएगी।

जांच अभियान के दौरान यात्रियों को नशाखुरानी गिरोह से सावधान रहने की सलाह दी गई। आरपीएफ और रेल पुलिस ने यात्रियों, कुलियों और वाहन चालकों से कहा कि वे अनजान लोगों से खाने-पीने की चीजें न लें। यात्रियों से अपने सामान की खुद निगरानी करने और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की जानकारी तत्काल रेल पुलिस अथवा आरपीएफ को देने की अपील की गई।

पटना जंक्शन पर गूंज रहे छठ के गीत

एजेंसी, पटना

चार दिवसीय छठ पर्व शुरू होते ही बिहार में छठी मइया के गीत गूंजने लगे हैं। घरों और घाटों के साथ रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और एयरपोर्ट पर भी गीत सुनाई दे रहे हैं। शहरों और गांवों की गलियों में सुबह से शाम तक पारंपरिक छठ गीत बज रहे हैं। महिलाएं घरों में गीत गाकर भगवान भास्कर की पूजा की तैयारी कर रही हैं। दूसरे राज्यों और महानगरों से घर लौट रहे लोगों को ये गीत अपनी मिट्टी, संस्कृति और परिवार की याद दिला रहे हैं। बिहार से लंबे समय से बाहर रह रहे लोगों को घर से जुड़ाव का एहसास करा रहे हैं। रेलवे स्टेशनों पर 'केलवा के पात पर उगेलन सूरजमल' और 'पहिले पहिल छठी मइया' जैसे गीत सुनाई दे रहे हैं। इन्हें सुनकर परदेस में रहने वाले बिहारियों को अपने गांव और घर की याद आ रही है। छठ पर्व के दौरान हिंदू-मुस्लिम एकता और लोक आस्था की मिसाल भी दिख रही है।

छठ गीतों में रची-बसी है बिहार की संस्कृतिः महापर्व केवल पूजा-पाठ का पर्व नहीं, बल्कि बिहार की लोक संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक भी है। छठ के



पारंपरिक गीतों में प्रकृति, सूर्य उपासना, परिवार, संतान की मंगलकामना और लोकजीवन की भावनाएं समाहित हैं। इन गीतों की खासियत यह है कि इनकी धुन और शब्द सीधे लोगों के दिलों तक पहुंचते हैं। यही वजह है कि आधुनिक संगीत के दौर में भी पारंपरिक छठ गीतों की लोकप्रियता बरकरार है। गांव की चौपाल से लेकर शहरों की कॉलोनियों तक इन गीतों की अपनी अलग पहचान है।

छठ महापर्व बिहार की सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का भी प्रतीक है। इस पर्व में मुस्लिम समुदाय के लोग भी बढ़-चढ़कर सहयोग और सहभागिता निभाते हैं। कई स्थानों पर मुस्लिम परिवार छठ व्रतियों के लिए रास्तों

- 'केलवा के पात पर उगेलन सूरजमल' से माहौल भक्तिमय, महापर्व पर हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल दिखी

और घाटों की व्यवस्था में सहयोग करते हैं। कहीं घाटों की साफ-सफाई में हाथ बंटाते हैं, तो कहीं पर्व की तैयारियों में अपनी भागीदारी निभाते हैं। यही बिहार की गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरती है, जहां आस्था के इस महापर्व में धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर लोग एक-दूसरे की खुशियों में शामिल होते हैं। छठ का संदेश भी प्रकृति के प्रति सम्मान, स्वच्छता, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता से जुड़ा हुआ है।

गीतों से शुद्ध और सकारात्मक हुआ वातावरणः छठ गीतों की गूंज के बीच बिहार का हर कोना मानो एक ही संदेश दे रहा है,यह पर्व केवल सूर्य की उपासना नहीं, बल्कि परिवार, प्रकृति, लोक परंपरा और सामाजिक एकता का महापर्व है। यही कारण है कि बिहार से दूर रहने वाले लोग भी छठ के अवसर पर अपनी प्रदेशों की ओर लौटने को आतुर रहते हैं। छठी मइया के गीतों में उन्हें अपना गांव, अपना परिवार और अपनी मिट्टी नजर आती है।

संक्षिप्त समाचार

17 नवंबर से परीक्षाएं, ढाई लाख छात्र होंगे शामिल

अलीगढ़। राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय की विषम सेमेस्टर परीक्षाएं 17 नवंबर से शुरू होंगी। इसमें लगभग ढाई लाख छात्र-छात्राएं प्रतिभाग करेंगे। परीक्षा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। शनिवार तक सभी परीक्षा केंद्रों पर उत्तर पुस्तिकाएं पहुंचा दी जाएंगी। प्रश्नपत्र परीक्षा शुरू होने से पहले संबंधित केंद्रों पर उपलब्ध कराए जाएंगे। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने परीक्षा को व्यवस्थित और नकलविहीन कराने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। परीक्षा नियंत्रक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि इस परीक्षा में अलीगढ़, हाथरस, कासगंज और एटा के लगभग ढाई लाख परीक्षार्थी शामिल होंगे। 203 केंद्रों पर तीन पालियों में परीक्षा होगी। परीक्षाएं 21 दिसंबर तक संचालित होंगी। सुचिता बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन से स्ट्रेटिक मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती करने के लिए अनुरोध किया गया है।

पेंशनरों के लिए तहसीलों में लगेंगे डीएलसी शिविर

आगरा। अब पेंशनरों को अपना जीवित प्रमाणपत्र जमा करने के लिए कोषागार कार्यालय के चक्कर नहीं काटने होंगे। वे घर बैठे ही ऑनलाइन माध्यम से अपना डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) प्रस्तुत कर सकेंगे। तहसील स्तर पर इसके लिए विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। भारत सरकार के पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग इस माह राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान चला रहा है। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि पेंशनर स्मार्टफोन के प्ले स्टोर से आधार फेस आईडी और जीवन प्रमाणपत्र एप इंस्टॉल कर फेस ऑथेंटिकेशन के जरिये घर बैठे अपना प्रमाणपत्र ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। मुख्य कोषाधिकारी वरुण खरे ने बताया कि एत्मादपुर में 13, बाह में 15, किरावली में 17, खेरागढ़ में 19 और फतेहाबाद में 21 नवंबर को शिविर लगाए जाएंगे। शिविर दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक आयोजित होंगे। इस दौरान कोषागार टीम पेंशनरों को ऑनलाइन प्रक्रिया में मदद करेगी।

सोलर सिटी की ओर बढ़ा महानगर, 425 स्थानों पर लगी लाइटें

गोरखपुर। नगर निगम महानगर को सोलर सिटी के रूप में विकसित कर रहा है। इस दिशा में सोलर स्ट्रीट और हाईमास्ट लाइटें लगाने का काम तेजी से जारी है। अब तक कुल 425 स्थानों पर दोनों प्रकार की सोलर लाइटों की स्थापना पूरी हो चुकी है। यूपी नेडा से 2.696 करोड़ रुपये का बजट मिला है। इससे 1200 सोलर स्ट्रीट लाइटें पोल सहित लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें से 350 स्थानों पर स्ट्रीट लाइटें लगाई जा चुकी हैं। वहीं, 1.188 करोड़ रुपये की लागत से 110 सोलर हाईमास्ट लाइटें खंभे सहित लगनी हैं। इनमें से 75 हाईमास्ट लाइटें स्थापित की जा चुकी हैं। नगर निगम शेष स्थानों पर भी कार्य पूरा करने की प्रक्रिया में है। अपर आयुक्त अतुल कुमार ने बताया कि सोलर लाइटों के लगने से रात में प्रकाश व्यवस्था बेहतर होगी। इससे महानगर के विभिन्न क्षेत्रों में रोशनी बढ़ेगी। बिजली की खपत में भी कमी आएगी। साथ ही, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।

बिजली के खंभों को प्लास्टिक से किया जाएगा कवर

गोरखपुर। श्रद्धालुओं को बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाने के लिए बिजली निगम विशेष इंतजाम करेगा। घाटों पर बिजली के खंभों को प्लास्टिक से कवर किया जाएगा ताकि करंट उतरने की स्थिति में श्रद्धालुओं को बचाया जा सके। सभी छठ घाटों और पूजा स्थलों पर सुरक्षा के जरूरी इंतजाम किए जाएंगे। अस्थायी बिजली कनेक्शनों में उचित अर्थिंग, एमसीबी, आरसीबी और अन्य सुरक्षा उपकरण लगाए जाएंगे। बिजली के तारों को इस तरह व्यवस्थित किया जाएगा कि श्रद्धालुओं का उनसे संपर्क न हो। साथ ही लाइनों और ट्रांसफॉर्मरों की जांच कर जरूरी मरम्मत कराई जाएगी। बिजली संबंधी समस्या या आपात स्थिति से निपटने के लिए घाटों पर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। जरूरी उपकरण भी उपलब्ध रहेंगे। बिजली निगम के मुख्य अभियंता वितरण लोकेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि सभी उपखंड अधिकारी और अवर अभियंता अपने क्षेत्रों के छठ घाटों का निरीक्षण कर सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करेंगे। घाटों पर बिजली के खंभों को प्लास्टिक से कवर कराया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए कर्मचारियों को सतर्क रहने और बिजली संबंधी किसी भी समस्या पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

सास का संवरना पसंद नहीं तो किसी को घूंघट से परहेज

आगरा। 50 की उम्र में भी सास नई-नवेली दुल्हन की तरह सज-संवरकर रहती है। दोनों के बीच सजने-संवरने का कंपटीशन इतना बढ़ा कि पति-पत्नी के रिश्ते में गांठ पड़ गई। बहू ने ससुराल छोड़ दिया। परिवार परामर्श केंद्र में दूसरे मामला परंपरा और नई पीढ़ी की सोच का सामने आया, जहां बहू ने लंबा घूंघट करने से साफ इन्कार कर दिया। काउंसलर अब गृहस्थी बचाने के लिए समझाने में लगे हैं। शाहगंज के रहने वाले युवक का विवाह मंटोला की युवती से हुआ था। शादी को महज दो महीने ही हुए थे कि रिश्ते में दरार पड़ गई। बहू मायके से लौटने को तैयार नहीं है। बृहस्पतिवार को काउंसिलिंग के दौरान बहू ने आपत्ति जताई कि सास बहुत ज्यादा सजती-संवारती है और उम्र में काफी कम लगती है। वह सास की तरह सुबह से सज-संवरकर नहीं रहना चाहती है। पति इस पर टोकता है, मां से तुलना करने लगता है। इसी को लेकर विवाद बढ़ गया। काउंसलर ने दोनों पक्षों को समझाया। दूसरा मामला एत्मादपुर की युवती का है। उसका विवाह कानपुर के युवक से 10 फरवरी, 2026 को हुआ था। शादी के बाद से ही घर में घूंघट प्रथा को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। युवती का कहना था कि वह शिक्षित है। लंबा घूंघट डालकर रहने को कहा जाता है। उससे घूंघट में घर का कामकाज नहीं होता है। वह इस तरह से नहीं रह सकती है। वहीं पति का कहना था कि वे ग्रामीण परिवेश में रहते हैं, जहां परंपरा के अनुसार घूंघट करना अनिवार्य है। इसी जिद के चलते मामला परामर्श केंद्र तक पहुंच गया।

दिसंबर से गरमाएगा यूपी का सियासी पारा

पहले अमित शाह फिर मोदी संभालेंगे कमान



लखनऊ, एजेंसी। यूपी में विधानसभा चुनाव का मुकाबला भले ही अभी दूर हो, लेकिन भाजपा ने मिशन-2027 के लिए सियासी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। पर्व-त्योहारों का सिलसिला खत्म होने के बाद पार्टी दिसंबर से प्रदेश में चुनावी माहौल गरमाने के लिए पूरी ताकत झोंकेगी। खास बात यह है कि इस बार प्रदेश के नेताओं के साथ दिल्ली के दिग्गज भी चुनावी मोर्चे पर डटेंगे। प्रदेश भाजपा द्वारा केंद्रीय नेतृत्व के वरिष्ठ नेताओं के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

पार्टी की रणनीति है कि चुनावी अभियान की शुरुआत बड़े शक्ति प्रदर्शन के बजाय संगठनात्मक बैठकों, संवाद और चौपालों और सबसे अहम प्रभावी बूथ प्रबंधन के जरिए चुनावी तैयारी को मजबूत किया जाए। वैसे तो केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति में ही यह संकेत दे दिया था कि वह अब जल्द ही यूपी में सक्रिया होंगे। इसी कड़ी में अब प्रदेश नेतृत्व ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई केंद्रीय नेताओं के लिए कार्यक्रम तैयार करना शुरू कर दिया है।

सूत्रों के मुताबिक फिलहाल अमित शाह ही यूपी में चुनावी अभियान की शुरूआत करेंगे। वैसे तो शाह के इस महीने में भी यूपी आकर और माइक्रो मैनेजमैंट तैयार कराएंगे। इसके तहत शाह जिला, मंडल और बूथ स्तर के संगठन के साथ भी बैठक करके उन्हें बूथ जीतने का मंत्र देंगे। जबकि दिसंबर से शाह पूरी सक्रियता से यूपी चुनाव की कमान संभाल लेंगे।

शाह के दौरों के बाद पीएम के कार्यक्रम भी तैयार होंगे। शाह के साथ ही अन्य नेताओं का प्रदेश में प्रवास और बैठकों का सिलसिला शुरू होगा। इसके जरिये न सिर्फ संगठन को चुनावी मोड में लाने की कोशिश होगी, बल्कि प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों और कार्यकर्ताओं की तैयारियों को भी परखा जाएगा।

पहले चरण में अमित शाह संभालेंगे कमान

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यक्रमों के साथ दिल्ली के बड़े नेताओं का चुनावी दौरा शुरू करने की तैयारी है। पहले चरण में शाह की बैठकों और चौपालों के कार्यक्रम लगाए जाएंगे। संगठन और सरकार के कामकाज के साथ चुनावी तैयारियों को लेकर उनकी सक्रियता अहम मानी जा रही है। शाह को भाजपा की चुनावी रणनीति का प्रमुख सूत्रधार माना जाता है। ऐसे में उनके दौरे से प्रदेश संगठन को स्पष्ट दिशा देने और चुनावी तैयारियों की समीक्षा का रास्ता तैयार होगा।

दूसरे चरण में प्रधानमंत्री मोदी का कार्यक्रम : केंद्रीय नेतृत्व के चुनावी अभियान के दूसरे चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम प्रस्तावित किए जाएंगे। पार्टी की योजना है कि पहले संगठनात्मक स्तर पर चुनावी जमीन तैयार की जाए और इसके बाद प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों के जरिये अभियान को व्यापक राजनीतिक धार दी जाए। मोदी की सभाओं और संवाद कार्यक्रमों को लेकर आगे की रणनीति इसी क्रम में बनाई जाएगी। हालांकि, अभी उनके कार्यक्रमों की तारीख और स्थान तय होने बाकी हैं।

बड़ी रैलियों से पहले संगठन को कसने पर जोर : भाजपा फिलहाल बड़ी जनसभाओं के आयोजन से परहेज करेगी। शुरुआती चरण में बैठकों और चौपालों के जरिये पार्टी जनता और कार्यकर्ताओं के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने की कोशिश करेगी। इसके पीछे मकसद चुनाव से पहले संगठन की सक्रियता बढ़ाने, स्थानीय स्तर पर राजनीतिक समीकरणों को समझने और संभावित चुनौतियों की पहचान करने का है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि चुनावी अभियान को प्रभावी बनाने के लिए पहले संगठन को मजबूत करना जरूरी है। दिसंबर से शुरू होने वाली यह कवायद आगे चलकर बड़े चुनावी कार्यक्रमों की जमीन तैयार करेगी।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी रिजार्च कराना होगा आसान, बदलने का भी विकल्प खुला



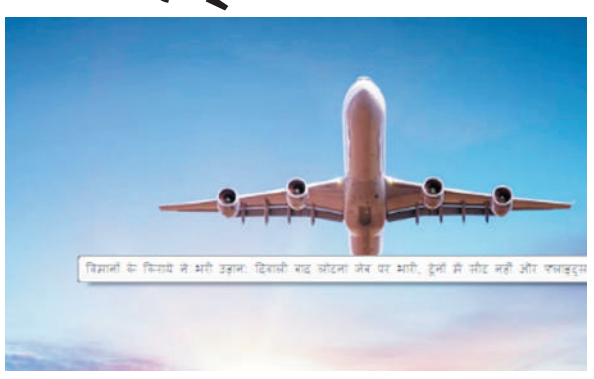
लखनऊ। प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी चार्ज करने के साथ इसे बदलने की भी सुविधा मिलेगी। इसके लिए 1000 बैटरी स्वैपिंग स्टेशन विकसित किए जाएंगे। औद्योगिक विकास विभाग की ओर से तैयार इस योजना के तहत बैटरी स्वैपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर न्यूनतम 15 लाख रुपये निवेश करने पर 20 प्रतिशत पूंजीगत सब्सिडी दी जाएगी। यह सब्सिडी अधिकतम पांच लाख रुपये प्रति स्टेशन होगी। योजना के तहत शहरी क्षेत्रों में चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग सुविधाओं का दायरा भी बढ़ाया जाएगा।

पहले शहरों को तीन किलोमीटर गुणा तीन किलोमीटर के ग्रिड में बांटकर चार्जिंग सुविधाओं की योजना बनाई जाती थी। अब इसे घटाकर एक किलोमीटर गुणा एक किलोमीटर कर दिया गया है। इससे शहरी क्षेत्रों में लोगों को अपने आसपास ही चार्जिंग और बैटरी बदलने की सुविधा मिल सकेगी। आवासीय परिसरों में ईवी चार्जिंग की व्यवस्था भी अनिवार्य की जाएगी।

इस योजना के क्रियान्वयन के लिए यूपी रिन्यूएबल एवं ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (यूपीरेव) को नोडल एजेंसी बनाया गया है। एजेंसी चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग स्टेशन स्थापित करने से जुड़े आवेदनों, विभागीय समन्वय और सब्सिडी वितरण की जिम्मेदारी संभालेगी। यूपीरेव विभिन्न विभागों के सहयोग से स्टेशनों से संबंधित आंकड़े जुटाएगी। इनकी जानकारी केंद्र सरकार के ऊर्जा दक्षता ब्यूरो और भारी उद्योग मंत्रालय के पोर्टल पर डैशबोर्ड के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।

ऐसे करें आवेदन : ईवी नीति के तहत शुरुआती 1000 बैटरी स्वैपिंग स्टेशनों की स्थापना पर ही सब्सिडी का लाभ मिलेगा। इसके लिए आवेदन यूपीरेव के माध्यम से किए जाएंगे। अनुदान के आवंटन और वितरण के लिए ऊर्जा विभाग में अलग बजट मद बनाया जाएगा। योजना के क्रियान्वयन में ऊर्जा, आवास, नगर विकास, परिवहन, वित्त और औद्योगिक विकास विभाग की भूमिका रहेगी। सब्सिडी आवेदनों की जांच के लिए ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में अधिकृत समिति गठित की गई है।

दिवाली बाद लौटना जेब पर भारी, ट्रेनों में सीट नहीं और फ्लाइट्स के दाम आसमान पर



सुल्तानपुर, एजेंसी। दीपावली और भैया दूज मनाने के बाद नौकरी और कामकाज पर लौटने वालों की भीड़ बढ़ गई है। लखनऊ से दिल्ली, मुंबई, पुणे और बंगलूरू जाने वाली ट्रेनों में सीटों की मारामारी है। ऐसे में यात्री विमानों का विकल्प तलाश रहे हैं लेकिन महंगे टिकट उनकी परेशानी बढ़ा रहे हैं।

लखनऊ से पुणे जाने वाली इंडिगो की सीधी उड़ान का शुक्रवार का किराया 23,399 रुपये और एयर इंडिया एक्सप्रेस का 15,673 रुपये पहुंच गया। शनिवार को इंडिगो का किराया 18,999 और एयर इंडिया का 23,103 रुपये है। रविवार को इंडिगो की सीधी उड़ान का टिकट 18,999, एयर इंडिया एक्सप्रेस का 23,963 और एयर इंडिया का 27,459 रुपये पहुंच गया।

दिल्ली का टिकट 18 हजार, बंगलूरू का 24 हजार : शुक्रवार को लखनऊ से दिल्ली जाने वाली अकासा एयर की उड़ान का किराया 18,247 रुपये, एयर इंडिया का 15,148 और इंडिगो का 11,545 रुपये रहा। हालांकि, इंडिगो के कुछ टिकट 5,400 रुपये में भी उपलब्ध हैं। शनिवार को एयर इंडिया एक्सप्रेस का किराया 5,338, इंडिगो का 6,388 और एयर इंडिया का 10,580 रुपये चल रहा है।

बंगलूरू की उड़ानों में शुक्रवार को एयर इंडिया एक्सप्रेस का किराया 14,350, अकासा एयर का 14,725 और एयर इंडिया का 23,186 रुपये रहा। शनिवार को अकासा एयर का टिकट 17,405, इंडिगो का 19,750 और एयर इंडिया एक्सप्रेस का 15,750 रुपये है। रविवार को इंडिगो का किराया 24,850, अकासा एयर का 22,119 और एयर इंडिया का 23,604 रुपये पहुंच गया।

मुंबई का किराया 25 हजार पहुंचा : लखनऊ से मुंबई जाने वाली अकासा एयर की उड़ान का शुक्रवार का किराया 10,826 रुपये, इंडिगो का 17,091 और एयर इंडिया का 21,694 रुपये रहा। शनिवार को अकासा एयर की सीधी उड़ान का किराया 10,473, इंडिगो का 13,588 और एयर इंडिया का 12,329 रुपये था। रविवार को इंडिगो की सीधी उड़ान का टिकट 25,071, एयर इंडिया एक्सप्रेस का 24,599, एयर इंडिया का 24,540 और अकासा एयर का 17,170 रुपये पहुंच गया। मुंबई का सामान्य औसत किराया करीब पांच हजार रुपये है।

पटना का हवाई किराया 25 हजार पहुंचा : लखनऊ से पटना के लिए शुक्रवार की इंडिगो की कनेक्टिंग उड़ान का किराया 22,575 रुपये और एयर इंडिया की कनेक्टिंग उड़ान का 25,372 रुपये रहा। शनिवार को इंडिगो की सीधी उड़ान का किराया 11,831 रुपये है। रविवार को इंडिगो की उड़ान का किराया बढ़कर 16,741 रुपये और एयर इंडिया का 17,667 रुपये पहुंच गया।

हेल्थ सप्लीमेंट पर अब नॉट फॉर मेडिकल यूज लिखना अनिवार्य, ऑनलाइन बिक्री पर लागू होंगे कड़े नियम



लखनऊ, एजेंसी। हेल्थ सप्लीमेंट और न्यूट्रास्यूटिकल उत्पादों के नाम पर बीमारी के इलाज, रोकथाम और नियंत्रण का दावा करने वाली कंपनियों पर शिकंजा कस गया है। अब हर उत्पाद की पैकेजिंग पर उसकी श्रेणी लिखनी होगी। हेल्थ सप्लीमेंट, न्यूट्रास्यूटिकल, विशेष आहार उपयोग के खाद्य पदार्थ, विशेष चिकित्सीय प्रयोजन के खाद्य पदार्थ, प्रोबायोटिक और प्रीबायोटिक उत्पादों के सभी पैक पर नॉट फॉर मेडिकल यूज लिखना अनिवार्य होगा।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) आयुक्त डॉ. रोशन जैकब की ओर से इस संबंध में नई गाइडलाइन जारी की गई है।

प्रदेश में इन उत्पादों की बड़े पैमाने पर बिक्री हो रही है। एफएसडीए की समीक्षा में इन उत्पादों की निर्धारित खुराक और अनुशंसित दैनिक मात्रा (आरडीए) का उल्लंघन, अनधिकृत सामग्री का इस्तेमाल, भ्रामक नाम और विनिर्माण एवं विपणन संबंधी नियमों की अनदेखी सामने आई है। कई उत्पादों के माध्यम से बीमारी के निदान, उपचार और रोकथाम के दावे तक किए जा रहे हैं। जबकि खाद्य पदार्थों की श्रेणी में आने वाले इन उत्पादों को दवा के विकल्प के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता। कंपनियों की इस लापरवाही को देखते हुए अब प्रोटीन पाउडर, विटामिन-मिनरल सप्लीमेंट, हर्बल उत्पाद, प्रोबायोटिक, प्रीबायोटिक और विशेष चिकित्सीय आहार उत्पादों की गुणवत्ता के साथ अब उनके नाम, पैकेजिंग, लेबलिंग, विज्ञापन और स्वास्थ्य संबंधी दावों की निगरानी की जाएगी।

डायबिटीज और किडनी केयर के नाम से नहीं बेच सकेंगे उत्पाद

डायबिटीज केयर, आर्थराइटिस केयर और किडनी केयर जैसे नामों से बिकने वाले उत्पादों की बिक्री पर रोक रहेगी। ब्रांड मालिक, कॉन्ट्रैक्ट निर्माता, री-लेबलर, री-पैकर, वितरक, थोक एवं फुटकर विक्रेता और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म भी इस रोक के दायरे में आएंगे।

प्रतिबंधित पदार्थों के इस्तेमाल पर सख्ती

खिलाड़ियों के लिए तैयार विशेष आहार उत्पादों में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की प्रतिबंधित सूची के पदार्थों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। हेल्थ सप्लीमेंट, न्यूट्रास्यूटिकल, एफएसडीयू, एफएसएमपी, प्रोबायोटिक और प्रीबायोटिक उत्पादों में दवाओं, हार्मोन, स्टेरॉयड, नारकोटिक और साइकोट्रॉपिक पदार्थों का इस्तेमाल भी प्रतिबंधित रहेगा। हर्बल उत्पादों में केवल नियमन की अनुसूची-4 में अनुमत वनस्पतियां और उनके हिस्सों का ही उपयोग किया जा सकेगा।

विकास कार्यों की जांच की मांग को लेकर पानी की टंकी पर चढ़ा युवक, दो घंटे बाद उतरा

देवरिया, एजेंसी। एकौना थाना क्षेत्र के करहकोल गांव में विकास कार्यों की जांच कराने की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को एक युवक पानी की टंकी पर चढ़ गया। करीब दो घंटे तक चले मान-मनौव्वल के बाद खंड विकास अधिकारी ने शिकायतों की जांच कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद युवक दोपहर करीब एक बजे टंकी से नीचे उतरा। युवक ने ग्राम प्रशासक पर शिकायत करने से नाराज होकर पिटाई कराने का भी आरोप लगाया है।

मौके पर जुटे ग्रामीण : करहकोल गांव निवासी मंटू सिंह चौधरी बृहस्पतिवार सुबह करीब 11 बजे गांव में नवनिर्मित पानी की टंकी पर चढ़ गया। इसकी जानकारी होते ही ग्रामीण मौके पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी। टंकी पर चढ़े युवक का कहना था कि उसने करीब एक माह पहले बीडीओ से गांव में हुए निर्माण कार्यों की जांच कराने की मांग की थी। आरोप लगाया कि ब्लॉक के अधिकारी जांच के नाम पर लीपापोती कर रहे हैं।

ग्राम प्रशासक पर पिटाई कराने का लगाया आरोप : युवक ने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत करने से नाराज ग्राम प्रशासक ने उसकी पिटाई करा दी। मौके पर पहुंचे बीडीओ ने उसे काफी देर तक समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नीचे उतरने को तैयार नहीं हुआ। आखिरकार बीडीओ ने उसकी शिकायतों की जांच कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद युवक सुरक्षित नीचे उतर आया। युवक के नीचे उतरने पर पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली।

सरकारी केंद्र सूने, बाजार में 2700 रुपये क्विंटल धान बेच रहे किसान



लखनऊ, एजेंसी। जिले में धान खरीद शुरू हुए 12 दिन बीत चुके हैं लेकिन सरकारी केंद्रों पर खरीद की रफ्तार बेहद धीमी है। अब तक महज 111.20 क्विंटल धान खरीदा गया है। 30 में से 26 केंद्रों पर खरीद का खाता तक नहीं खुला है। दूसरी ओर, सरकारी समर्थन मूल्य से अधिक दाम मिलने के कारण किसान खुले बाजार में व्यापारियों को धान बेच रहे हैं।

बृहस्पतिवार दोपहर दो बजे सीतापुर रोड स्थित नवीन मंडी के धान खरीद केंद्र पर प्रभारी और कर्मचारी मौजूद थे लेकिन किसान नहीं पहुंचे थे। केंद्र प्रभारी प्रज्ञा सिंह ने बताया कि अब तक 42 क्विंटल खरीद हुई है। किसान धान लेकर आ रहे हैं लेकिन उसमें नमी अधिक होने के कारण खरीद नहीं हो पा रही है। केंद्र पर बारदाना समेत सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं।

451 किसानों ने कराया पंजीकरण : जिले में धान बेचने के लिए अब तक 451 किसानों ने पंजीकरण कराया है। इनमें 283 का सत्यापन हो चुका है।

बाजार में 259 रुपये ज्यादा मिल रहा भाव : सरोजनीनगर क्षेत्र में भी सरकारी खरीद केंद्रों पर सन्नाटा है। बंथरा साधन सहकारी समिति के प्रभारी सुरेंद्र के मुताबिक, केंद्र पर अब तक एक भी किसान धान बेचने नहीं आया है। उनका कहना है कि खुले बाजार में व्यापारी करीब 2700 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीद रहे हैं, जबकि सरकारी केंद्रों पर सामान्य धान का समर्थन मूल्य 2441 रुपये है। वहीं, किसानों का कहना है कि सरकारी केंद्रों पर नमी की जांच के नाम पर भी कटौती होती है। ऐसे में बेहतर दाम मिलने के कारण वे व्यापारियों को धान बेच रहे हैं।

बाजार मूल्य अधिक होने से केंद्र पर नहीं आ रहे किसान- साधन सहकारी समिति नवी डांडा पर अब तक एक भी किसान से धान नहीं खरीदा गया है। सचिव सुरेंद्र ने बताया कि बाजार मूल्य अधिक होने से किसान केंद्र पर आने से कतरा रहे हैं। नबीपनाह निवासी किसान महावीर ने बताया कि केंद्र पर नमी और अन्य कई झंझट होते हैं। बाहर उनका धान 2700 रुपये क्विंटल के हिसाब से बिका है।

किसान खुद कर रहे धान की सफाई का इंतजाम : बख्शी का तालाब। खाद्य एवं रसद विभाग के गोदाम परिसर में विपणन विभाग का धान क्रय केंद्र एक नवंबर से संचालित है लेकिन यहां अव्यवस्थाएं हावी हैं। परिसर में झाड़ियां उगी हैं और बिजली की व्यवस्था भी नहीं है। ऐसे में किसानों को धान की सफाई के लिए खुद इंतजाम करना पड़ रहा है। खेमपुर निवासी किसान अजीत सिंह ने बताया कि वह अल्टीनेटर लाकर मशीन से अपने धान की सफाई करा रहे हैं। केंद्र प्रभारी कुलदीप पटेल के मुताबिक, अब तक आठ किसानों से 228.8 क्विंटल धान खरीदा गया है। मिलर और उठान ठेकेदार से अनुबंध न होने के कारण खरीदे गए धान की फीडिंग भी नहीं हो सकी है।

आंकड़ों में धान खरीद

30 केंद्र बनाए गए हैं जिले में
03 एजेंसियां कर रही हैं खरीद
2441 रुपये प्रति क्विंटल सामान्य धान का समर्थन मूल्य
2461 रुपये प्रति क्विंटल ए ग्रेड धान का समर्थन मूल्य
111.20 क्विंटल हुई अब तक खरीद

केंद्रों पर किसान पहुंच रहे हैं। खरीद भी शुरू हो गई है। धान में 17 फीसदी से अधिक नमी होने के कारण खरीद की गति कम है।-
विपुल सिन्हा, डिप्टी आरएमओ

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

स्पोर्ट्स सहित सभी क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है भारतः सीएम

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत स्पोर्ट्स सहित सभी क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। वर्ष 2016 के रियो पैरा ओलिंपिक में भारत को 4 पदक मिले थे, जिसके बाद टोक्यो पैरा ओलिंपिक में पदकों की संख्या चार गुना बढ़कर 20 हो गई। वर्ष 2024 के पैरा ओलिंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 29 मेडल अपने नाम किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को भोपाल के प्रकाश तरण पुष्कर में आयोजित 26वीं नेशनल पैरा स्विमिंग चैम्पियनशिप के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि 2026 के पैरा एशियाई खेलों में भारत ने 114 पदक जीतकर भारत ने अद्भुत कीर्तिमान गढ़ा है, इसमें हमारे पैरा स्विमर्स के 11 पदक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल में 26वीं नेशनल पैरा स्विमिंग चैम्पियनशिप में देश के 26 राज्यों के 400 से अधिक पैरा स्विमर्स शामिल हुए हैं, इनमें 100 महिला तैराक हैं। यह हमारे खिलाड़ियों के अदम्य साहस, प्रतिभा और संकल्प का प्रतीक है। एक



मुख्यमंत्री ने 26वीं नेशनल पैरा स्विमिंग चैम्पियनशिप का किया शुभारंभ

के बाद एक बड़े लक्ष्य हासिल करना निश्चित रूप से गौरव और प्रसन्नता का विषय है। राज्य सरकार खेल सुविधाओं के विस्तार, आधुनिक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के माध्यम से खेलों के विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। पद्मश्री से सम्मानित सत्येंद्र सिंह लोहिया ने खेल क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से मध्य प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने आए स्विमर्स से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से देश-प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को अंगवस्त्रम् भेंटकर सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में प्रदेश में विभिन्न खेलों की 11 अकादमी कार्यरत हैं। हमारे 32 खिलाड़ियों ने इसी वर्ष एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया। मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने 12 मेडल जीते हैं, जिसमें दो दो सिल्वर मेडल शामिल हैं। राज्य सरकार अपने खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए हर विधानसभा में बेहतर स्पोर्ट्स सुविधाएं तथा स्टेडियम तैयार करने की दिशा में काम कर रही है।

वर्ष 2020 से लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत खिलाड़ियों, कोच एवं प्रशिक्षकों को प्रोत्साहन दिया गया है। उन्होंने कहा कि भोपाल वॉटर स्पोर्ट्स का हब बन रहा है, कयाकिंग, केनोइंग और रोइंग के बाद अब सेलिंग की प्रतियोगिता भी बड़ी झील में हुई। बरखेड़ा नाथू के स्पोर्ट्स स्टेडियम में एशियन हॉकी का बड़ा आयोजन प्रदेश को गौरवान्वित करेगा।

जनजातीय बोलियों और भाषाओं का दस्तावेजीकरण करना जरूरी हैः जुएल ओराम

एजेंसी, नई दिल्ली



केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम ने कहा कि जनजातीय बोलियों और भाषाओं को बचाने के लिए उनके साहित्य, लोकगीत एवं लोककथाओं का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण समय की सबसे बड़ी मांग है। जुएल ओराम ने यह बात गुरुवार को दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में जनजातीय कार्य मंत्रालय की ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव के शुभारंभ पर कही। देशभर से पहुंचे जनजातीय साहित्यकारों, शोधकर्ताओं और भाषा विशेषज्ञों की उपस्थिति में आयोजित इस मंच पर जनजातीय भाषाओं, बोलियों और समृद्ध मौखिक परंपराओं के संरक्षण को लेकर व्यापक मंथन किया गया।

जुएल ओराम ने कहा, जनजातीय भाषाओं और बोलियों के संरक्षण के लिए उनके साहित्य, लोकगीतों, लोककथाओं और मौखिक परंपराओं का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण जरूरी है। इस काम में केवल साहित्यकारों को ही नहीं, बल्कि गीतकारों, संगीतकारों, लोक कलाकारों और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स को भी शामिल करना होगा। कई जनजातीय भाषाओं की अपनी लिपि नहीं है और कुछ बोलियां विलुप्त होने के कगार पर हैं। ऐसे में लिपि के अभाव को दस्तावेजीकरण में बाधा नहीं बनने देना चाहिए। उपलब्ध भारतीय भाषाओं के माध्यम से भी इनकी मौखिक परंपराओं को संरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने जनजातीय भाषाओं के लेखकों के लिए विशेष पुरस्कार देने की बात भी कही।

राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि जनजातीय समाज की मौखिक परंपरा में लोककथाएं, लोकगीत, वीरगाथाएं, मिथक, कहावतें, पहेलियां, धार्मिक अनुष्ठान और प्रार्थनाएं शामिल हैं। इनका संरक्षण जरूरी है। उन्होंने जनजातीय नायकों, स्वतंत्रता सेनानियों और उनके संघर्षों को साहित्य के माध्यम से सबके सामने लाने पर जोर दिया। भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष चमू कृष्ण शास्त्री ने कहा कि भारत की भाषाई विविधता उसकी एकता की ताकत है। वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश में बड़ी संख्या में मातृभाषाएं और बोलियां हैं। किसी भाषा के विकास के लिए उसका बोलचाल, साहित्य, शिक्षा और तकनीक में इस्तेमाल जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत में कभी भी कोई भाषा विवाद नहीं रहा है, भाषा विवाद अंग्रेजों की देन है। नीति आयोग की सदस्य जोराम आन्या ने कहा कि जनजातीय साहित्य का बड़ा हिस्सा लोकगीतों, लोरियों और कहानियों के रूप में पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ा है।

ओडिशा में ट्रक से टकराई बंगाल के तीर्थयात्रियों की बस, कई घायल



कोलकाता। ओडिशा के जाजपुर जिले में शुक्रवार तड़के पश्चिम बंगाल से पुरी जा रहे तीर्थयात्रियों की बस खड़े ट्रक से टकरा गई। इस दुर्घटना में कई यात्री घायल हो गए। बस में करीब 55 तीर्थयात्री सवार थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल से करीब 55 यात्रियों को लेकर बस पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए जा रही थी। शुक्रवार तड़के ओडिशा के जाजपुर जिले के बड़चना थाना क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से बस की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बस में सवार यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुर्घटना में कई यात्री घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। हालांकि, घायलों की वास्तविक संख्या और उनकी स्थिति के संबंध में विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

संक्षिप्त समाचार

गिलगित-बाल्टिस्तान में चैन नदी में गिरी, 11 यात्रियों की मौत

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। गिलगित-बाल्टिस्तान प्रांत के घिजर जिले में एक यात्री वैन के यासीन नदी में गिर जाने से 11 लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। स्थानीय पुलिस के अनुसार, यह हादसा गुरुवार देरशाम हुआ। इस यात्री वैन का ड्राइवर गिलगित से घिजर जाते वक्त यासीन घाटी में मोर्काह पुल के पास नियंत्रण खो बैठा। पलभर में वैन पलटते हुए यासीन नदी में जा गिरी। डान की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने शुरुआत में बताया कि बचाव दलों ने 10 यात्रियों के शव निकाले,



जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। इस दौरान तीन घायल यात्रियों को भी बचा लिया। सभी को इलाज के लिए गुपिस सिविल अस्पताल ले जाया गया। बाद में पुलिस ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि वैन सवार यासीन घाटी के रहने वाले हैं। प्रांत के मुख्यमंत्री अमजद हुसैन ने इस हादसे पर शोक व्यक्त किया है। सनद रहे, पिछले हफ्ते गिलगित से इस्लामाबाद जा रही एक बस हजारा मोटर-वे पर हवेलीयन इंटरचेंज के पास एक डंपर से टकरा गई थी, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए थे। एक दिन पहले, पंजाब के पाकपट्टन के पास एक यात्री बस और ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए थे।

अमेरिकी सामानों पर टैरिफ बढ़ाने का फैसला चीन ने टाला

बीजिंग। चीन ने अमेरिकी सामानों के आयात पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अपने फैसले को अगले दो महीने के लिए टाल दिया है। फिलहाल पूर्व की तरह 10 प्रतिशत शुल्क लागू रहेगा। चीन और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव कम करने की दिशा में यह कदम उठाया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह बदलाव 10 नवंबर 2026 से प्रभावी होगा। चीन के वित्त मंत्रालय ने बताया कि अमेरिका से आने वाले सामानों पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत शुल्क लगाने के फैसले को दो महीने के लिए निलंबित किया जा रहा है। इस दौरान अमेरिकी आयात



पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू रहेगा। मंत्रालय के अनुसार, यह निर्णय दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच वॉशिंगटन में हुई बैठक के बाद बनी सहमति के तहत लिया गया है। इस फैसले का उद्देश्य दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के नतीजों को लागू करना और व्यापारिक संबंधों में तनाव कम करना है। चीन के बयान के मुताबिक, स्टेट काउंसिल ने अमेरिका से आयात होने वाले सामानों पर अतिरिक्त शुल्क से जुड़े उपायों में बदलाव को मंजूरी दी है। यह बदलाव कस्टम टैरिफ आयोग की ओर से जारी पहले के फैसलों के तहत किया गया है। दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध पिछले कुछ समय से टैरिफ और अन्य आर्थिक प्रतिबंधों को लेकर तनावपूर्ण रहे हैं। अतिरिक्त शुल्क बढ़ाने या घटाने के फैसले का असर दोनों देशों के कारोबारियों, आयातकों और निर्यातकों पर पड़ सकता है। ऐसे में दो महीने के लिए अतिरिक्त 24 प्रतिशत शुल्क रोकने को व्यापारिक बातचीत के लिए राहत के तौर पर देखा जा रहा है।

दो एसपीओ की हत्या के बाद वांटेड आतंकियों के पोस्टर जारी, 30 लाख का इनाम

किश्तवाड़। दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स (एसपीओ) की हत्या के बाद किश्तवाड़ जिला पुलिस ने वांटेड आतंकियों के पोस्टर जारी किए हैं। साथ ही उनकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने वाले को 30 लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की है। इन आतंकियों की पहचान मोहम्मद अमीन उर्फ जहांगीर, रियाज अहमद उर्फ हजारी और मुदस्सिर हुसैन के रूप में हुई है। यह घोषणा तब की गई है, जब गुरुवार सुबह किश्तवाड़ में एसपीओ बबी चंद और रशपाल कुमार के गोलियों से छलनी शव मिले। ये दोनों बुधवार से लापता थे। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि अगर उन्हें इन आतंकियों के ठिकाने के बारे में कोई जानकारी हो, तो 9797900958 और 1995357494 नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

कुलगाम में सीआरपीएफ पोस्ट पर हमले के बाद कई संदिग्ध हिरासत में लिए गए

श्रीनगर। कुलगाम में हुए हमले के बाद पूछताछ के लिए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। सुरक्षाबलों ने जिले में कई जगहों पर बैरिकेड्स लगाए हैं और बख्तरबंद गाड़ियां तैनात की हैं। सुरक्षा जांच चौकियों पर वाहनों की सघन जांच और तलाशी ली जा रही है और कड़ी निगरानी रखी जा रही है। घाटी में अन्य जगहों पर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। श्रीनगर शहर और कश्मीर के अन्य जिलों में पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने वाहनों की रैंडम जांच की। दक्षिण कश्मीर जिले में बुधवार को आतंकवादियों ने सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) की एक पोस्ट पर गोलीबारी की। हमले के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों का पता लगाने के लिए इलाके में बड़े पैमाने पर घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। शुक्रवार को तीसरे दिन भी तलाशी अभियान जारी रहा। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां इस अभियान में मानवीय और तकनीकी खुफिया जानकारी का इस्तेमाल कर रही हैं। पुलिस ने पूछताछ के लिए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री विजय ने विद्यार्थियों को बांटा केक, शुभकामना संदेश में लिखा खास संदेश

बाल दिवस समारोह

एजेंसी, चेन्नई

बाल दिवस के अवसर पर चेन्नई के कोलाथूर स्थित चेन्नई नगर निगम मिडिल स्कूल में आयोजित समारोह में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय शामिल हुए और स्कूली छात्र-छात्राओं को केक वितरित कर बाल दिवस मनाया।

मुख्यमंत्री विजय आज (13 नवंबर) चेन्नई के कोलाथूर विधानसभा क्षेत्र पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पेरंबूर के मडुमा नगर इलाके में स्थित चेन्नई नगर निगम मिडिल स्कूल में आयोजित बाल दिवस समारोह में हिस्सा लिया।

इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को केक वितरित करने के साथ ही अपनी तस्वीर वाली बाल दिवस की शुभकामना पत्रिकाएं भी भेंट कीं और उन्हें शुभकामनाएं दीं। इन शुभकामना पत्रों पर 'All is Well... Confident ah irunga' (सब ठीक है... आत्मविश्वास बनाए रखें) का संदेश लिखा हुआ था।

तमिलनाडु सरकार ने राज्यभर के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले 61 लाख



84 हजार 566 विद्यार्थियों को केक वितरित करने के लिए 9.27 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है। बाल दिवस के अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों को केक वितरित करने की इस योजना का मुख्यमंत्री विजय ने कोलाथूर में शुभारंभ किया।

बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री विजय इसके बाद कोलाथूर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभार्थियों को सहायता भी वितरित करेंगे। तमिलनाडु सरकार ने 14 नवंबर को होने वाले बाल दिवस के लिए राज्य के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में विद्यार्थियों को मिठाइयां वितरित करने का आदेश जारी किया था।

राजीव गांधी का पत्र साझा कर राहुल बोले- पिता ने हर जीव के साथ प्रेम व सम्मान से पेश आना सिखाया

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपने दिवंगत पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का 36 साल पुराना पत्र सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने उन्हें हर जीव के साथ प्रेम और सम्मान से पेश आना सिखाया है। इस पत्र को साझा करने से दो घंटे पहले राहुल गांधी ने एक अन्य वीडियो पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बहस की चुनौती भी दी थी।

राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 7 फरवरी 1990 को राजीव गांधी की ओर से किशोर आजवानी को लिखे पत्र की तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा, "यह मेरे पिता की दी गई सीख की अच्छी झलक है कि हर जीव के साथ प्रेम और सम्मान से व्यवहार करना



चाहिए।"

राजीव गांधी ने पत्र में लिखा था कि जिन लोगों ने किशोर आजवानी का पत्र पढ़कर उन्हें भेजा, उनमें से किसी ने भी उनका मजाक नहीं उड़ाया। उन्होंने भी व्यक्तिगत रूप से पत्र पढ़ने के बाद ऐसा नहीं किया। राजीव गांधी ने लिखा कि किसी का समय इतना कीमती नहीं हो सकता कि वह शुभकामनाओं और सहानुभूति के लिए समय न निकाल सके। जिस व्यक्ति के मन में सहानुभूति और सद्भावना हो और उसे व्यक्त करने के लिए लिखने का साहस भी हो, वह कभी महत्वहीन नहीं हो सकता।

पत्र साझा करने से दो घंटे पहले राहुल ने एक अन्य पोस्ट में वीडियो साझा कर प्रधानमंत्री मोदी को बहस की चुनौती दी थी। वीडियो में उन्होंने कहा कि वह लगातार कह रहे हैं कि यदि प्रधानमंत्री उनसे बहस करने आते हैं तो उनका राजनीतिक करियर पूरी तरह खत्म हो जाएगा। प्रधानमंत्री भी यह बात जानते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उन्हें बार-बार देश विरोधी कहते हैं। वह देश को दिखाना चाहते हैं कि वास्तविकता में देश विरोधी कौन है और कौन किसके नियंत्रण में है। राहुल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अब उन पर टिप्पणी नहीं कर रहे हैं और न ही पहले की तरह हमले कर रहे हैं। प्रधानमंत्री बहुत सावधानी बरत रहे हैं और इसके पीछे एक बड़ा कारण है।

छत्तीसगढ़ में निर्वाचक नामावली का ड्राफ्ट प्रकाशित, प्रदेश में कुल एक करोड़ 90 लाख से अधिक मतदाता पंजीकृत

एजेंसी, रायपुर

छत्तीसगढ़ में आगामी चुनावों और निर्वाचन आयोग की तैयारियों के बीच मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य शुरू हो गया है। राज्य में निर्वाचक नामावली का ड्राफ्ट निर्वाचन आयोग द्वारा प्रकाशित कर दिया गया है, जिसके तहत प्रदेश में कुल एक करोड़ 90

लाख 16 हजार 768 मतदाता पंजीकृत किए गए हैं। इस सूची में 94.84 लाख पुरुष, 95.31 लाख महिलाएं और 412 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। इसके साथ ही, मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण के बाद इनकी कुल संख्या 27,196 से घटकर 26,854 (5,876 शहरी और 20,978 ग्रामीण) रह गई है।

मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण के बाद प्रदेश में इनकी संख्या 27,196 से घटकर 26,854 रह गई है। इनमें 5,876 शहरी और 20,978 ग्रामीण मतदान केंद्र हैं। आयोग ने मतदान केंद्रों की नई



सूची भी जारी कर दी है।निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रारूप (ड्राफ्ट रोल) 12 नवंबर 2026 को प्रकाशित कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की देखरेख में राज्य के सभी जिलों में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें आयोजित कर उन्हें प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची की प्रतियां प्रदान की गई हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जारी यह सूची सभी मतदान केंद्रों के अलावा वोटर हेल्पलाइन एप ईसीआईनेट और आधिकारिक पोर्टल www.voters.eci.gov.in पर उपलब्ध है। मतदाता बूथ लेवल अधिकारी या टोल फ्री नंबर 1950 के जरिए भी नाम की जांच कर सकते हैं।

ड्राफ्ट सूची में नाम नहीं होने, विवरण में गलती या अपात्र व्यक्ति का नाम शामिल होने पर 11 दिसंबर तक दावा-आपत्ति की जा सकती है। आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर तक किया जायेगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को किया जायेगा। नए मतदाता पंजीकरण के लिए फार्म-छह, नाम विलोपन के लिए फार्म-सात और संशोधन व स्थानांतरण के लिए फार्म-आठ भरना होगा। एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं के साथ एक अप्रैल, एक जुलाई और एक अक्टूबर 2027 को 18 वर्ष के होने वाले युवा भी फार्म-छह के जरिए अग्रिम आवेदन कर सकते हैं।

नाम जुड़वाने में किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर टोल-फ्री नंबर या एप ईसीआईनेट पर बुक ए कॉल विथ बीएलओ के जरिए बीएलओ से संपर्क किया जा सकता है। दावे-आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर तक होगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन चार जनवरी 2027 को किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार, यदि किसी नागरिक के नाम में कोई त्रुटि है, सूची से नाम गायब है या किसी अपात्र व्यक्ति का नाम जुड़ा है, तो वे 11 दिसंबर तक संबंधित फॉर्म (नया नाम जोड़ने के लिए फार्म-6, नाम हटाने के लिए फार्म-7, और संशोधन या स्थानांतरण के लिए फार्म-8) भरकर आवेदन कर सकते हैं। मतदाता अपने नाम की जांच वोटर हेल्पलाइन एप ईसीआईनेट या आधिकारिक पोर्टल www.voters.eci.gov.in पर कर सकते हैं। इसके अलावा सहायता के लिए टोल-फ्री नंबर 1950 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

महादेव सट्टा एप मामले में आरोपित मोहित सोमानी के घर सीबीआई की छापेमारी

एजेंसी, रायपुर

महादेव सट्टा एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच तेज करते हुए शुक्रवार को रायपुर के समता कॉलोनी में आरोपित मोहित सोमानी के घर छापेमारी की। करीब छह सदस्यीय टीम उसके मकान पर पहुंची और लगभग एक घंटे तक जांच-पड़ताल कर वापस लौट गई।

मोहित सोमानी का नाम महादेव सट्टा सिंडिकेट में ऑपरेटर के रूप में सामने आया था। आरोप है कि वह महादेव 364 पैनल का संचालन करता था। सट्टा एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी और भारत वापसी के बाद रायपुर में हुई इस कार्रवाई को जांच की अहम कड़ी माना जा रहा है। मोहित सोमानी पर प्रमोटर से आईडी लेकर बेचने की आशंका जताई जा रही है।

उल्लेखनीय है कि मोहित सोमानी को नवंबर 2024 में रायपुर पुलिस ने कोलकाता के न्यू टाउन इलाके से



गिरफ्तार किया था। जांच में उसका संबंध महादेव सट्टा नेटवर्क से सामने आया था। आरोप है कि वह पैनल के माध्यम से अवैध ऑनलाइन सट्टे का कारोबार संचालित करता था। फिलहाल सोमानी रायगढ़ जेल में निरुद्ध है। सीबीआई की टीम ने उसके समता कॉलोनी स्थित घर पहुंचकर जांच की। हालांकि, दबिश के दौरान क्या दस्तावेज या अन्य सामग्री मिली, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

मोहित सोमानी पर महादेव 364 पैनल के संचालन और प्रमोटर से आईडी लेकर बेचने का आरोप है। वह पहले भी नवंबर 2024 में रायपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है और फिलहाल रायगढ़ जेल में निरुद्ध है।

आयुष्मान योजना में बदलाव, 112 इलाज पैकेज अब सिर्फ सरकारी अस्पतालों में

नई दिल्ली। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत इलाज की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। अब 112 तरह के इलाज के पैकेज केवल सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध होंगे। इन पैकेजों के तहत सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड से मुफ्त इलाज की सुविधा नहीं मिलेगी। अब तक योजना के तहत कई तरह के इलाज सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में कराए जा सकते थे। नई व्यवस्था के तहत 112 पैकेज सरकारी अस्पतालों के लिए आरक्षित कर दिए गए हैं। ऐसे पैकेजों में शामिल बीमारियों का इलाज कराने के लिए मरीजों को सरकारी अस्पताल जाना होगा। निजी अस्पताल में इन उपचारों के लिए मरीजों को स्वयं खर्च उठाना पड़ सकता है। सरकार का तर्क है कि इन 112 पैकेजों से संबंधित उपचार की सुविधाएं सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध हैं। इसलिए इन्हें सरकारी अस्पतालों तक सीमित करने से सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत होगी और योजना



के संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा।

हालांकि, आयुष्मान कार्ड के तहत पात्र परिवारों को सालाना पांच लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज का प्रावधान पहले की तरह जारी रहेगा। अन्य पैकेजों में सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा मिलती रहेगी। मरीजों को सलाह दी गई है कि इलाज कराने से पहले संबंधित अस्पताल में अपने बीमारी के पैकेज की उपलब्धता की पुष्टि कर लें। नए बदलाव के तहत 112 आरक्षित पैकेजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में कैशलेस होगा। नोटः इस खबर में बदलाव की आधिकारिक अधिसूचना या 112 पैकेजों की सूची उपलब्ध नहीं है। प्रकाशन से पहले राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) की अधिसूचना से इसकी पुष्टि करना उचित होगा।

ट्राई ने तीन महीने में स्पैम के खिलाफ 1.24 लाख से अधिक दूरसंचार संसाधनों पर की कार्रवाई, 374 प्रेषक ब्लैकलिस्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने जुलाई से सितंबर के दौरान अनचाहे व्यावसायिक कॉल और संदेशों (यूसीसी) के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 1.24 लाख से अधिक दूरसंचार संसाधनों पर प्रतिबंध लगाया या उनका कनेक्शन काटा है। इस दौरान पहली बार नियमों का उल्लंघन करने वाले 1,10,325 दूरसंचार संसाधनों को 15 दिन के लिए प्रतिबंधित किया गया, जबकि बार-बार उल्लंघन करने वाले 13,777 संसाधनों का एक साल के लिए कनेक्शन काट दिया गया। इसके अलावा 374 प्रेषकों को एक साल के लिए ब्लैकलिस्ट किया गया और 3,725 एसएमएस हेडर ब्लॉक किए गए।

ट्राई की शुक्रवार को जारी वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही की रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में यूसीसी की 15.29 लाख शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 7.23 लाख शिकायतों पर कार्रवाई की गई। इस तिमाही में देश के दूरसंचार नेटवर्क से 714.01 अरब कॉल किए गए और 702.28 अरब एसएमएस भेजे गए। कुल कॉल के मुकाबले यूसीसी की शिकायतों की



संख्या प्रति दस लाख कॉल पर लगभग 2.14 रही। 30 सितंबर 2026 तक देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की कुल संख्या 134.9 करोड़ थी।

ट्राई के डीएनडी ऐप के माध्यम से जुलाई से सितंबर के दौरान यूसीसी की कुल 15.29 लाख शिकायतों में से 14.21 लाख शिकायतें मिलीं। यह कुल शिकायतों का 92.9 प्रतिशत है। 30 सितंबर तक ऐप को 42.36 लाख बार डाउनलोड किया जा चुका था। इस अवधि में डीएनडी रजिस्ट्री में 22.449 करोड़ उपभोक्ताओं ने अपनी प्राथमिकताएं दर्ज कराई थीं, जो कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं का 16.64 प्रतिशत है। 112 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं ने अब तक अपनी प्राथमिकताएं दर्ज नहीं कराई हैं। उपभोक्ता डीएनडी ऐप, दूरसंचार सेवा प्रदाता की वेबसाइट या ऐप अथवा 1909 पर कॉल या एसएमएस करके अपनी प्राथमिकताएं दर्ज करा सकते हैं।

प्रचार संबंधी कॉल के लिए 140, बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, बीमा और सरकारी नागरिक सेवाओं से जुड़ी कॉल के लिए 1600 तथा उपयोगिता, लॉजिस्टिक्स और डिलीवरी सेवाओं के लिए 1601 नंबर श्रृंखला निर्धारित की गई है। इस तिमाही में 140 श्रृंखला से 15.27 अरब प्रचार कॉल किए गए, जिनमें से 1.70 अरब रोक दिए गए। पंजीकृत प्रेषकों और टेलीमार्केटर्स ने 660.71 अरब व्यावसायिक एसएमएस भेजे, जिनमें से 11.09 अरब ब्लॉक किए गए। 1600 श्रृंखला से 1.27 अरब कॉल किए गए।

दूरसंचार सेवा प्रदाताओं की एआई आधारित प्रणालियों ने इस दौरान 18.28 अरब कॉल और 1.62 अरब एसएमएस को संदिग्ध स्पैम के रूप में चिह्नित किया। संदिग्ध प्रेषकों को 45.9 लाख चेतावनी सूचनाएं भेजी गईं। इसके अलावा 34,025 प्रेषकों का ई-केवाईसी किया गया और सत्यापन में विफल रहने पर 9,977 कनेक्शन काटे गए। ट्राई ने डीएनडी ऐप के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 132 एफएम चैनलों, आकाशवाणी के 15 एफएम चैनलों, 23 निजी टीवी चैनलों, दूरदर्शन के दो चैनलों और 97 समाचार पत्रों के माध्यम से अभियान चलाए।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

चौथे वनडे में भारत की शर्मनाक हार, न्यूजीलैंड ने 244 रन से रौंदा

एजेंसी, माउंट माउंगानुई



न्यूजीलैंड ने चौथे वनडे मुकाबले में शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट टीम को 244 रन से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की सीरीज में वापसी की। हालांकि इस शर्मनाक हार के बावजूद भारत सीरीज में 2-1 से आगे है। तीसरा मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। अब दोनों टीमों के बीच आखिरी मैच 15 नवंबर को खेला जाएगा।

बे ओवल मैदान पर 334 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 26.4 ओवर में महज 89 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने घातक गेंदबाजी करते हुए छह विकेट झटके और भारतीय बल्लेबाजी क्रम को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। विल यंग के शानदार शतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 333 रन बनाए थे। रनों के अंतर से यह वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार है। इससे पहले भारतीय टीम को 29 अक्टूबर 2000 को शारजाह में श्रीलंका के खिलाफ 245 रन से हार का सामना करना पड़ा था। उस मुकाबले में श्रीलंका ने सनथ जयसूर्या के 189 रन की बदौलत 299 रन बनाए थे, जिसके जवाब में भारतीय टीम 26.3 ओवर में महज 54 रन पर ढेर हो गई थी। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ 244 रन की हार इस सूची में दूसरे स्थान पर आ गई है। 334 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने पहले ही ओवर में भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उन्होंने पहली गेंद पर रोहित शर्मा को पवेलियन भेजा। इसके बाद विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर भी खाता खोले बिना आउट हो गए। इस तरह भारतीय टीम ने पहले ही ओवर में बिना कोई रन बनाए तीन महत्वपूर्ण विकेट गंवा दिए। शुरुआती झटकों से भारतीय टीम उबर नहीं सकी। रुतुराज गायकवाड़ पांच रन बनाकर आउट हुए। ईशान किशन ने 53 गेंदों पर 27 रन बनाकर कुछ देर संघर्ष किया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। अक्षर पटेल और नमन धीर ने 21-21 रन बनाए। आकिब नबी ने पांच और गुरनूर बरार ने दो रन बनाए, जबकि कुलदीप यादव एक रन बनाकर आउट हुए। अर्शदीप सिंह खाता खोले बिना नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 9.4 ओवर में 27 रन देकर छह विकेट हासिल किए। मैथ्यू फिशर ने तीन विकेट झटके। इस तरह भारतीय पारी 89 रन पर समाप्त हो गई और न्यूजीलैंड ने मुकाबला 244 रन से अपने नाम कर लिया। इससे पहले भारतीय कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज विल यंग और टिम सेफर्ट ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 85 रन जोड़े। सेफर्ट ने 48 गेंदों पर छह चौके और तीन छक्कों की मदद से 58 रन बनाए।

फिन एलन ने भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने 30 गेंदों पर 41 रन बनाए। वहीं, दूसरे छोर पर विल यंग ने भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया और शानदार शतक जड़ा। यंग ने 108 गेंदों पर 125 रन की पारी खेली, जिसमें 14 चौके और चार छक्के शामिल रहे।

युवा ओलंपिक में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन, 10 पदकों के साथ अभियान खत्म

एजेंसी, नई दिल्ली



सेनेगल के डकार में आयोजित युवा ओलंपिक खेलों में भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए कुल 10 पदक जीते। भारतीय खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। इन पदकों में खेलो इंडिया के पांच खिलाड़ियों तन्वी पत्री (बैडमिंटन), खुशबू राजकभाई (जूडो), शौर्य अंबुरे (एथलेटिक्स), गुंजन (मुक्केबाजी) और तीर्थंक पेगू (तैराकी) का योगदान रहा। भारतीय दल के 17 में से नौ खिलाड़ियों ने पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। तैराक धिनिधि देसिंघु ने इतिहास रचते हुए युवा ओलंपिक के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। धिनिधि इससे पहले टॉप्स कार्यक्रम का भी हिस्सा रह चुकी हैं। डकार में भारत का 10 पदकों का प्रदर्शन युवा ओलंपिक इतिहास में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत ने इससे पहले 2018 युवा ओलंपिक में 13 पदक जीते थे। इस बार मुक्केबाज गुंजन और एल. अंबेकर मीतेई ने भारत को मुक्केबाजी में पहला स्वर्ण पदक दिलाया। शौर्य अंबुरे ने एथलेटिक्स में भारत का पहला पदक जीता, जबकि तानिया ने युवा ओलंपिक में कुश्ती का पहला पदक हासिल किया। भारत ने इन खेलों में 11 खेलों में हिस्सा लिया और सात खेलों में पदक जीतने में सफलता हासिल की। तैराकी, बीच कुश्ती और वुशू में भारत ने पहली बार पदक जीते। मुक्केबाजी में भारत ने युवा ओलंपिक के इतिहास में पहली बार स्वर्ण पदक जीतने का कारनामा किया। एल. अंबेकर मीतेई ने पुरुषों के 50 किलोग्राम वर्ग और गुंजन ने महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दो स्वर्ण पदकों के साथ भारत ने युवा ओलंपिक के किसी एक संस्करण में अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्वर्ण पदक प्रदर्शन भी दर्ज किया। मुक्केबाजी में दो स्वर्ण पदकों के अलावा भारतीय खिलाड़ियों ने कई अन्य खेलों में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। तैराकी भारत का सबसे सफल खेल रहा, जिसमें देश ने कुल तीन पदक जीते। यह युवा ओलंपिक में तैराकी में भारत के पहले तीन वैश्विक पदक भी हैं। बैडमिंटन में तन्वी पत्री ने लड़कियों की एकल स्पर्धा में रजत पदक जीता। वह युवा ओलंपिक में बैडमिंटन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। बीच कुश्ती में तानिया ने लड़कियों के 75 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक हासिल किया। यह युवा ओलंपिक में बीच कुश्ती में भारत का पहला पदक है। एथलेटिक्स में शौर्य अंबुरे ने लड़कियों की 100 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य पदक जीता। वह युवा ओलंपिक में एथलेटिक्स पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। भारतीय खेल प्राधिकरण के इम्फाल स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की खिलाड़ी राजकुमारी लांचेनबी चानू ने वुशू लड़कियों की चांगक्वान संयुक्त स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन, जापान के तनाका को सीधे गेमों में हराया

एजेंसी, कुमामोटो



भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स 2026 के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान के युशी तनाका को सीधे गेमों में 21-16, 21-15 से हराया। यह मुकाबला 40 मिनट तक चला।

लक्ष्य ने पहले गेम में मध्यांतर तक 11-8 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, तनाका ने वापसी करते हुए मुकाबले को चुनौतीपूर्ण बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने सही समय पर अपना खेल तेज किया और 21-16 से पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और स्कोर 4-4 से बराबर था। इसके बाद लक्ष्य ने बढ़त बनाई और मध्यांतर तक 11-9 से आगे रहे। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए 21-15 से गेम और मुकाबला जीत लिया। लक्ष्य पूरे टूर्नामेंट में शानदार लय में नजर आए हैं। उन्होंने पहले दौर में चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद दूसरे दौर में चीन के डोंग तियान याओ को केवल 35 मिनट में 21-8, 21-14 से शिकस्त दी। सेमीफाइनल में लक्ष्य का सामना अब इंडोनेशिया के एल्वी फरहान से होगा। इससे पहले शुक्रवार को भारत के किदांबी श्रीकांत पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्हें जापान के कोकी वतनबे ने 22-24, 15-21 से हराया।

शियाई चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारतीय महिला हॉकी टीम में मजबूत बेंच तैयार करने पर शोर्ड मारिन का जोर

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन का लक्ष्य आगामी मध्य प्रदेश महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल 2026 से पहले टीम में अधिक गहराई, बहुमुखी प्रतिभा और प्रतिस्पर्धा विकसित करना है। तीन बार की चैंपियन भारतीय टीम 19 से 28 नवंबर तक भोपाल में होने वाले इस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करेगी। उसे चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और मलेशिया की चुनौती का सामना करना है। जापान में एशियाई खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय टीम एक और महत्वपूर्ण प्रतियोगिता की तैयारी में जुटी है। इस दौरान खिलाड़ियों को अलग-अलग पोजिशन पर खेलने के लिए तैयार करने और उभरती प्रतिभाओं को खुद को साबित करने का अवसर देने पर विशेष ध्यान दिया गया है। हॉकी इंडिया को दिए साक्षात्कार में मारिन ने कहा कि टीम का मुख्य ध्यान अपने खेल में सुधार करने और अभ्यास के दौरान हासिल की गई प्रगति को प्रतियोगिता के दबाव में भी बरकरार रखने पर है। राष्ट्रीय शिविर में किए गए काम के बारे में पूछे जाने पर मारिन ने कहा, "हम टीम में अधिक गहराई तैयार करने में जुटे हैं, जिससे अभ्यास सत्र भी ज्यादा प्रतिस्पर्धी बन रहे हैं। खिलाड़ी भी इस बात को समझते हैं। इसलिए वे अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही हैं और बहुत मेहनत कर रही हैं।" भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में नए स्टेडियम और नई पिच पर खेलने की चुनौती को लेकर उन्होंने कहा, "यह सिर्फ परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की बात है। हम पूरे साल अलग-अलग पिचों पर खेलते हैं और यह भी वैसा ही बदलाव होगा। एशियाई खेलों में पिच काफी कठिन और ऊबड़-खाबड़ थी। इसलिए हम इसे लेकर ज्यादा चिंतित नहीं हैं। विरोधी टीमों को भी इन्हीं परिस्थितियों से गुजरना होगा। इसलिए यह हमारी चिंता का विषय नहीं है।"

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के सभी मुकाबले दर्शकों के लिए होंगे निःशुल्क

एजेंसी, नई दिल्ली



मध्य प्रदेश महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल के सभी मुकाबलों में दर्शकों को निःशुल्क प्रवेश मिलेगा। टूर्नामेंट का नौवां संस्करण 19 से 28 नवंबर तक भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता के दौरान कुल 20 मुकाबले खेले जाएंगे। हॉकी इंडिया के अनुसार दर्शक निःशुल्क प्रवेश पास प्राप्त करने के लिए टिकटजिनी की वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर पंजीकरण करा सकते हैं। इसके बाद मुकाबलों की सूची में से अपनी पसंद के मैच का चयन कर डिजिटल प्रवेश पास हासिल किया जा सकेगा। इस पास पर क्यूआर कोड होगा, जिसे स्टेडियम में प्रवेश के समय स्कैन कराना अनिवार्य होगा। टूर्नामेंट के लीग चरण के मुकाबले 19 से 25 नवंबर तक खेले जाएंगे। इसके बाद 27 नवंबर को सेमीफाइनल मुकाबले होंगे, जबकि 28 नवंबर को पदक के लिए मुकाबले खेले जाएंगे। हॉकी इंडिया ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य देश में हॉकी के माहौल को और मजबूत करना, उभरती प्रतिभाओं को अधिक अवसर देना और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं को आम दर्शकों तक पहुंचाना है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा कि दर्शकों के लिए प्रवेश निःशुल्क करना भोपाल के लोगों को अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी के करीब लाने का शानदार तरीका है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि मध्य प्रदेश महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी ऐसा आयोजन बने, जहां परिवार, युवा खिलाड़ी और हॉकी प्रेमी शीर्ष स्तर की प्रतिस्पर्धा के रोमांच का अनुभव कर सकें। हॉकी इंडिया के महासचिव और एशियाई हॉकी महासंघ के उपाध्यक्ष भोला नाथ सिंह ने कहा कि इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के सभी मुकाबलों को बिना किसी प्रवेश शुल्क के दर्शकों के लिए उपलब्ध कराते हुए उन्हें खुशी हो रही है।

सैंडपेपर विवाद : कमिंस पर भड़के डेविड वॉर्नर, बोले- उन्होंने ख्वाजा को बलि का बकरा बनाया

वॉर्नर ने ख्वाजा के दावों का किया समर्थन, कहा- आठ साल से हम रोजाना भुगत रहे हैं सजा, जांच भी ठीक से नहीं हुई

एजेंसी, पर्थ



ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने 2018 के सैंडपेपर विवाद पर कप्तान पैट कमिंस के बयान को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने कमिंस पर उस्मान ख्वाजा को बलि का बकरा बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कप्तान के इस रवैये से उन्हें बेहद निराशा हुई है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पर्थ में खेले जा रहे वनडे मुकाबले के दौरान फॉक्स स्पोर्ट्स के लिए कमेंट्री करते हुए वॉर्नर ने ख्वाजा का समर्थन किया। ख्वाजा की हाल ही में जारी आत्मकथा में केपटाउन टेस्ट में हुए गेंद से छेड़छाड़ विवाद को लेकर किए गए दावों ने एक बार फिर इस पुराने मामले को चर्चा में ला दिया है। वॉर्नर ने कहा, "पैट कमिंस आज सुबह पूरी तैयारी के साथ आए थे। लेकिन मैं अब भी उज्जी (उस्मान ख्वाजा) और उनकी किताब में लिखी बातों के साथ खड़ा हूं। यह सच है और मैं उनका पूरा समर्थन करता हूं। इस समय मुझे उनके लिए वास्तव में बुरा लग रहा है। मुझे लगता है कि आज कप्तान ने उज्जी को बलि का बकरा बना दिया। इससे मैं बहुत, बहुत निराश हूं।" उन्होंने कहा, "इस मामले में हम तीनों ने बहुत बड़ी कीमत चुकाई है। मैंने आठ वर्षों तक इस बारे में बात नहीं की। लेकिन आखिरकार हमें हर दिन इसके परिणामों के साथ जीना पड़ता है। हमें ऐसी सजा मिली है, जो जिंदगी भर चलती रहेगी। इसलिए जब दूसरे लोग इस बारे में बात करते हैं कि उन पर इसका क्या असर पड़ा, तो मेरे, स्टीवन और कैमरन के लिए इससे बुरा कुछ नहीं हो सकता। हमें हर दिन मैदान पर उतरना पड़ता है और लोगों की गालियां सुननी पड़ती हैं। हां, हमने अपनी गलती स्वीकार की थी, लेकिन आखिरकार इसकी सबसे बड़ी कीमत मेरी पत्नी और मैंने चुकाई है। उस दौरान हमने अपना बच्चा खो दिया था और जब तक सच को स्वीकार नहीं किया जाता, तब तक यह बात मुझे सबसे ज्यादा तकलीफ देती रहेगी।" वॉर्नर ने उस समय हुई जांच पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, "यह बहुत मुश्किल रहा है, क्योंकि शुरुआत में जिस तरीके से इस मामले को संभाला गया, उससे हमारे लिए वापस जाकर और सबूत देना कठिन हो गया। मुझे लगा कि जांच ठीक से नहीं हुई थी। यह मामला जल्दबाजी में निपटाने के लिए की गई जांच थी।" उन्होंने आगे कहा, "हमें दोबारा वहां जाकर अपनी बात रखने का मौका नहीं मिला। टॉड ग्रीनबर्ग ने पिछले दिनों इस संभावना को खारिज कर दिया। इसलिए मुझे लगा था कि शायद इस पूरे मामले के बाद पर्दे के पीछे कुछ बातचीत होगी।" इससे पहले कमिंस ने ख्वाजा के आरोपों को "100 प्रतिशत गलत" और "पूरी तरह बकवास" बताया था। ख्वाजा ने अपनी नई आत्मकथा में दावा किया है कि 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट के दौरान पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी थी, जिसमें कमिंस भी शामिल थे। इस विवाद में शामिल होने के कारण स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरन बेनक्रॉफ्ट पर प्रतिबंध लगाए गए थे। वॉर्नर के ताजा बयान से स्पष्ट है कि यह मामला उनके लिए आज भी बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक है।

ऋषभ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड रवाना हुए

एजेंसी, बेंगलूर



भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड रवाना हो गये हैं। ऋषभ अब तक यहां बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस हासिल करने में लगे थे। गत दिवस ही उन्हें सीओई ने फिटनेस क्लियरेंस दिया। जिसके बाद ही उनके टेस्ट सीरीज में खेलने का रास्त साफ हुआ। ऋषभ के फिट होने से भारतीय टीम को राहत मिली है क्योंकि विदेशी मैदानों पर उनका काफी अच्छा रिकार्ड रहा है। वह अगस्त से ही भारतीय टीम से बाहर थे। इस कारण साइड स्ट्रेन की समस्या होना है। अक्टूबर में खेले गए ईरानी कप के मैच में उन्हें एक और चोट लगी थी, जिसके कारण उन्हें न्यूजीलैंड ए के खिलाफ अनऑफिशियल टेस्ट मैचों के लिए इंडिया ए स्क्वाड से बाहर कर दिया गया था। इन बाधाओं के बावजूद, ऋषभ ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 23 अक्टूबर से दो सप्ताह से अधिक समय तक रहकर अपनी फिटनेस पर काम किया। इस दौरान वह कई मैच सिम्यूलेशन प्रक्रियाओं से गुजरे, जो किसी भी खिलाड़ी की गेम फिटनेस को परखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती हैं। इन सभी प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा कर अपनी वापसी हुई है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज 19 नवंबर से होना है, और इस अनभवी विकेटकपर के टीम से जुड़ने से शुभमन गिल की टीम को लाभ हुआ है। इसका कारण है कि वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कौशल से किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं। हालांकि, उनकी वापसी के साथ ही टीम प्रबंधन के सामने विकेटकीपिंग स्लॉट को लेकर एक दिलचस्प चुनौती खड़ी हो गई है। टीम में केएल राहुल और युवा ध्रुव जुरेल के रूप में दो अन्य विकेटकीपिर पहले से ही उपलब्ध हैं।

सैंडपेपर विवाद पर कमिंस ने ख्वाजा के आरोपों को बताया बकवास,कहा-पूरी टीम को जानकारी होने का दावा गलत

एजेंसी, सिडनी



ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने शुक्रवार को 2018 के सैंडपेपर विवाद को लेकर उस्मान ख्वाजा के दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि पूरी टीम को गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी होने का दावा "100 प्रतिशत गलत" है। उन्होंने ख्वाजा के आरोपों को "पूरी तरह बकवास" करार दिया। क्रिकेट से संन्यास ले चुके ख्वाजा ने इस सप्ताह अपनी आत्मकथा जारी की है। इसमें 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में हुए गेंद से छेड़छाड़ विवाद पर एक अध्याय भी शामिल है। इस विवाद ने विश्व क्रिकेट को हिलाकर रख दिया था। ख्वाजा ने अपनी किताब में आरोप लगाया है कि पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम, जिसमें कमिंस भी शामिल थे, को सैंडपेपर के जरिए गेंद की सतह खुरदरी करने की योजना की जानकारी थी, ताकि गेंद को स्विंग कराया जा सके। यह विवाद केपटाउन में खेले गए तीसरे टेस्ट से जुड़ा था, लेकिन ख्वाजा ने दावा किया कि पोर्ट एलिजाबेथ में खेले गए दूसरे टेस्ट में भी इस तरीके का इस्तेमाल किया गया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की जांच में निष्कर्ष निकला था कि केवल डेविड वॉर्नर, स्टीव स्मिथ और कैमरन बेनक्रॉफ्ट को इस योजना की जानकारी थी। तीनों को अपमानजनक परिस्थितियों में स्वदेश भेज दिया गया था और बाद में उन पर प्रतिबंध भी लगाया गया। स्मिथ को कप्तानी से हटा दिया गया था। इसके बाद टिम पेन ने कप्तानी संभाली और फिर कमिंस ऑस्ट्रेलिया के कप्तान बने। शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कमिंस ने कहा, "जब वह कहते हैं कि हम सभी को इसकी जानकारी थी, अगर उनका मतलब यह है कि हमें पता था कि सैंडपेपर मैदान पर ले जाया जा रहा है, तो वह 100 प्रतिशत गलत हैं। मैं पिछले आठ वर्षों से लगातार यही कहता आ रहा हूं। मुझे इसकी जानकारी नहीं थी कि ऐसा हो रहा है।" उन्होंने आगे कहा, "लेकिन मुझे लगता है कि उस्मान वास्तव में इससे कहीं अधिक गंभीर बातें कहते हैं। वह कहते हैं कि मैं और कुछ अन्य लोग सैंडपेपर से गेंद के साथ छेड़छाड़ करने की योजना के सूत्रधार थे। यह पूरी तरह और बिल्कुल बकवास है।" कमिंस और उनके साथी गेंदबाजों मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड तथा नाथन लियोन ने 2021 में एक सार्वजनिक बयान जारी कर कहा था कि उन्हें इस योजना की जानकारी नहीं थी। वॉर्नर ने इस सप्ताह अपने करीबी दोस्त ख्वाजा के नए दावों का जोरदार समर्थन किया है। हालांकि, उस समय ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच रहे डैरेन लेहमैन ने किसी भी जानकारी से इनकार किया है।

केकेआर की कप्तानी के लिए रिंकू सिंह का नाम आगे लाए आकाश चोपड़ा, बोले- विदेशी खिलाड़ी से बेहतर विकल्प

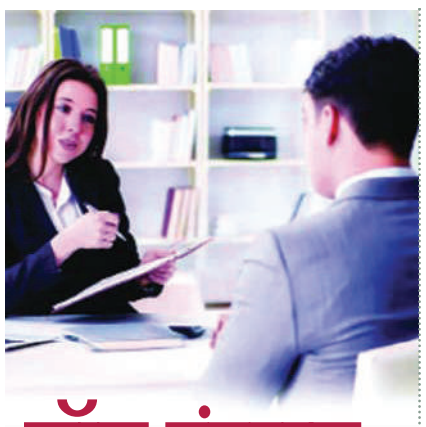
एजेंसी, नई दिल्ली



कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को पिछले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में प्लेऑफ में जगह नहीं मिली थी। अब पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे के संन्यास के बाद फ्रेंचाइजी के सामने आईपीएल 2027 से पहले कई अहम फैसले लेने की चुनौती है। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने रिंकू सिंह को टीम की कप्तानी सौंपने की सलाह दी है। उनका मानना है कि यदि नीलामी में कोई उपयुक्त विकल्प नहीं मिलता है, तो विदेशी खिलाड़ी की बजाय रिंकू को कप्तान बनाया जाना चाहिए।

जियोस्टार के कार्यक्रम 'गेम प्लान' में आकाश चोपड़ा और अभिनव मुकुंद ने केकेआर की संभावित रिटेंशन और रिलीज रणनीति पर चर्चा की। इसमें कैमरन ग्रीन, मथीशा पथिराना और रिंकू सिंह सहित कई खिलाड़ियों के भविष्य पर विचार किया गया। आकाश चोपड़ा ने पिछले सत्र की नीलामी में महंगी कीमत पर खरीदे गए कैमरन ग्रीन और मथीशा पथिराना को रिलीज करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, "मैं 25.2 करोड़ रुपये में खरीदे गए कैमरन ग्रीन को रिलीज करने के पक्ष में हूं। यह विश्व कप और एशेज का साल है, इसलिए मुझे उनकी उपलब्धता और वह कितने मैच खेल पाएंगे, इसे लेकर भरोसा नहीं है। अगर आप उन्हें रिलीज करते हैं और दोबारा खरीदना भी चाहते हैं, तो उन्हें 50 प्रतिशत कम कीमत पर आसानी से हासिल कर सकते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "मथीशा पथिराना भी नहीं खेल रहे हैं, इसलिए यह 18 करोड़ रुपये का एक और निवेश है। केकेआर इस नीलामी में सबसे ज्यादा पैसे के साथ उतर सकती है और यही सबसे बड़ी चर्चा होगी। मुस्तफिजुर रहमान को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। अगर वह उपलब्ध हैं और खेल सकते हैं, तो आप उन्हें टीम में बनाए रखना चाहेंगे। लेकिन क्या वह खेल पाएंगे, यह हमें नहीं पता। अगर वह खेल सकते हैं, तो मैं उन्हें जरूर रिटेन करूंगा, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों को रिलीज करने से आपके पास पहले ही 43 करोड़ रुपये अतिरिक्त हो जाएंगे।" रिंकू सिंह को कप्तानी सौंपने के सवाल पर चोपड़ा ने कहा, "रिंकू को कप्तान बना दीजिए। आपने उन्हें उपकप्तान बनाया था, है ना? तो अब उन्हें कप्तान बना दीजिए। वह यूपी टी20 लीग में अपनी टीम की कप्तानी करते हैं। कभी-कभी आपको खिलाड़ियों को बड़ी जिम्मेदारी देकर गहरे पानी में उतारना पड़ता है और देखना होता है कि वे कैसा प्रदर्शन करते हैं। यह वैसा ही मौका है, बशर्ते नीलामी में आपको कोई दूसरा उपयुक्त खिलाड़ी न मिल जाए।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक



जॉब इंटरव्यू के दौरान इन बातों का रखें खास ख्याल

इंटरव्यू का पहला इंप्रेशन अगर आपका अच्छा गया है तो यह आपको आसानी से नौकरी दिला सकता है। कई बार हम बड़ी कंपनी में इंटरव्यू के दौरान कुछ गलतियां कर देते हैं। ऐसे में अच्छी नौकरी हमारे हाथ से निकल जाती है। अगर आप भी जॉब के इंटरव्यू की तैयारी में लगे है तो इंटरव्यू को दौरान कुछ बातों का रखें खास ख्याल।

इंटरव्यू में केवल आपकी शिक्षा ही नहीं बल्कि आपके बोलचाल का तरीका भी देखा जाता है। ऐसे में कई बार आप सभी सवालों का सही जवाब देते है इसके बावजूद भी आपकी नौकरी नही लगती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कई बार सामने वाला आपके काम के साथ ही आपकी बॉडी लैंग्वेज भी नोटिस करता है। ऐसे में आपको इंटरव्यू के समय इन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

कपड़ो का रखें खास ख्याल

अगर आप जॉब इंटरव्यू के लिए जा रही हैं तो आपको कपड़ो का खास ख्याल रखना चाहिए। कोशिश करें की आप फॉर्मल कपड़े ही पहने। ऐसा करने से भी आपका फर्स्ट इम्प्रेशन काफी अच्छा जाएंगा। ज्यादा तड़क-भड़क रंग के कपड़ों को इंटरव्यू में पहनने से हमेशा ही बचना चाहिए।

बॉडी लैंग्वेज का रखें खास ख्याल

बॉडी लैंग्वेज यानी हाव-भाव एक तरह की शारीरिक भाषा है। जो व्यक्ति आपका इंटरव्यू ले रहा है वह आपके बॉडी लैंग्वेज पर खास ध्यान देता है। कई कंपनियां स्किल्स के साथ ही कैंडिडेट के उठने-बैठने के अंदाज और बातचीत करने के तरीके को ध्यान में रखते हुए भी उन्हें शॉर्टलिस्ट करती हैं। ऐसे में आपको इसका खास ख्याल रखना है।

आई कॉन्टैक्ट से बनेगा खेल

आपसे जब किसी भी तरीके का सवाल पूछा जाएं तो आई कॉन्टैक्ट करके जवाब दें। ऐसा करने से भी आपको जॉब आसानी से मिल जाएंगी। अगर आप इधर-उधर देखते हुए जवाब देंगे तो इससे आपके कॉन्फिडेंस पर सवाल उठ सकता है।



ग्रेजुएशन के बाद किस कॉलेज से करें पीजीडीएम कोर्स?

ग्रेजुएशन के बाद अगर पीजीडीएम कोर्स करना चाहते हैं तो यहां बताए गए 7 प्वाइंट्स की मदद से बेस्ट ऑप्शन का चुनाव कर सकते हैं। अच्छे कॉलेज का चुनाव करते हुए कुछ खास बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि पीजीडीएम के लिए सही संस्थान का चुनाव कर सकें।

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) दो साल का बिजनेस मैनेजमेंट प्रोग्राम है। यह कोर्स बिजनेस के कई पहलुओं को कवर करता है। इसमें फाइनेंस, ह्यूमन रिसोर्स, मार्केटिंग, एआई और डेटा साइंस, बिजनेस एनालिटिक्स और ऑपरेशंस मैनेजमेंट शामिल हैं। पीजीडीएम छात्रों को जरूरी मैनेजमेंट स्किल्स और ज्ञान से लैस करता है। यह कोर्स इंडस्ट्री की जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है लेकिन इसके लिए सही पीजीडीएम कॉलेज का चुनाव बहुत जरूरी है।

कुल मिलाकर, पीजीडीएम कोर्स उन लोगों के लिए जरूरी हैं जो अपनी नौकरी में आगे बढ़कर अपने बिजनेस ज्ञान में सुधार करना चाहते हैं। एक प्रतिष्ठित कॉलेज में एक सामान्य कॉलेज की तुलना में अनुभवी फैकल्टी और अच्छी शिक्षा मिलती है। अच्छे पीजीएम कॉलेज के लिए बेस्ट कॉलेज कैसे चुनें, जानिए डॉ ए.एस. सुरेश अय्यर, निदेशक, आदित्य स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एएसबीएम) से।

रैंकिंग और मान्यता

पीजीडीएम के लिए सबसे जरूरी चीजों में से एक उन कॉलेजों की तलाश करना है जिन्हें संबंधित बॉडी द्वारा मान्यता प्राप्त है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि छात्रों को अच्छी गुणवत्ता वाली सही शिक्षा मिले। प्रसिद्ध जगह से मान्यता को गुणवत्ता मानदंड माना जाता है। रैंकिंग पर विचार करना एक और महत्वपूर्ण बात है, क्योंकि यह एक प्रोग्राम की गुणवत्ता को भी निर्धारित करता है। यह स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद आपकी नौकरी की संभावनाओं को बढ़ा सकता है।

पाठ्यक्रम या सिलेबस

यह सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यक्रम प्रस्तावों और विशेषज्ञताओं की समीक्षा करना बहुत जरूरी है कि वे किसी के करियर के लक्ष्यों के अनुसार हों। एक असाधारण पीजीडीएम कार्यक्रम को उसके इंडस्ट्री ओरिएंटिड पाठ्यक्रम के अनुसार होना चाहिए। आपको ऐसे कॉलेजों और प्रोग्रामों की तलाश करनी चाहिए जो प्रोजेक्ट, इंटर्नशिप और केस स्टडी के माध्यम से व्यावहारिक यानी प्रैक्टिकल शिक्षा को शामिल करते हैं। वास्तविक दुनिया की स्थितियों में सैद्धांतिक या थ्योरी ज्ञान को लागू करने के लिए ये अनुभव महत्वपूर्ण हैं।

आर्थिक मदद

छात्रों की ओर से चुने पीजीडीएम कॉलेज के आर्थिक फायदों पर विचार करना जरूरी है। छात्रों को ट्यूशन फीस का विश्लेषण करना चाहिए, कॉलेज में उपलब्ध छात्रवृत्ति यानी स्कॉलरशिप की जांच करनी चाहिए और ग्रेजुएशन स्तर की पढ़ाई के बाद संभावित वेतन के संबंध में निवेश के लाभ पर भी विचार करना चाहिए। कोर्स की लागत को समझना भी जरूरी है, क्योंकि यह संस्थानों के अनुसार अलग-अलग होती है। छात्र यह सुनिश्चित करके भविष्य में आर्थिक तनाव से बच सकते हैं कि लागत और अपने बजट के अनुसार कॉलेज चुन सकते हैं।

प्लेसमेंट रिकॉर्ड

सही पीजीडीएम कॉलेज चुनने के लिए, कॉलेज के प्लेसमेंट आंकड़ों और वहां से भर्ती करने वाली कंपनियों को जांचना भी जरूरी है। एक मजबूत और योग्य प्लेसमेंट रिकॉर्ड छात्रों को सफल भविष्य के लिए तैयार करने में पाठ्यक्रम की प्रभावशीलता और गुणवत्ता को दिखाता है। इसके अलावा निवेश पर लाभ की गणना करने के साथ-साथ, छात्रों को आने वाली कंपनियों और उनकी ओर से प्रतिनिधित्व करने वाली इंडस्ट्री को भी ध्यान में रखना चाहिए। इससे छात्रों को एक व्यापक तस्वीर मिलेगी कि वे वास्तव में क्या कर रहे हैं।

पूर्व छात्रों से करें बात

सही पीजीडीएम कॉलेज चुनने का एक अनिवार्य हिस्सा पूर्व छात्रों का ग्रुप भी हो सकता है। यह देखने के लिए कि पिछले ग्रेजुएट अपने करियर में कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं, पूर्व छात्रों के परिणामों पर रिसर्च करने से छात्रों को सही रास्ता चुनने में मदद मिल सकती है। पूर्व छात्रों को खोजना या लिंक्डइन पर उनसे जुड़ना आपको बेहतर कॉलेज खोजने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, एक सक्रिय एलुमनाई नेटवर्क सलाह और मदद करके आपके करियर के रास्ते में आपकी मदद कर सकता है।

बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर

छात्रों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और संसाधनों का मूल्यांकन करने के लिए कैंपस का दौरा करना या ऑनलाइन संसाधनों की जाँच करना महत्वपूर्ण है। बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर, कक्षाओं, लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब आदि का आकलन करने से छात्रों को कॉलेज के लिए बेहतर निर्णय लेने में मदद मिल सकती है। जरूरी सुविधाओं वाला एक परिसर एक छात्र की शिक्षा में सुधार कर सकता है और एक ऐसा वातावरण प्रदान कर सकता है जो उनके विकास के अनुकूल हो।

कॉलेज की जगह

छात्रों को संस्थान या कॉलेज की जगह और इसकी पहुंच का मूल्यांकन करना चाहिए। ऐसे क्षेत्र में कॉलेज चुनना आवश्यक है जो इंडस्ट्री केंद्रों और नेटवर्किंग के अवसरों तक पहुंच देता हो। एक आरामदायक और उचित सीखने के अनुभव की गारंटी के लिए, आने-जाने के समय, रहने की संभावनाओं और इंडस्ट्री केंद्रों से नजदीकी का ध्यान रखें।





इंस्टाग्राम के जरिए बनाएं म्यूजिक में करियर

पहले के समय में लोग सिर्फ इंजीनियर और डॉक्टर के करियर को ही सबसे अच्छा प्रोफेशन मानते थे। पर, बदलते वक्त ने लोगों के नैरेटिव को भी बदल दिया है। आज के समय में कोई भी अपने पैशन और टैलेंट के बदौलत भी ऊंचाइयों को छू सकता है। साथ ही, इससे अच्छी कमाई भी कर सकता है। क्योंकि आज के दौर में लोगों को कुछ नया और हटके पसंद आता है।

आज के समय में अगर आपके अंदर कोई स्किल है, तो आप उसे अपना प्रोफेशन बना सकती हैं। ऐसे में आप यदि म्यूजिक में गहरी रुचि रखते हैं और आपको उसकी जानकारी भी है, तो आप इसके माध्यम से भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। हालांकि, म्यूजिक भी इतना आसान नहीं होता है। इस क्षेत्र में केवल वही करियर बना सकते हैं, जिसके अंदर क्रिएटिविटी हो और जिसमें म्यूजिक के प्रति जुनून हो। पर, बहुत से लोग टैलेंट होने के बावजूद भी कभी-कभी पीछे रह जाते हैं। तो चलिए हम आज आपको बिना किसी एक्सपीरियंस के म्यूजिक में करियर बनाने की टिप्स बताते हैं।

म्यूजिक में करियर कैसे बनाएं?

आजकल ऑनलाइन और सोशल मीडिया की वजह से म्यूजिक इंडस्ट्री में काफी बदलाव आया है। लोग सोशल मीडिया के माध्यम से भी अपने टैलेंट को दिखा रहे हैं और उन्हें खूब पसंद भी किया जा रहा है। इस तरह लोग काफी कुछ अपने दम पर कर पा रहे हैं। पहले के समय में यह सुविधा नहीं होती थी, तो बहुत कम लोग ही अपने पैशन को चुन पाते थे।

आप अगर म्यूजिक में दिलचस्पी रखते हैं और आपके अंदर कुछ अलग करने का हुनर है, तो आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या इंस्टाग्राम पर रील्स बनाकर इसे शेयर कर सकते हैं। यदि आपकी क्रिएटिविटी लोगों को पसंद आई, तो ऐसा करने से धीरे-धीरे आपकी फैन फॉलोइंग बढ़ सकती है। इसके बाद आप फेमस हो सकते हैं और आपकी अर्निंग भी शुरू हो सकती है। हालांकि, इसके लिए आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। आप चाहें तो वीडियो शूट करने के लिए अपने घर में भी छोटा सा शूटिंग कमरा बना सकती हैं। इसके अलावा, आप कहीं अच्छे स्पॉट पर भी शूट कर सकते हैं।

यूट्यूब से कर सकते हैं अच्छी कमाई

अगर आपके पास म्यूजिक का कोई एक्सपीरियंस नहीं है, लेकिन आपके अंदर इसके प्रति जुनून है, तो आप अपने टैलेंट को दुनिया के सामने दिखाने के लिए यूट्यूब का सहारा ले सकते हैं। इसपर आप अपनी लॉन्ग या शॉर्ट वीडियो बनाकर अपलोड कर सकते हैं। शुरुआत में तो धैर्य रखना पड़ेगा। पर, इसी तरह यदि आप सही समय और ट्रेंड को फॉलो करते हुए लगातार वीडियो डालेंगे तो आपके पोस्ट की रीच बढ़ सकती है। यही नहीं, आप इसके माध्यम से भी एक अच्छे कलाकार बन सकते हैं।

म्यूजिक से संबंधित कोर्स कर बनाएं करियर

अगर आप म्यूजिक में अपना करियर देखते हैं, तो आप इस फिल्ड में स्पेशल कोर्स करके भी प्लेसमेंट के जरिए आगे का रास्ता चुन सकते हैं। इसके लिए भारत में कई सारे कॉलेज और यूनिवर्सिटी उपलब्ध है, जो संगीत से ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स करने की सुविधा देते हैं।



बी.ए. करने के बाद इन करियर फील्ड में करें ट्राई

अगर अपने बीए की डिग्री हासिल की है और अब आपको यह समझ में नहीं आ रहा है कि आप अपने करियर को आगे किस तरह बढ़ाएं तो आप इन फील्ड में ट्राई कर सकते हैं।

किसी भी छात्र के लिए उसके करियर ऑप्शन का चयन करना एक बेहद ही महत्वपूर्ण निर्णय है। एक बार जब छात्र अपनी ग्रेजुएशन कंप्लीट कर लेते हैं तो वे अपने करियर को एक शेप देना चाहते हैं। आर्टर्स में बैचलर डिग्री यानी बीए एक ऐसा कोर्स है, जिसे अधिकतर बच्चे चुनते हैं।

आर्टर्स स्ट्रीम के बच्चों के लिए बीए करना एक बेहतर ऑप्शन माना जाता है। हालांकि, इसके बाद आप पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। इसमें आप इंग्लिश से लेकर पॉलिटिक्स और मनोविज्ञान तक किसी खास विषय को चुनते हैं। अमूमन यह माना जाता है कि बीए करने के बाद करियर ऑप्शन सीमित हो जाते हैं। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। आप बीए करने के बाद कई अलग-अलग फील्ड में अपना करियर देख सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि बीए करने के बाद आप किन फील्ड में करियर बना सकते हैं-

जर्नलिज्म में आजमाएं हाथ

बीए करने के बाद एडवरटाइजिंग या जर्नलिज्म की फील्ड में करियर के अवसर देखे जा सकते हैं। आप बीए करने के बाद जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन से जुड़ा कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद आप टीवी से लेकर रेडियो, अखबार व ऑनलाइन वेबसाइट्स आदि के लिए काम कर सकते हैं। ऑनलाइन स्ट्रीमिंग से लेकर डिजिटल जर्नलिज्म, पॉडकास्ट, ब्लॉग और एड आदि सभी इस फील्ड से जुड़े हुए हैं।

सिविल सर्विसेज की करें तैयारी

अगर आप चाहें तो बीए करने के बाद सिविल सर्विसेज एग्जाम जैसे यूपीएससी आदि की तैयारी कर सकते हैं। इसके अलावा, स्टेट लेवल एग्जाम का हिस्सा बनें। अगर आप इसे क्लीयर कर पाते हैं तो आपको बिना किसी परेशानी के आसानी से गवर्नमेंट जॉब मिल जाती है और गवर्नमेंट सर्विसेज का हिस्सा बन जाते हैं।

करें लॉ

अगर आप बीए की डिग्री हासिल करने के बाद अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं, तो आप बैचलर ऑफ लॉ या एलएलबी चुन सकते हैं। इस तीन साल के कोर्स के बाद आपको लीगल रीजनिंग से लेकर एनवायरनमेंटल लॉ, इंश्योरेंस लॉ आदि की गहन जानकारी हो जाती है। आप चाहें तो इसके बाद एलएलएम भी कर सकते हैं। इसके बाद आप लॉ प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं।

करें प्रोफेशनल राइटिंग

बीए करने के बाद आप प्रोफेशनल राइटिंग के क्षेत्र में भी हाथ आजमा सकते हैं। आमतौर पर, यह एक क्रिएटिव फील्ड है, जिसमें आप अपने विचारों को बेहद ही खास तरह से पेश करते हैं। यदि आपके पास साहित्य में डिग्री है, तो आप निश्चित रूप से क्रिएटिव राइटिंग की फील्ड में काम कर सकते हैं। आप स्क्रिप्ट, से लेकर भाषण, स्क्रीनप्ले, कविताएं आदि लिख सकते हैं। अगर आपका लेखन अच्छा है तो आप प्रोफेशनल राइटिंग करके अच्छी खासी कमाई कर सकती है।

करें बिजनेस मैनेजमेंट

बीए करने के बाद आप बिजनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा कर सकते हैं। यह एक साल का शॉर्ट टर्म कोर्स है, जिसमें छात्रों को अलग-अलग बिजनेस एक्टिविटीज और मैनेजमेंट से जुड़े सिद्धांतों का ज्ञान मिलता है। इसके बाद आप कई अलग-अलग आर्गेनाइजेशन के साथ मिलकर काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी सेटअप कर सकते हैं।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक



फिल्म 'लड़ाकू' से बतौर प्रोड्यूसर अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं कार्तिक आर्यन

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले कार्तिक आर्यन और कबीर खान की जोड़ी एक बार फिर साथ आ रही है। दोनों की अगली फिल्म का नाम और रिलीज डेट सामने आ गई है। बता दें कि फिल्म का नाम 'लड़ाकू' है। मेकर्स ने इसे एक ऐसी फिल्म बताया है, जो दर्शकों को भावुक करने के साथ प्रेरित भी करेगी। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ कार्तिक आर्यन बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं।

बुधवार को बिरला स्टूडियोज ने फिल्म 'लड़ाकू' की रिलीज डेट का ऐलान किया। यह फिल्म 18 जून, 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को बिरला स्टूडियोज और कबीर खान एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं, डोपामिन स्टूडियोज के जरिए कार्तिक आर्यन भी बतौर निर्माता इस फिल्म से जुड़ रहे हैं। मेकर्स के मुताबिक, 'लड़ाकू' एक सच्ची घटना पर आधारित असाधारण कहानी है, जिसमें महत्वाकांक्षा, हिम्मत और उम्मीद की झलक देखने को मिलेगी। इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया जा रहा है। फिलहाल फिल्म की कहानी, बाकी कलाकारों और क्रू से जुड़ी जानकारी सामने नहीं आई है।

'चंदू चैंपियन' में कर चुके हैं साथ काम

बता दें कि कार्तिक आर्यन और कबीर खान इससे पहले साल 2024 में आई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'चंदू चैंपियन' में साथ काम कर चुके हैं। यह फिल्म भारत के पहले पैरालंपिक मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म को क्रिटिक्स की खूब तारीफ मिली थी। कई लोगों ने इसे कार्तिक के करियर की अब तक की बेहतरीन परफॉर्मेंस भी बताया था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को खास सफलता नहीं मिली। करीब 80 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने सिनेमाघरों में लगभग 88 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। बाद में ओटीटी पर रिलीज होने के बाद इसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और यह फैंस की पसंदीदा फिल्मों में शामिल हो गई।



बॉलीवुड एक्ट्रेस राइमा सेन ने महल छोड़कर चुनी फिल्मों की दुनिया

फिल्म दुनिया में अपनी पहचान बनाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है, लेकिन जब कोई शाही परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद अभिनय की राह चुनता है, तो उनकी कहानी और भी ज्यादा दिलचस्प हो जाती है। अभिनेत्री राइमा सेन भी शाही परिवार से आती हैं, जिनका नाता राजघराने से रहा है। शाही परिवार से पली-बढ़ी राइमा ने ग्लैमर की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने का फैसला किया। 7 नवंबर 1979 को मुंबई में जन्मी अभिनेत्री राइमा सेन शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता भरत देव वर्मा त्रिपुरा के शाही परिवार के सदस्य हैं। उनकी दादी, इला देवी, कूच बिहार की राजकुमारी थीं और उनकी छोटी बहन गायत्री देवी जयपुर की महारानी थीं। वहीं, अभिनेत्री की मां मुनमुन सेन जानी-मानी अभिनेत्री हैं और उनकी नानी सुचित्रा सेन बंगाली सिनेमा की महान नायिका (महानायिका) मानी जाती थीं। घर में नानी और मां के अभिनय से जुड़े होने के कारण उन्हें अभिनय की दुनिया विरासत में मिली। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1999 में आई फिल्म 'गॉडमदर' से की थी, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। इसके बाद वे फिल्म 'दमन' में नजर आईं। बंगाली सिनेमा में रितुपर्णो घोष की फिल्म 'चोखेर बाली' में ऐश्वर्या राय के साथ उनके काम की बहुत सराहना हुई थी। इसके अलावा वह प्रमुख बंगाली फिल्मों 'बैशे श्राबोन', 'नौका डूबी', 'हृद मझारे' और 'माछ मिष्टी एंड मोर' में नजर आई थीं। उन्होंने साल 2005 में विद्या बालन के साथ फिल्म 'परिणीता' में काम किया, जिससे उन्हें हिंदी सिनेमा में भी बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म में उन्होंने सैफ अली खान और विद्या बालन के साथ काम किया था। साल 2011 में अभिनेत्री 'बैशे श्राबोन' में नजर आई थीं। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के साथ-साथ राइमा सेन के काम की भी सराहना हुई थी। उन्होंने 'द जापानी वाइफ', 'हनीमून ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड', 'द वैक्सीन वॉर' और 'मिस्ट्री चेज़' जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। उनकी प्रमुख वेब सीरीज में 'हैलो!', 'द लास्ट ऑवर' और 'माई' शामिल हैं।

'बेवफा सनम' में नील नितिन मुकेश के साथ काम कर बोलीं कशिका कपूर



अभिनेत्री कशिका कपूर सॉन्ग 'बेवफा से' में नील नितिन मुकेश के साथ नजर आ रही हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए कशिका ने बताया कि वह कभी आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं। अभिनेत्री कशिका कपूर ने बातचीत में अभिनेता नील नितिन मुकेश के साथ काम करने के अनुभव को मजेदार बताते हुए कहा, 'किसी सीनियर एक्टर से आपको हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है और नील को इंडस्ट्री में कई साल काम करने का काफी अनुभव है। यह एक शानदार सीखने वाला अनुभव था और हमने खूब मस्ती भी की। कभी ऐसा लगा ही नहीं कि मैं किसी इतने सीनियर एक्टर के साथ काम कर रही हूं।' अभिनेत्री ने बताया कि शूट होने से पहले उन्हें गाने के बारे में ज्यादा बातें नहीं बताई गई थीं। उन्होंने कहा, 'नील नितिन मुकेश के आने से कुछ महीने पहले ही यह प्रोजेक्ट लॉक हो गया था, लेकिन हमें नहीं पता था कि यह गाना सच में बनेगा या इसका कॉन्सेप्ट क्या होगा। आखिर में जब नील नितिन मुकेश फाइनल हुए तो मेकर्स ने गाने की धुन को देखते हुए इसमें एक डांस नंबर जोड़ने का फैसला किया। हमने रिहर्सल शुरू की और सब कुछ काफी अच्छा हुआ। तभी कहानी भी तैयार हुई। कशिका कपूर ने बताया, 'मुझे उम्मीद थी कि गाना लोगों को पसंद आएगा, लेकिन जो रिस्पॉन्स मिल रहा है, वो कमाल का है। मुझे लगता है जेन जी इस कहानी से इसलिए जुड़ रहे है, क्योंकि हमारी जनरेशन में ऐसी चीजें काफी आम होती जा रही हैं। ओपन रिलेशनशिप और धोखा जैसी चीजें हम अपने आसपास देखते हैं और शायद यही वजह है कि दर्शक इस गाने से इतना जुड़ाव महसूस कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'लोगों ने हमारे गाने को खुले दिल से अपनाया है और इतना प्यार दिया है। मैं इस रिस्पॉन्स के लिए बहुत आभारी हूं।

अभिनेता के तौर पर अलग तरह की दुनिया और किरदार करना हमेशा मजेदार होता है

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने अपनी आगामी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' के रिलीज से पहले कहा है कि किसी फिल्म या किरदार का चुनाव करते समय वह अपने अंदर के बच्चे की बात सुनती हैं। फिल्म के प्रचार के दौरान मुंबई में अपने सह-कलाकार पंकज त्रिपाठी के साथ बातचीत में अदिति ने कहा कि उन्हें इस फिल्म की कहानी बेहद प्यारी लगी। उन्होंने कहा, मुझे यह एक साधारण जिंदगी से जुड़ी कहानी वाली फिल्म लगी। इसके साथ जुड़े लोग भी ऐसे थे, जिनके साथ काम करने का मौका मुझे आम तौर पर नहीं मिलता। यही सब बातें थीं, जिन्होंने मुझे यह फिल्म करने के लिए प्रेरित किया। अदिति ने कहा कि एक अभिनेता के तौर पर अलग तरह की दुनिया और किरदार में काम करना हमेशा मजेदार होता है। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में एक हल्कापन था, जो मुझे बहुत पसंद आया। मैं बस इसे करना चाहती थी। मैंने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा। मेरे भीतर एक उत्साह और सहज भावना थी। मैं अपने अंदर के बच्चे की सुनती हूं। अगर किसी चीज को लेकर मैं उत्साहित होती हूं, तो मेरे लिए उस सफर का महत्व सबसे ज्यादा होता है क्योंकि परिणाम मेरे हाथ में नहीं होता।' उन्होंने कहा, 'अगर यात्रा मजेदार हो, उसमें रोमांच हो, सीखने का अवसर हो और अच्छे लोग साथ हों, तो वही सबसे महत्वपूर्ण होता है। आखिरकार वही अनुभव आपके साथ हमेशा रहता है।'





आईपीएस अफसर किरदार निभाने के लिए खुद से ज्यादा निर्देशक को भरोसा था

निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी पैन-इंडियन एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'ओम: चैप्टर 1- उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी आईपीएस अफसर के किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि इस किरदार को निभाने के लिए उनसे ज्यादा निर्देशक को उन पर ज्यादा भरोसा था। शुक्रवार को साईराम इंजीनियरिंग कॉलेज में हुए फिल्म के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च इवेंट में हिस्सा लेते हुए साई पल्लवी ने कहा, 'राजकुमार पेरियासामी कमाल के निर्देशक हैं। मैंने उन्हें पिछली फिल्म में ही कह दिया था कि मैं उनकी अगली फिल्म का हिस्सा बनना चाहती हूं लेकिन उन्होंने मेरी बात को सीरियस लिया और यह फिल्म बनाई। मेरे पुलिसवाले रोल पर उन्हें मुझसे भी ज्यादा भरोसा था। स्टंट सीक्वेंस पर काम करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव था। राजकुमार सर ने इस किरदार को कई परतों के साथ लिखा है। वो हर एक्ट्रेस के ड्रीम डायरेक्टर हैं, जिस तरह से वो महिलाओं के किरदार लिखते हैं, वो कमाल है।' अभिनेत्री ने बताया कि उनकी पिछली फिल्म 'अमरन' में उनके किरदार को पूरे समय 'ममूटी' कहकर पुकारा जाता था और अब उन्हें उसी मलयालम सुपरस्टार के साथ काम करने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, 'पिछली फिल्म में ममूटी-ममूटी कहकर अब ममूटी सर के साथ। पता नहीं क्या मैंने इसे मैनिफेस्ट कर लिया था।' फिल्म 'ओम: चैप्टर 1 - उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी एक कड़क और शक्तिशाली पुलिस अधिकारी नित्या रेड्डी (आईपीएस/सीबीआई अधिकारी) की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म लाल चंदन की अवैध तस्करी के इर्द-गिर्द घूमती है। नित्या रेड्डी इसी तस्करी के नेटवर्क की जांच करने के लिए 'ऑपरेशन ओम' के तहत मैदान में उतरती हैं। उनकी जांच के पीछे एक व्यक्तिगत नुकसान की वजह जुड़ी है, जो उन्हें न्याय पाने के लिए प्रेरित करती है।



प्रलयः रणवीर की फिल्म की शूटिंग पर उठे सवाल

रणवीर सिंह अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि उनकी फिल्म की शूटिंग पर विवाद हो रहा है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने महाराष्ट्र खेल विभाग की तरफ से फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई के आजाद मैदान को इस्तेमाल करने की अनुमति दिए जाने पर आपत्ति जताई है। एसोसिएशन ने अधिकारियों पर आरोप लगाया है कि वे इस खेल मैदान का व्यावसायिक इस्तेमाल कर रहे हैं। इस शूटिंग की वजह से अंडर-14 और अंडर-16 इंटर-स्कूल मैचों को टालना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एमसीए ने खेल विभाग के उप-निदेशक को पत्र लिखकर पूछा है कि व्यावसायिक अनुमति देने से पहले एसोसिएशन से सलाह क्यों नहीं ली गई। एमसीए एपेक्स काउंसिल के सदस्य नदीम मेमन ने बताया कि खेल विभाग युवा खिलाड़ियों की जरूरतों के बजाय व्यावसायिक बुकिंग को ज्यादा अहमियत दे रहा है।

मैदान पर अतिक्रमण का इल्जाम

मेमन ने कहा, 'आजाद मैदान का एक बड़ा हिस्सा पहले ही मेट्रो के निर्माण कार्य के लिए दे दिया गया था, मगर कई बार याद दिलाने के बावजूद ठेकेदारों ने अभी तक वह जगह खाली नहीं की है। मुंबई पुलिस भी अपनी मूल जगह पर वापस जाने के बजाय अभी भी मैदान पर कब्जा जमाए हुए है। अब यहां फिल्मों की शूटिंग की भी अनुमति दी जा रही है।'

मेमन ने उठाए सवाल

मेमन ने बताया कि फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग के लिए मैदान पर बड़े-बड़े सेट लगाए गए और खेलने वाली सतह पर कृत्रिम घास बिछा दी गई। आजाद मैदान ट्रेनिंग ग्राउंड है, न कि कोई व्यावसायिक जगह। धार्मिक आयोजनों, राजनीतिक रैलियों, मैराथन और प्रदर्शनियों की वजह से पहले भी यहां खेल गतिविधियों में रुकावटें आई हैं। मेमन ने सवाल उठाया कि युवा टूर्नामेंटों में आने वाली रुकावटों की जिम्मेदारी कौन लेगा? एमसीए ने अपने आधिकारिक पत्र में खेल विभाग से आग्रह किया है कि वे पहले से तय खेल आयोजनों को प्राथमिकता दें। एसोसिएशन ने जोर देकर कहा कि उनके अंडर-14 और अंडर-16 टूर्नामेंट काफी पहले से तय कर लिए जाते हैं और ये राज्य में क्रिकेट के विकास तंत्र का एक अहम हिस्सा हैं।

राज्य सरकार ने प्रोडक्शन हाउस 'लाइट रेज' को आजाद मैदान में 5000 वर्ग गज सरकारी जमीन का छह घंटे तक इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। इसके लिए 40000 रुपये का किराया और 40000 रुपये की रिफंडेबल सिक्योरिटी डिपॉजिट (सुरक्षा राशि) ली गई है। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, खेल उप निदेशक नवनाथ फर्टाडे ने कहा एक सरकारी प्रस्ताव (ठक्र) के तहत विभाग को यह अधिकार है कि वह साल में 30 दिनों तक आजाद मैदान को खेल-कूद के अलावा अन्य गतिविधियों के लिए आवंटित कर सकता है।

क्या बोले निर्माता

'प्रलय' के निर्माता हंसल मेहता ने बताया कि शूटिंग शुरू करने से पहले उनकी प्रोडक्शन टीम ने संबंधित अधिकारियों से सभी जरूरी अनुमतियां ले ली थीं।

